दिनमान तापमान

सूर्योदय 5.41 | सूर्यास्त 5.47 | अधिकतम 27° | न्यूनतम 22

वर्ष 16, अंक 304 पृष्ठ 12
कोलकाता, मंगलवार, 19 मार्च, 2024
फाल्गुन, शुक्लपक्ष, दशमी, वि.सं. 2080

मूल्य: ₹3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण

www.yuvashaktinews.com

गार्डेनरीच में 5 मंजिला बिल्डिंग गिरी, 9 मरे

12 घायल, कई लोगों के फंसे होने की आशंका ■ लोगों का आरोप– बगैर परमिशन हो रहा था निर्माण

कोलकाताः महानगर के कोलकाता के गार्डेनरीच इलाके में रविवार देर रात एक 5 मंजिला अंडर कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग गिर गई. सुबह तक इसमें 2 लोगों के मौत की खबर थी अब यह आंकड़ा 9 हो गया है. घटना साउथ कोलकाता के गार्डेनरीच की है. अब तक 13 लोगों का रेस्क्यू किया जा चुका है. मलबे में कई और लोगों के दबे होने की आशंका है.

उधर, सोमवार सुबह बंगाल की सीएम ममता बनर्जी भी हादसे वाली जगह पर पहुंचीं. पुलिस के मुताबिक घटना के समय बिल्डिंग खाली थी. इसके बगल में झुग्गियां हैं, जिन पर बिल्डिंग गिर गई. वहां लोग सो रहे थे. लोगों की तलाश करने के लिए मलबे को गैस कटर से काटकर हटाया जा रहा है. कोलकाता पुलिस, डिजास्टर मैनेजमेंट और फायर सर्विस की टीमें अभी भी सर्च ऑपरेशन चला रही हैं. कई एम्बुलेंस भी तैनात की गई हैं. पुलिस ने बताया कि घटनास्थल का इलाका भीड़भाड़ वाला है. इसलिए सावधानी बरती जा रही है. पुलिस के मुताबिक, जो बिल्डिंग गिरी, वहां पिछले छह महीने से निर्माण का काम चल रहा था. स्थानीय लोगों का आरोप है कि कोलकाता नगर निगम और पुलिस की अनुमति के बिना कंस्ट्रक्शन हो रहा था. पुलिस ने इस भवन के बिल्डर को गिरफ्तार कर लिया है. वहीं कोलकाता पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल ने घटनास्थल का दौरा किया और बचाव अभियान का जायजा लिया. पश्चिम बंगाल फायर ब्रिगेड और आपातकालीन सेवाओं के प्रभारी निदेशक अभिजीत पांडे ने बताया कि बचाव दल मौके पर मौजूद है. स्थानीय लोगों के अनुसार, इमारत गिरने से पहले कंक्रीट के टुकड़े गिरे थे. जिसके बाद इमारत ढहते ही तेज आवाज हुई और धूल का घना बादल इलाके में छा गया. उन्होंने बताया कि मलबा घनी आबादी वाले इलाके में आसपास की झोपड़ियों पर गिरा. एक स्थानीय निवासी ने कहा कि हालांकि निर्माणाधीन इमारत में कोई नहीं रहता था, लेकिन यह बगल की झुग्गियों पर गिर गई. घटना को लेकर भाजपा विधायक और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया.

उन्होंने हादसे की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा- मेटियाब्रुज स्थित गार्डन रीच एरिया में हजारी मोल्ला बागान में अवैध रूप से निर्मित एक 5 मंजिला इमारत ढह गई है. यह क्षेत्र कोलकाता के मेयर और नगरपालिका मामलों के मंत्री का गढ़ है.

शेरु ने दोस्तों को फोन कर कहा, मुझे निकालो, मै अंदर में हूं

कोलकाताः गार्डेनरीच में निर्माणाधीन इमारत गिरने से 9 लोगों की मौत हो चुकी है और खबर के लिखे जाने तक राहत व बचाव दल के लोग मलवे से घायलों को निकालने की कवायद में थे. वहीं स्थानीय एक व्यवसायी शेरु निजाम को स्थानीय लोग छटपटाहट में खोज रहे थे. घटना स्थल पर शेरु के दोस्तों ने बताया कि, हमेशा खुश रहने वाला शेरु भी इस मलवे में दबा हुआ है और वह शायद जिन्दा है. स्थानीय लोगों ने बताया कि, जब देर रात निर्माणाधीन इमारत धराशाई हुई तभी शेरु ने मलवे के अंदर से अपने दोस्तों के मोबाइल पर फोन कर कहा कि, मै अंदर फंसा हुआ हूं, मुझे निकालो. लेकिन बाद में मोबाइल फोन शांत हो गई और तब से शेरु के दोस्त और परिजन उसे पागलों की तरह तलाशते रहें. बहरहाल उक्त खबर के लिखे जाने तक यह लापता शेरु का पता नहीं चल सका था. स्थानीय लोगों ने बताया कि घटना की देर रात शेरु अपने कई दोस्तों के साथ निर्माणाधीन इमारत में अड्डा जमा रहा था कि, एक तेज आवाज हुई और फिर इमारत गिर गई.

घटना के दोषियों के खिलाफ हो कड़ी कार्रवाई: ममता

मुख्यमंत्री ने कहा, बेहद मार्मिक घटना, शोक स्तब्ध हूं

कोलकाताः पोर्ट अंचल के मटियाबुर्ज संलग्न गार्डेनरीच थाना इलाका स्थित निर्माणाधीन इमारत ताश की पत्तों की तरह धराशायी हो गई और खबर के लिखे जाने तक दो महिलाओं सहित 9 लोगों की मौत हो चुकी थी.

घटना की खबर पाकर सिर पर पट्टी बंधी अवस्था में सोमवार को खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहुंची और उन्होंने उक्त घटना पर दुख प्रकट करते हुए कहा कि, दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दे दिए हैं और उक्त निर्माण को अवैध निर्माण भी करार देते हुए कहा कि, उक्त घटना काफी मार्मिक है. मुख्यमंत्री ने कहा, रमजान के महीने में ऐसा हादसा होने से हम सभी गहरे शोक में हैं. यह काफी भीड़-भाड़ वाला इलाका है और अवैध निर्माण के कारण यह घटना घटी है. युद्ध स्तर पर बचाव अभियान किया जा रहा है. सीएम ममता ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की. मुख्यमंत्री ने कहा कि, यह क्षेत्र बहुत घना है. यहां निर्माण कार्य एक दिन में नहीं हुए, वर्षों से निर्मित है. मैंने यह सब देखा है. हमारी पुलिस टीम, मंत्री सभी ने रात भर काम किया. मैंने मेयर से जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि इस बहुमंजिला इमारत का निर्माण अवैध तरीके से किया जा रहा था. इसलिए हादसा हुआ. आसपास के लोगों रहने के हालात पर ध्यान दिए बगैर ही उक्त निर्माण हुए. मैं बहुत दुखी हूं. राज्य सरकार *पेज 9 पर जारी*

बिहार में एनडीए में हुआ सीटों का बंटवारा

भाजपा 17–जदयू 16 पर लड़ेगी, लोजपा को पांच सीटें ● हम–लोक मोर्चा को एक–एक सीट, पारस खाली हाथ

पटनाः राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में बिहार की सीटों का बंटवारा हो चुका है. सोमवार शाम दिल्ली में एनडीए की ओर से प्रेस कांफ्रेंस की गई. बिहार भाजपा प्रभारी विनोद तावड़े ने बिहार एनडीए में सीट शेयरिंग की घोषणा कर दी. उन्होंने 'कहा कि बिहार में भारतीय जनता पार्टी 17 सीटों पर, जनता दल यूनाईटेड 16 सीटों पर और लोक जनशक्ति पार्टी पांच सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेगी.

वहीं हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा और राष्ट्रीय लोक मोर्चा को एक-एक सीट दी गयी है. बिहार भाजपा के प्रभारी विनोद तावड़े ने कहा कि भाजपा पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, औरंगाबाद, अररिया, मधुबनी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, महाराजगंज, सारण, उजियारपुर, बेगूसराय, नवादा, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर, और सासाराम समेत 17 सीटों पर चुनाव लड़ेगी. जदयू वाल्मिकी नगर, सीतामढ़ी, शिवहर, झंझारपुर, सुपौल, किशनगंज, कटिहार, मधेपुरा, गोपालगंज, सीवान *पेज 9 पर जारी*

आचार संहिता लागू होने के बाद चुनाव आयोग की बड़ी कार्रवाई

राजीव कुमार हटाये गए, विवेक सहाय होंगे बंगाल के नये डीजीपी

नई दिल्लीः निष्पक्ष लोकसभा चुनाव में समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने सोमवार को गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के गृह सचिवों को हटाने का आदेश दिया. उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक को हटाने का भी आदेश दिया गया. यह कदम समान अवसर बनाए रखने और चुनावी प्रक्रिया की अखंडता सुनिश्चित करने के आयोग के कोशिशों का हिस्सा है. इस बीच, चुनाव आयोग के निर्देश पर बंगाल सरकार ने विवेक सहाय को राज्य का नया डीजीपी नियुक्त किया है.

चुनाव आयोग ने राज्य से 3 अधिकारियों के नाम मांगे थे. इसके बाद विवेक सहाय को डीजीपी बनाए जाने की पुष्टि हुई है. इससे पहले 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी विवेक सहाय राज्य पुलिस के महानिदेशक और कमांडेंट जनरल (होमगार्ड) के प्रभारी थे. सूत्रों के मुताबिक, राजीव कुमार को पद से हटाने के अनुभव को देखते हुए जिन अधिकारियों के नाम सामने आ रहे थे, उनमें विवेक सहाय का नाम नहीं था लेकिन आखिर में उनके नाम पर मुहर लग गई. चुनाव आयोग की सख्त कार्रवाई के बाद राज्य सरकार ने राजीव कुमार को एक बार फिर सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव पद पर वापस भेज दिया है.

साथ ही मिजोरम और हिमाचल प्रदेश के सामान्य प्रशासनिक विभागों के सचिव को हटा दिया गया है. लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा के कुछ दिनों बाद मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की अध्यक्षता वाले चुनाव पैनल ने बृहन्मुंबई नगर आयुक्त इकबाल सिंह चहल, अतिरिक्त आयुक्तों और उपायुक्तों को हटाने का भी आदेश दिया.

आयोग ने सभी राज्य सरकारों को निर्देश दिया था कि वे चुनाव संबंधी कार्यों से जुड़े उन अधिकारियों का तबादला करें, जो तीन साल पूरे कर चुके हैं या अपने गृह जिलों में हैं. महाराष्ट्र ने कुछ नगर निगम आयुक्तों और कुछ अतिरिक्त *पेज 9 पर जारी*

छह राज्यों के गृह सचिवों को हटाने के निर्देश

विपक्षी दलों ने किया स्वागत

राजीव कुमार को कुर्सी से हटाए जाने की जानकारी सामने आने के बाद विपक्षी दलों ने इस कदम का स्वागत किया है. भाजपा के राज्यसभा सदस्य समिक भट्टाचार्य ने कहा कि कुमार के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए उन्हें कुर्सी से हटाना अपरिहार्य था. इसकी जानकारी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी थी, लेकिन फिर भी उन्होंने शायद कुछ ध्यान में रखते हुए उन्हें नियुक्त किया. माकपा की केंद्रीय समिति के सदस्य सुजन चक्रवर्ती ने कहा कि अन्यथा एक कुशल पुलिस अधिकारी माने जाने वाले राजीव कुमार के लिए मेरा सिर्फ एक सवाल है. किस बात ने उन्हें इस स्तर तक गिरने पर मजबूर कर दिया कि उनकी छवि बार-बार धूमिल हुई. लेकिन ऐसा लगता है कि उन्होंने इससे कोई सबक नहीं लिया है.

शंभू नाथ चौधरी ने एडीजी पीआईबी कोलकाता का पदभार ग्रहण किया

कोलकाताः भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) के वरिष्ठ अधिकारी श्री शंभू नाथ चौधरी ने सोमवार को पत्र सूचना कार्यालय(पीआईबी), कोलकाता के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) का पदभार आज ग्रहण किया. वह पीआईबी कोलकाता और केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी), कोलकाता और सिलीगुड़ी क्षेत्र दोनों का नेतृत्व करेंगे. वह आरएनआई के अतिरिक्त प्रेस रजिस्ट्रार के रूप में भी कार्य करेंगे. इससे पहले वह ऑल इंडिया रेडियो और पीआईबी दिल्ली में अलग-अलग पदों पर काम कर चुके हैं. श्री चौधरी 1998 बैच के भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) अधिकारी हैं.पीआईबी कोलकाता के वरिष्ठ अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों ने नया कार्यभार संभालने पर उनका स्वागत किया. एडीजी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के पहले ही दिन उन्होंने पीआईबी/सीबीसी के अधिकारियों के साथ रोजमर्रा के विभिन्न मामलों पर चर्चा की.

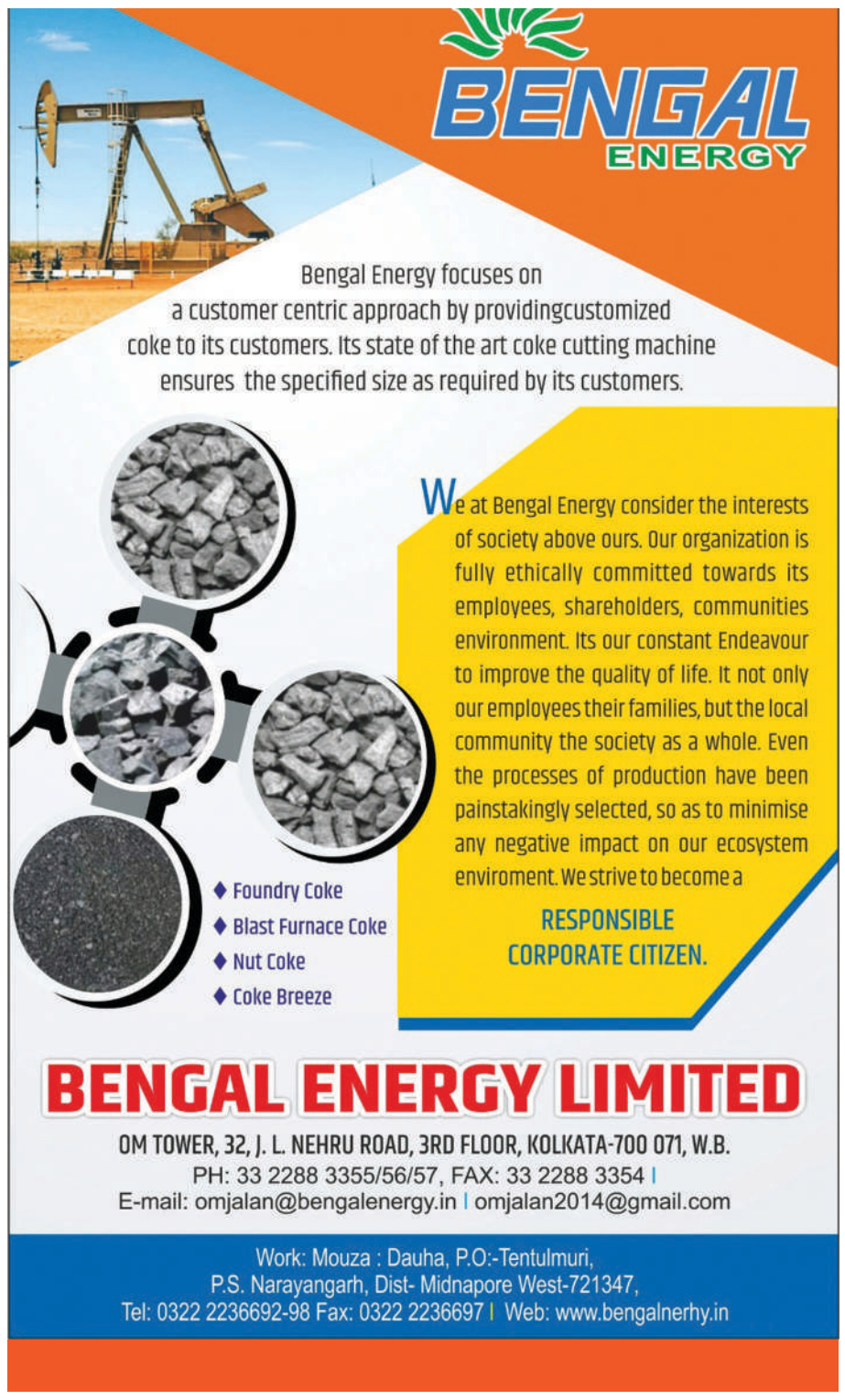

न्यूज कॉर्नर

बीजेपी नेता जितेंद्र तिवारी ने अपने समर्थकों के साथ काली मंदिर में पूजा अर्चना की

आसनसोल : बीजेपी नेता जितेंद्र तिवारी ने अपने समर्थकों के साथ आसनसोल गोधली इस्थित काली मंदिर में पूजा अर्चना किया पूजा करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए श्री तिवारी ने कहा की आसनसोल के तृणमूल के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा बस दो महीने तक ही सांसद हैं उसके बाद यहां से उन्हें हस्ते हस्ते विदा होना होगा सूत्रों के माने तो बीजेपी से जितेंद्र तिवारी दे सकते हैं सत्रुघन सिंहा को टक्कर वही आपको बताते चले कि आसनसोल से बीजेपी ने भोजपुरी के सुपरहिट अभिनेता पवन सिंह की प्रत्याशी बनाया था उसके बाद ट्विटर हैंडल के द्वारा पवन सिंह ने आसनसोल से चुनाव लड़ने को लेकर इंकार कर दिया था क्या अब बीजेपी जितेंद्र तिवारी को उतारने के तैयारी कर रही कुछ दिन में ही साफ हो जाएगा की बीजेपी आसनसोल से प्रत्याशी के रूप में किसको उतार रही है

फ्लाइंग स्क्वायर्ड का रिटर्निंग ऑफिसर शमा परवीन ने किया उद्घाटन

जलपाईगुड़ी : जलपाईगुड़ी के जिला शासक और रिटर्निंग ऑफिसर शमा परवीन ने सोमवार दोपहर को फ्लाइंग स्क्वायर्ड का उद्घाटन किया,. इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक उमेश गणपत खंडबाले और पुलिस अधिकारी उपस्थित थे इस संदर्भ में जिला रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि जलपाईगुड़ी लोकसभा क्षेत्र के लिए कुल 26 फ्लाइंग स्क्वायर्ड दल का गठन किया गया है, जो मूल रूप से चुनाव आचार संहिता के किसी भी उल्लंघन पर नजर रखेंगे.

तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार प्रकाश चिक बराइक विकास के नाम पर लोगों से मांग रहे हैं वोट

अलीपुरद्वार : अलीपुरद्वार लोकसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार प्रकाश चिक बराइक ने शालकुमार काली मंदिर में पूजा करके अपने चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत की. आज तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार प्रकाश चिक बराइक ने अलीपुरद्वार के कई स्थानों पर प्रचार करेंगे. अलीपुरद्वार लोकसभा क्षेत्र में वह लगातार लोगों से मिल रहे है और तृणमूल के विकास कार्यों को लोगों के समक्ष रखते हुए वोट मांग रहे है.

उत्तर बंगाल में चुनाव प्रचार पकड़ रह है जोर, सभी राजनीतिक दलों के नेता झोंक रहे है पूरी ताकत

जलपाईगुड़ी : उत्तर बंगाल में चुनाव प्रचार जोर पकेड़ रह है. सभी राजनीतिक दलों के नेता पूरी ताकत से चुनाव प्रचार में जुट गए है. आज वामपंथी उम्मीदवार को चाय बागान श्रमिकों के बीच प्रचार करते देखा गया रहे हैं. इधर एक बार फिर से तृणमूल उम्मीदवार भवइया गीत के माध्यम से जलपाईगुड़ी में भीड़भाड़ वाला इलाके में चुनाव प्रचार कर रहे है.आगामी लोकसभा चुनाव के लिए वाम मोर्चा द्वारा घोषित सीपीआई (एम) उम्मीदवार देबराज बर्मन के समर्थन में भांडीगुड़ी चाय बागानों में जाकर श्रमिकों के बीच अपने प्रचार अभियान चलाया. सातों सुबह चाय बागान में श्रमिकों के बीच पहुँच गए थे.वहीं दूसरी ओर,राजगंज के विधायक खगेश्वर रॉय के साथ धुपगुड़ी विधायक और जलपाईगुड़ी लोकसभा क्षेत्र के तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार प्रोफेसर निर्मल चंद्र रॉय जलपाईगुड़ी लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में भवइया गीत के माध्यम से अपना चुनाव प्रचार कर रहे है. आज उन्होंने सुबह कई जगहों में जाकर चुनाव प्रचार किया.

सभी लोगों की मंगल कामना के साथ शीतला पूजा का हुआ आयोजन

जलपाईगुड़ी : सभी लोगों की मंगल कामना करते हुए जलपाईगुड़ी गौशाला मोड़ से सटे इंदिरा गांधी कॉलोनी सॉलिडेरिटी संघ क्लब के पास शीतला ठाकुर मंदिर में शीतला पूजा का आयोजन किया गया है. क्षेत्र की महिलाएं माँ शीतला की पूजा की करती हुई दिखाई दी. शीतला पूजा को लेकर स्थानीय निवासियों में काफी श्रद्धा है. इस पूजा में क्षेत्र के छोटे से लेकर बड़े लोग उपस्थित दिखायी दिये. पूजा के बाद सभी के बीच खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया. आयोजकों में से एक मौसमी घोष ने बताया कि काफी संख्या में लोगों ने पूजा में भगा लिया

ईस्टर्न हिमालय ट्रैवल एंड टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने मेयर गौतम देव के साथ की बैठक

सिलीगुड़ी : उत्तर बंगाल में पर्यटन उद्योग के विस्तार के लिए सिलीगुड़ी नगर निगम के सहयोग से ईस्टर्न हिमालय ट्रैवल एंड टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन (ईएचटीटीओए) काम करना चाहता है.

ईस्टर्न हिमालय ट्रैवल एंड टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन के नई कमिटी का गठन किया गया है और नई कमिटी के सदस्यों ने आज मेयर गौतम देव के साथ बैठक की.सोमवार को ईएचटीटीओए की नई कमेटी के सदस्यों ने नगर निगम में जाकर मेयर के साथ बैठक की. बैठक में उत्तर बंगाल में पर्यटन उद्योग को और कैसे विकसित किया जाए, इस पर चर्चा हुई. इसके अलावा पर्यटन कारोबारियों के इस संगठन ने नगर निगम से पर्यटन विकास के लिए सहयोग भी मांगा है.

रामनगर में लगे चुनाव बहिष्कार के पोस्टर

मुर्शिदाबाद : जिले के फरक्का ब्लॉक अंतरगत बेवा-2 ग्राम पंचायत के रामनगर गांव में पेय जल की कमी है. प्रशासन के विभिन्न स्तरों पर लंबी अपील के बावजूद पर्याप्त पेयजल नहीं मिलने के कारण लोकसभा चुनाव के बहिष्कार का आह्वान करते हुए सोमवार सुबह गांव की दीवारों पर पोस्टर पाए गए है.आरोप है कि रविवार रात के अंधेरे में किसी ने गांव के विभिन्न इलाकों में वोट बहिष्कार का पोस्टर लगा दिया.मुर्शिदाबाद के फरक्का ब्लॉक मालदा (दक्षिण) लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है.

रामनगर गांव के निवासी सोहिनी मंडल ने बताया कि आज सुबह हमने गांव के विभिन्न हिस्सों में चुनाव बहिष्कार का आह्वान करने वाले पोस्टर देखा. इन पोस्टरों में गांव में पीने के पानी की कमी और आवास योजना में भ्रष्टाचार के बारे में लिखा था.उन्होंने शिकायत की, इस क्षेत्र में सरकारी नल लंबे समय से पर्याप्त पानी नहीं दे रहे हैं. ग्राम पंचायत प्रमुख से लेकर स्थानीय पंचायत सदस्यों तक हर कोई जल संकट के बारे में जानता है. गांव में पानी का संकट एक साल से अधिक समय से है लेकिन किसी भी राजनीतिक दल ने हमारी समस्या का समाधान नहीं किया. इसलिए हम वोट बहिष्कार के आह्वान का समर्थन करते हैं.फरक्का से तृणमूल विधायक मोनिरुल इस्लाम ने कहा कि जिस गांव में वोट बहिष्कार का आह्वान किया गया है, वहां वामपंथ का एक पंचायत सदस्य है.

वह क्षेत्र में कोई काम नहीं करता है और उनका नाम आवास योजना में भ्रष्टाचार में भी शामिल है.

तृणमूल विधायक ने कहा कि राज्य सरकार ने फरक्का की विभिन्न ग्राम पंचायतों में पानी की समस्या को हल करने के लिए पहले ही लगभग 300 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं. इसमें से बेवा-1 और बेवा-2 ग्राम पंचायतों में जल परियोजनाएं पहले ही शुरू हो चुकी हैं. करीब 150 करोड़ रुपये का काम पूरा होने पर इलाके में पीने के पानी की समस्या खत्म हो जाएगी. तृणमूल विधायक ने ग्रामीणों से चुनाव बहिष्कार के आह्वान से पीछे हटने की अपील की.

सड़क पर पलटी यात्री बस, 14 घायल

तमलुक : बीच सड़क पर बस पलटने से करीबन 14 लोग घायल हो गये. घटना सोमवार सुबह पूर्व मेदिनीपुर ज़िले की है. सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है.सूत्रों के अनुसार, मेचेदा-हल्दिया जाने के दौरान सोमवार सुबह 10:40 बजे राधामणि बस स्टैंड के बाद यात्री बस गौरांगपुर इलाके में पलट गयी. बस के अंदर मौजूद लोग इधर-उधर उछल पड़े. लगभग हर किसी को चोट लगी है. उनमें से 14 गंभीर रूप से घायल हो गए. इनमें दो महिलाएं और चार बच्चे शामिल हैं. घटना की सूचना मिलने पर तमलुक थाने की पुलिस मौके पर पहुंची. कई एंबुलेंस भी मौके पर पहुंचीं और घायलों को ताम्रलिप्तो मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया. वहीं उनका इलाज चल रहा है.दुर्घटनाग्रस्त बस के एक यात्री ने दावा किया कि बस तेज़ गति से चल रही थी. बस ने कई गाड़ियों को ओवरटेक करने की कोशिश की, जिसमें काफी देर से पीछे चल रही बस भी शामिल थी. घटना के बाद से बस ड्राइवर का कोई पता नहीं चल पाया है. पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बस के यात्रियों के लिए वैकल्पिक बस की व्यवस्था की और गंतव्य तक पहुंचाया.

धान के पुआल की ढेर में लगी आग

उत्तर दिनाजपुर : उत्तर दिनाजपुर जिले के इस्लामपुर थाने के खबरगांव इलाके में धान की पुआल या पराली के ढेर में आग लगने से अफरा तफरी मच गई. मालूम हो कि स्थानीय लोगों ने दोपहर के समय जहरा खातून नामक महिला के धान की पुआल में आग को देखा. आस पास और भी धान के पुआल था, जिसमें आग लगने की संभावना थी.स्थानीय लोगों ने जल्दी से आग बुझाने की कोशिश की, मगर आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि इसको बुझाया नहीं जा सका और आग ने कई अन्य धान की पुआल के ढेर को भी अपने चपेट में ले लिए. इसके बाद इस्लामपुर फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई. सूचना मिलने पर दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया. हालांकि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि आग कैसे लगी.

भयावह हादसा : पत्थर लदे डंपर और लॉरी के बीच आमने- सामने की टक्कर में ड्राइवर की हुई मौत

जलपाईगुड़ी : जलपाईगुड़ी में काफी भयावह हादसा हुआ है. दो वाहनों के बीच आमने-सामने की टक्कर में एक चालक की मौत हो गयी है. दुर्घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गयी. मालूम हो कि मृत कार चालक का नाम जब्बार इस्लाम (28) था . उनका घर मैनागुड़ी के बागजान इलाके में है. स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार रात करीब 11 बजे उदलाबाड़ी से चंगराबांधा की ओर बोल्डर लदा डंपर राजारहाट चौराहे से सटे इलाके में विपरीत दिशा से आ रही जूट लदी दस पहिया लारी से टकरा गई. दोनों वाहनों के आमने-सामने टक्कर से डंपर वाहन का अगला हिस्सा मुड़ गया. ड्राइवर गंभीर हालत में डंपर के अंदर फंस गया. इस बीच घटना की सूचना पाकर मैनागुड़ी थाने की पुलिस और दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे. कई घंटों की मशक्कत के बाद उन्होंने ड्राइवर को बचाया और उसे मैनागुड़ी ग्रामीण अस्पताल ले गए, जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया. इस बीच, इस घटना के कारण मैनागुड़ी के चांगराबांधा की ओर जाने वाले रोड पर भीषण जाम लग गया. बाद में पुलिस के प्रयास से जाम सामान्य हो सका. इस बीच पुलिस ने सोमवार को शव अपने कब्जे में लेने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जलपाईगुड़ी मुर्दाघर भेज दिया. पुलिस ने कहा कि दो वाहनों को तत्काल जब्त कर लिया गया है.

भाजपा के राज्य सभा सांसद अनंत महाराज ने फिर उठाया अलग राज्य का मुद्दा

इस्लामपुर : लोकसभा चुनाव की तारीखों का एलान हो चुका है. इस बीच विभिन्न राजनीतिक पार्टियां चुनाव प्रचार में जोर शोर से जुट गयी हैं. वहीँ चुनावी माहौल में भाजपा के पश्चिम बंगाल से राज्य सभा सांसद अनंत महाराज ने एक बार फिर अलग राज्य का मुद्दा उठाया है. उनके अलग राज्य का राग छेड़ने से चुनावी माहौल गरमा गया है . राज्य सभा सांसद अनंत महाराज ने कहा 'मैं अलग राज्य की मांग से पीछे हटने वालों में से नहीं हूं. अगर लोग मुझे नहीं चाहते तो मैं राज्यसभा सांसद का पद छोड़ सकता हूं.' . सोमवार को अनंत महाराज मां भवानी समिति के आह्वान पर शिव चंडी पूजा में भाग लेने के लिए उत्तर दिनाजपुर जिले के कालियागंज ब्लॉक के सपकली इलाके में आये थे. राजवंशी समुदाय के इस धार्मिक आयोजन में मौजूद अनंत महाराज ने पत्रकारों के सवालों के जवाब में अलग राज्य की मांग पर अपना रुख स्पष्ट किया.

गर्मी शुरू होते ही जलपाईगुड़ी में पानी के लिए मचा हाहाकार, लोगों ने पानी का ड्रम, बाल्टी लेकर किया अवरोध

जलपाईगुड़ी : गर्मी शुरू होते ही एक बार फिर से जलपाईगुड़ी में पानी को लेकर हाहाकार मचना शुरू हो गया है. पानी की किल्लत होने के कारण स्थानीय निवासियों ने पीने के पानी की मांग करते हुए पानी के ड्रम, बाल्टी, बर्तन और जग को लेकर सड़कों को अवरुद्ध कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है.लोकसाभा मतदान को लेकर जारी गहमागहमी के बीच तरह के आंदोलन से प्रशासन असमंजस की स्थिति में है.बता दें कि पेयजल की मांग को लेकर सोमवार को बानरहाट के एलआरपी जंक्शन से सटे इलाके में बानरहाट से चालसा जाने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया. पानी का ड्रम, बाल्टी, बर्तन और जग को लेकर सड़कों को अवरुद्ध कर विरोध प्रदर्शन करने से गाड़ियों का आवागमन रुक गया . स्थानीय लोगों का कहना है कि घर-घर पीने का पानी पहुंचाने वाले दल को वोट देंगे. प्रदर्शनकारियों ने की शिकायत है कि उन्हें कई महीनों से नियमित पीने का पानी नहीं मिल रहा है. आरोप है कि कई बार प्रशासन से गुहार लगाने के बावजूद पेयजल समस्या का समाधान नहीं हुआ है.

वोट से पहले सिर्फ वादे किये जाते है, जो वोट के बाद पूरे नहीं होते है, इसलिए आज के दिन सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है. उनकी मांग है कि वे उस पार्टी को वोट देंगे जो उनके घरों तक पीने का पानी पहुंचायेगा . लंबे समय तक सड़क जाम रहने के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर यातायात जाम लग गया. सूचना मिलने पर बानरहाट थाने की पुलिस व ब्लॉक प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे. प्रशासन के आश्वासन पर प्रदर्शनकारियों ने जाम हटा लिया. हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही पानी की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे.

फांसीदेवा में रक्तरंजित अज्ञात युवक का शव बरामद होने से फ़ैली सनसनी

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी संलग्न एक इलाके में रेलवे लाइन के पास अज्ञात युवक का रक्तरंजित शव बरामद होने से पूरे इलाके में सनसनी फ़ैल गई. सिलीगुड़ी महकमा परिषद अंतर्गत फांसीदेवा क्षेत्र के मोहिपाल इलाके में रेलवे लाइन के पास अज्ञात युवक का रक्तरंजित शव बरामद हुआ.इलाके में कुछ महिलाएं खेत में खेती का काम कर रही थीं, तभी महिलाओं ने देखा कि रेलवे लाइन के पास कोई लेटा हुआ है.जब उन्होंने पास जाकर देखा तो लहूलुहान हालत में एक युवक पड़ा हुआ था. इसके बाद तुरंत स्थानीय निवासियों ने गेटमैन को सूचित किया गया. उन्होंने आकर देखा तो पता चला कि लहूलुहान युवक मर चुका है. इसके बाद इसकी सूचना रेलवे पुलिस अधिकारियों को दी गयी. सूचना पाकर फांसीदेवा थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची. रेलवे पुलिस और फांसीदेवा थाने की पुलिस पूरी घटना की जांच में जुट गयी है कि मृतक रेल से गिरा है या ट्रेन की चपेट में आया है. स्थानीय लोगों का मानना है कि किसी ने इस युवक की हत्या कर यहां छोड़ दिया है. शव को बरामद कर उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है .पोस्टमार्टम के बाद ही पता चलेगा

कटे होंठ एवं तालु वाले बच्चों की निःशुल्क चिकित्सा को लेकर आनंदलोक मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल ने किया कार्यक्रम का आयोजन

जलपाईगुड़ी : सिलीगुड़ी के आनंदलोक मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल और अमेरिका की स्माइल ट्रेन संस्था के संयुक्त तत्वावधान में जन्मजात कटे होंठ एवं तालु वाले बच्चों की चिकित्सा सेवा को लेकर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन आज जलपाईगुड़ी में किया. आपको बता दें कि सिलीगुड़ी के आनंद लोक मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के डॉक्टरों ने चिकित्सा सेवाओं के साथ ही सामाजिक कार्यों में अपनी अलग प्रतिष्ठा बनायी . वे अमेरिका की स्माइल ट्रेन संस्था के साथ संयुक्त उद्यम में गरीब परिवारों के बच्चों को मुफ्त चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं. जन्मजात कटे होंठ एवं तालु वाले बच्चों के निःशुल्क ऑपरेशन की व्यवस्था की जा जाती है. अब तक लगभग 5000 कटे होंठ एवं तालु वाले बच्चों के निःशुल्क सर्जरी द्वारा ठीक किया जा चुका है. इस मुद्दे के बारे में आम जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए सोमवार को जलपाईगुड़ी में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया.जलपाईगुड़ी जिला स्वास्थ्य कार्यालय अधिकारी (3) सुदीप्त मंडल, एसीएमओएच डॉ. शुभोदीप सरकार, डीपीएचएमओ रत्ना कर्मकार आदि उपस्थित थे. इसके अलावा प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सुरूपा रॉय, डॉ. नीला भट्टाचार्य, मेडिकल डायरेक्टर अशोक कुमार खंडेलवाल भी मौजूद थे. कार्यक्रम के माध्यम से जलपाईगुड़ी की कुल 100 आशा कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया. परियोजना निदेशक और प्लास्टिक सर्जन डॉ. नीला भट्टाचार्य ने कहा, हम कटे होंठ और तालू के साथ पैदा हुए बच्चों का मुफ्त ऑपरेशन उनके डरा किया जाते हैं. हर साल करीब 300 बच्चों का ऑपरेशन पूरी तरह से निःशुल्क किया जाता है. इस काम में अमेरिका की स्माइल ट्रेन संस्था उनका सहयोग कर रही है.उन्होंने ने बताया कि यह रोग मुख्यतः गर्भवती माताओं के कुपोषण के कारण होता है. गर्भावस्था के दौरान माताओं को फोलिक एसिड, आयरन और विटामिन की कमी हो सकती है. इसी वजह से हम उत्तर बंगाल के विभिन्न जिलों में आम लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चला रहे हैं. उन्होंने कहा कि अमेरिका की स्माइल ट्रेन संस्था के साथ संयुक्त पहल से अब तक लगभग एक हजार बच्चों का पूर्णतः निःशुल्क इलाज किया जा चुका है.

प्रकाश चिक बराइक को जिताने के लिए मैदान में उतरे सौरभ चक्रवर्ती

जलपाईगुड़ी : अलीपुरद्वार लोकसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार प्रकाश चिक बराइक को जिताने के लिए तृणमूल कांग्रेस के सभी नेता मैदान में उतर आये है.

इसी कड़ी में एसजेडीए के चेयरमैन सौरभ चक्रवर्ती भी प्रकाश चिक बराइक को जितने के लिए चुनाव प्रचार अभियान में जुट गए है

उन्होंने आज उम्मीदवार प्रकाश चिक बराइक को लेकर शालकुमार काली मंदिर में पूजा अर्चना की और कई इलाकों में चुनाव प्रचार किया.

समाज सेवी रोहित नोनिया ने बेटियों को भी बराबर का दर्जा देने की एक छोटी सी पहल की

कुल्टी : देश मे अक्सर बेटे और बेटियों के जन्म पर भेदभाव देखा जाता है, बेटों के जन्म पर ख़ुशी तो बेटियों के जन्म पर लोगों मे मायूसी छा जाती है, ऐसे मे इस भेदभाव को ख़त्म करने के लिए सरकारें बेटियों की सिक्षा-दिक्षा से लेकर उनकी शादी विवाह तक के तमाम खर्च को उठाने के लिए कई तरह की योजनाएँ चला रही हैं, बावजूद उसके समाज से अब भी पूरी तरह बेटों और बेटियों के जन्म पर कुछ लोगों के मन मे बसा भेदभाव ख़त्म नही हो पाया है,ऐसे मे बेटों और बेटियों के जन्म पर भेदभाव करने वाले लोगों को प्रेरणा देने व समाज मे बेटों के तरह ही बेटियों को भी बराबर का दर्जा देने की एक छोटी सी पहल का शुरुआत आसनसोल नगर निगम के वार्ड संख्या 58 के रहने वाले तृणमूल पूर्व पार्षद सह समाज सेवी रोहित नोनिया ने की है, उन्होने अपनी पोती सनूजा के जन्म पर एक नई कंपनी और एक नई एनजीओ की ग्रांड ओपनिंग की है, उन्होंने कंपनी का नाम नोनिया रियलटेक सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और एनजीओ का नाम पश्चिम बर्धमान एकता वेलफेयर सोसाइटी नाम रखा है, उन्होने अपनी पोती के जन्म की ख़ुशी मे पुरे इलाके मे मिठाइयाँ तो बटवाई ही साथ मे इलाके के सैकड़ों लोगों को भोजन भी करवाया साथ ही उन्होने अपनी नई कंपनी और संस्था के जरिए आर्थिक रूप से कमजोर गरीब असहाय लोगों की मदद करने उनके साथ हमेशा खड़े रहने का दावा भी किया, उन्होने अपनी कंपनी मे कई बेरोजगारों को रोजगार मिलने की बात तो कही ही साथ मे उनकी संस्था के द्वारा हजारों हजार गरीब असहाय महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का दावा कर उनको समाज के मुख्य धारा से जोड़ने की बात भी की उन्होंने कहा उनकी संस्था से जुड़कर कुल्टी या आसनसोल ही नही बल्कि पुरे पश्चिम बर्धमान की महिलाएं खुद को इस कदर कामयाब कर पाएंगी की वह पुरुषों के बराबर का दर्जा वह खुद हासिल कर पाएंगी, उन्होंने कहा बेटियाँ लक्ष्मी के समान होती हैं,बेटियों के जन्म पर ठीक उसी तरह ख़ुशी मनाएँ जैसा की आप बेटों के जन्म पर ख़ुशी मनाते हैं, बेटियों को आप कभी अपने जीवन का बोझ ना समझें बेटियों का सम्मान करें इज्जत करें, उन्होंने कहा अब देश बदल रहा है, लोगों को भी अपनी सोंच और मानसिकता समय के साथ -साथ बदलनी होगी तब जाकर हमारा समाज भी बदलेगा और बेटों व बेटियों के बिच भेदभाव करने वाले लोगों का सोंच भी पूरी तरह ख़त्म हो पाएगा,रोहित के बेटे तृणमूल पार्षद संजय नोनिया व उनकी पत्नी पूजा देवी ने अपने पिता के द्वारा उठाए गए इस महत्वपूर्ण कदम व उनकी सोंच की खूब सराहना की उन्होने कहा उनके पिता के द्वारा उठाए गए इस कदम व इस तरह के समाजिक सोंच से उनको प्रेरणा तो मिलती ही है साथ मे उनके जीवन मे आगे बढ़ने व उनकी जीवन मे मिलने वाली सफलता मे मार्गदर्शन भी काफी हद तक प्राप्त होता है.

गार्डनरीच : मलबे में दबे शख्स ने चाचा को फोन कर कहा था बचा लीजिए, मर जाऊंगा

कोलकाताः महानगर कोलकाता के मुस्लिम बहुल क्षेत्र गार्डनरीच में एक निर्माणाधीन अवैध पांच मंजिला इमारत गिरने से 9 लोगों की मौत हो चुकी है. इस मामले में अब दिल दहलाने वाली कहानियां भी सामने आने लगी हैं. एक शख्स जिसे अभी भी मलबे के नीचे से नहीं निकाला जा सका है, उसके घर वालों ने बताया है कि रात दो बजे उसने फोन कर मदद की गुहार लगाई थी. उस युवक ने अपने चाचा को फोन कर कहा था कि वह इमारत के मलबे के नीचे फंस गया है बहुत खून बह रहा है हाथ पैर की हड्डी टूट गई है. किसी भी तरह से फोन कर पाया है क्योंकि जेब में फोन था. बचा लीजिए, मर जाएगा. चाचा ने जब यह बात उसके मुंह से सुनी तो तुरंत उसके घर वालों को फोन करने लगा लेकिन वे भी मलबे में दबे हुए थे. दौड़े-दौड़े घटनास्थल पर पहुंचा तो पता चला कि अब उसका फोन भी नहीं लग रहा और अब इस बात की आशंका है कि वह मारा जा चुका है. पुलिस ने इस बारे में आधिकारिक तौर पर नहीं बताया है कि मरने वालों की संख्या कितनी है और कितने लोग वहां दबे हुए हैं. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी घटनास्थल पर गई थीं और उन्होंने आरोपित प्रमोटर को गिरफ्तार करने का आदेश दिया है लेकिन इस तरह की कई ऐसी कहानियां हैं जहां इस अवैध निर्माण के मलबे के नीचे दबकर जिंदगियां खत्म हो गई हैं. चौंकाने वाली बात ये है कि ये इलाका मेयर फिरहाद हकीम का क्षेत्र है और यहां सालों से हो रहे इस अवैध निर्माण के बारे में कोई जानकारी नहीं होने का दावा कर रहे हैं.

निगम के तीन इंजीनियरों पर चला मेयर का डंडा

कोलकाताः पोर्ट अंचल के मटियाबुर्ज संलग्न गार्डेनरीच थाना इलाका स्थित निर्माणाधीन इमारत गिरने के मामले में कोलकाता पुलिस ने प्रमोटर और अन्य लोगों के खिलाफ जहां स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया वहीं कोलकाता नगर निगम ने भी तीनों इंजीनियरों को शोकॉज किया है. यह बात खुद मेयर फिरहाद हकीम ने बतायी. फिरहाद ने कहा कि उस नगर निगम के कार्यकारी इंजीनियर, सहायक इंजीनियर और उप सहायक इंजीनियर को शोकॉज किया गया है. नगर निगम सूत्रों के मुताबिक, उनसे अगले 48 घंटे के भीतर ही जवाब देने को कहा गया है. नगर निगम सूत्रों के मुताबिक अगर वे तय समय में संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकती है. सूत्रों के मुताबिक, एक वार्ड में कितने अवैध मकान हैं, इसकी पहचान करना उनकी जिम्मेदारी थी. लेकिन वे उस कार्य में असफल रहे हैं. उन्होंने अपने कर्तव्यों का पालन नहीं किया. फ़िरहाद ने कहा, मकान यहां कैसे बना ? मैं शुरू से ही कह रहा हूं. मेयर ने कहा कि, एक बार मकान बन जाने के बाद जब लोग वहां रहने लगते हैं तो मुश्किल हो जाती है.

केंद्र सरकार के नए नियम से क्षुब्ध हैं चाय फैक्ट्री के मालिक

सरकार से चाय के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने की मांग

फैक्ट्री मालिकों का समूह केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मिला

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाताः केंद्र सरकार के नए नियम यानी 23 फरवरी को जारी सरकार की अधिसूचना से चाय बागानों व फैक्ट्रियों के मालिक नाराज हैं. इसे लेकर मंगलवार को टी बोर्ड के चेयरमैन ए.एस. भाटिया के साथ चाय फैक्ट्रियों के मालिकों के तीन संगठन एबीएलटीएमए, बीसीपी और एनईटीए के सदस्यों की मंगलवार को बैठक होगी. तीनों संगठनों से 477 सदस्य जुड़े हुए हैं. एबीएलटीएमए के चेयरमैन चांद कुमार गोहेन ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से जारी नई अधिसूचना में सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि अब से कोइ भी चाय फैक्ट्री के मालिक निजी तरीके से अपनी फैक्ट्री से चायपत्ती नहीं बेच सकते हैं, बल्कि उन्हें नीलामी सेंटर के जरिये ही चायपत्ती बेचनी होगी. सरकार के इस फैसले का कड़ा विरोध करते हुए तीनों संगठनों से जुड़े फैक्ट्रियों के मालिकों का एक समूह केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात कर अपनी समस्याओं को सामने रखा. मंत्री के हस्तक्षेप के बाद टी बोर्ड के चेयरमैन के साथ बैठक सुनिश्चित की गई. युवा शक्ति से एक विशेष बातचीत में एक मालिक ने बताया कि चाय फैक्ट्री के कई ऐसे मालिक हैं, जिनका अपना चाय का बगान नहीं है. वे छोटे व मझोले स्तर के किसानों से कच्ची चाय खरीदते हैं और 16-17 घंटे के प्रोसेस से पक्की चायपत्ती बनाते हैं. कुछ फैक्ट्रियों के मालिक प्राइवेट तौर भी कुछ चायपत्ती बेचते हैं और ऑक्सन यानी नीलामी सेंटरों में भी चायपत्ती बेचते हैं लेकिन सरकार द्वारा जारी नई अधिसूचना में कहा गया है कि संपूर्ण चायपत्ती नीलामी सेंटरों में ही बेचनी होगी, जिसका वे कड़ा विरोध करते हैं. मालिकों का कहना

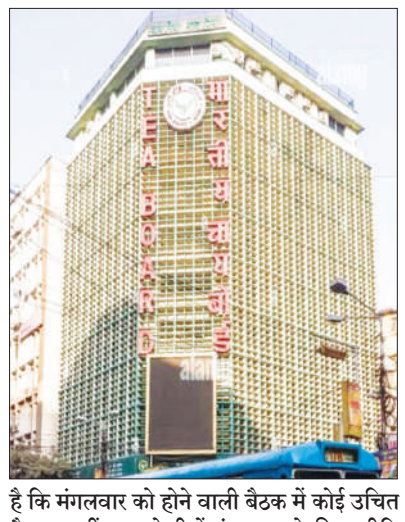

है कि मंगलवार को होने वाली बैठक में कोई उचित फैसला नहीं हुआ तो तीनों संगठन आगे की रणनीति बनाएंगे. एफएआईटीटीए चाय व्यापारियों की एक शीर्ष संस्था एफएआईटीटीए ने हाल ही में एक प्रेस वक्तव्य में बताया था कि कैसे छोटे चाय उत्पादकों की ग्रीनलीफ की कीमतों को नीलामी अधिकतम स्तर पर ला सकती है. संस्था ने नीलामी में डस्ट ग्रेड की 100% अनिवार्य रूप से बिक्री पर जोर दिया है. उत्तर पूर्वी चाय संघ (एनईटीए) के सलाहकार बिद्यानंद बरकाकोटी ने बताया कि संस्था चाय उत्पादकों की आय और उनकी पहल में उनके साथ हैं. एबीएलटीएमए के अध्यक्ष चांद गोहेन ने कहा कि संगठित क्षेत्र वर्षों से आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ा है और अभी भी अपने अस्तित्व और स्थिरता के लिए संघर्ष कर रहा है. भारतीय चा परिषद के अध्यक्ष नलिन खेमानी ने कहा, निर्माता और पैकेट निर्माता और ब्लेंडर के रूप में हमारी संयुक्त रूप से 150 करोड़ भारतीय चाय उपभोक्ताओं के हितों की सेवा करने की जिम्मेदारी है. हमें यह जानकर खुशी हुई कि भारत में चाय व्यापारियों, खरीदारों, पैकर्स और चाय के खुदरा विक्रेताओं का शीर्ष निकाय एफएआईटीटीए चाय उपभोक्ताओं के हित के बारे में समान रूप से चिंतित है. लेकिन साथ ही ब्लेंडर्स और पैकेटियर्स को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक उपभोक्ता को अच्छी गुणवत्ता वाली चाय मिले. हम अपने क्रेता समुदाय से 129 रुपये से 180/- रुपये तक के सस्ते उपभोक्ता पैकेटों का विपणन बंद करने का आग्रह करते हैं. उपभोक्ताओं को ऐसी सस्ती गुणवत्ता वाली चाय बेचना चाय की खपत की वृद्धि के लिए हानिकारक है. उन्होंने कहा कि असम चाय हमारे लिए जीवन का एक तरीका है. और चाय भारतीय घरों में व्यापक रूप से पी जाती है, और यह एक पेय है जो लोगों को एक साथ लाता है. यह सिर्फ एक पेय नहीं है; यह जीवन का एक तरीका है जो भारतीय संस्कृति में गहराई से निहित है. कई उत्पादकों द्वारा अपनी उपज को सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से न बेचने का एक बड़ा कारण यह है कि यह बिक्री का एक बहुत ही अप्रभावी तरीका है, क्योंकि इसमें समय लगता है और यह महंगा है. सरकार सार्वजनिक नीलामी में मूल्य प्राप्ति की गारंटी नहीं दे सकती है और सरकार ने चाय के लिए कोई न्यूनतम समर्थन मूल्य तय नहीं किया है, इसलिए सरकार को उत्पादकों को सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से अपनी उपज बेचने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए.

घटना इंसानी गलती का परिणाम: राज्यपाल आनंद बोस

कोलकाताः निर्माणाधीन इमारत गिरने की घटना के बाद बंगाल के राज्यपाल डा. सीबी आनंद बोस घटना स्थल पर पहुंचे और प्राथमिक तौर पर कहा कि, उक्त घटना इंसानी गलती का परिणाम है. राज्यपाल ने यहां गार्डेनरीच स्थित एक गैर सरकारी अस्पताल में भर्ती घायलों से भेंट की संवेदना प्रकट किया. यहीं नहीं राज्यपाल ने मामले पर राज्य सरकार को भी सवालों के घेरे में रखा. सभी दुर्घटनाओं के पीछे मानवीय विफलता है. हादसे के लिए बिल्डर जिम्मेदार है. जिन पर्यवेक्षकों पर नजर रखने की जिम्मेदारी है उनकी लापरवाही सबसे ज्यादा है. राज्यपाल ने कहा कि वह राजभवन में विशेषज्ञ समिति की बैठक बुलाएंगे. टीम में आईआईआईटी खड़गपुर के विशेषज्ञ होंगे. सरकार चाहे तो अवैध निर्माण को रोक सकती है. राज्यपाल ने कहा, जल्द ही राजभवन में निर्माण विशेषज्ञों के साथ बैठक होगी. आईआईटी खड़गपुर, हीडको, सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट और क्रेडाई के विशेषज्ञों समेत कई संगठनों से परामर्श लिया जाएगा. बैठक में सरकार को आवश्यक कार्रवाई के लिए सलाह दी जायेगी. अस्पताल में घायलों और उनके परिवारों से बात की. राजभवन की ओर से मृतक के परिवार को 50 हजार रुपये दिये जायेंगे.

समय राजनीति का नहीं राहत कार्य का है: अभिषेक बनर्जी

कोलकाताः गार्डेरीच में निर्माणाधीन इमारत गिरने से 9 लोगों की मौत की घटना ने देश भर का ध्यान एकबार फिर पोर्ट अंचल की ओर खिंचा वहीं घटना पर तृणमूल के अखिल भारतीय महा सचिव अभिषेक बनर्जी ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि, फिलहाल यह राजनीति का समय नहीं है, राजनीति करने का समय बाद में मिलेगा. हम सभी को फंसे हुए लोगों को बचाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए. अभिषेक ने राज्य में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के आरोप के जवाब में कहा, मैं उन विपक्षी नेताओं से कहूंगा जो इतने सवाल उठा रहे हैं, बाद में राजनीति कर लें. इस वक्त हमें सोचना होगा कि फंसे हुए लोगों को कैसे बचाया जाए. घटना का राजनीतिकरण करना ठीक नहीं है. हमें यह देखना होगा कि ऐसा दोबारा न हो. प्रत्येक संगठन को यह सुनिश्चित करना होगा. अभिषेक ने यह भी कहा कि अवैध निर्माण को रोकना कैसे संभव नहीं है. आज दक्षिण दिनाजपुर के गंगारामपुर के लिए रवाना होने से पहले कोलकाता हवाई अड्डे पर खड़े होकर उन्होंने कहा, ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए नगर पालिका, प्रशासन और अदालतों के बीच समन्वय आवश्यक है.

श्री श्याम मंदिर घुसुड़ीधाम 'परिवार' ने चढ़ाया चांदी का निशान

मंदिर में 41 घंटे व्यापी फाल्गुन मेला का शुभारम्भ 20 मार्च को

युवा शक्ति न्यूज

हावड़ाः पूर्वी भारत में श्याम भक्तों के महातीर्थ के रूप में परिणित श्री श्याम मंदिर घुसुड़ीधाम में चल रहे सप्तदिवसीय रंग-रंगीला फाल्गुन मेला-2024 के दूसरे दिन अन्यतम आकर्षण का केन्द्र रही श्री श्याम मंदिर घुसुड़ीधाम 'परिवार' की रजत निशान शोभायात्रा जिसमें मंदिर के ट्रस्टियों, सहयोगियों, शुभचिंतकों व कार्यकर्त्ताओं ने सपरिवार शामिल होकर बाबा श्याम को रंग-बिरंगी ध्वजाओं के साथ ही चांदी का निशान अर्पित किया. मंदिर परिवार के सर्वश्री बिनोद टिबड़ेवाल, नवल सुल्तानिया, सुरेन्द्र अग्रवाल, किशन कासुका, प्रमोद टिबड़ेवाल, राधेश्याम टिबड़ेवाल, सांवरमल अग्रवाल, वरुण अग्रवाल, राजकुमार शर्मा, डा. पवन अग्रवाल, पवन गर्ग, मनोज अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, अनुप अग्रवाल, नारायण टिबड़ेवाल, राकेश गर्ग, राजेश

अग्रवाल, मुकेश कानोड़िया, टिंकू चौधरी, दिलीप केडिया, पप्पू जमालपुरिया, संजय टिबड़ेवाल, देवेन्द्र कासुका, अविनाश अग्रवाल, राजेश सिंघानिया, अभिषेक अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य लोगों की अगुवाई में घासबागान से शाही अंदाज में निकली इस भव्य शोभायात्रा में पांच रथों पर सुसज्जित शंकर जी, दुर्गा जी, सालासर बालाजी, राम दरबार व बाबा श्याम की नयनाभिराम झांकी गाजे-बाजों के साथ ''जय श्री श्याम जय घुसुड़ीधाम'' के नारों से वातावरण को गूंजाते श्याम संकीर्तन करते मंदिर परिवार के सैकड़ों सदस्य अवनी दत्ता रोड, जी. टी. रोड, डॉन बॉस्को कॉलोनी, गिरीश घोष रोड से पैदल यात्रा करते श्री श्याम मंदिर घुसुड़ीधाम पहुँचे. मंदिर पहुँचकर सुमधुर भजनों की ताल पर नाचते-झूमते इन भक्तों ने बाबा श्याम को निशान अर्पित किये. मंदिर के मिडिया प्रभारी श्री सुरेश कुमार भुवालका ने पूरे कार्यक्रम का संचालन किया. मंदिर के प्रबंध न्यासी बिनोद टिबड़ेवाल ने बताया कि पंचदिवसीय रंग-रंगीला फाल्गुन मेला का मुख्य समारोह 20-21 मार्च को मंदिर में अनुष्ठित होगा और लगभग 41 घंटे व्यापी इस मेला में आनेवाले भक्तों के लिए दर्शन, पूजा-धोक, प्रसाद, भजनों की अमृतवर्षा, श्री श्याम अखण्ड ज्योति पाठ आदि विविध आयोजन होंगे. इस बार सवा लाख ऑरेंज कुम्हड़ा पेठा का महाभोग एकादशी को बाबा श्याम को अर्पित किया जायेगा और आने वाले भक्तों में वितरित किया जायेगा.

AFFIDAVIT

I, Neha Chhaochharia, daughter of Narendra Dugar and wife of Sri Gaurrang Chhaochharia, aged about 37 years, by faith Hindu, by occupation business, residing at 6/C, Short Street, 1st Floor, Park Street, Kolkata - 700016, do hereby solemnly affirm and declare BEFORE THE METROPOLITAN MAGISTRATE 1st CLASS AT CALCUTTA on 18.01.2024 by this AFFIDAVIT that by birth, I am an Indian Citizen and in all my documents my name has been spelt as "Neha Chhaochharia". Henceforth in all my documents and papers my name shall be spelt-and known as "Nehha Chhaochharia".

19 marP4_Page1.qxd 18-03-2024 23:27 Page 1

न्यूज कॉर्नर

रात्रि क्रिकेट टूर्नामेंट सेमीफाइनल में जगदर की टीम बनी विजेता

तेघड़ा/ बेगूसराय (युवा शक्ति ब्यूरो) : तेघड़ा अनुमंडल सह प्रखंड कार्यालय मैदान में स्टूडेंट क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित स्वर्गीय राजेश सिंह स्मृति नाइट टेनिस वॉल क्रिकेट टूर्नामेंट के प्रथम रविवार को सेमीफाइनल रात्रि टेनिस वॉल क्रिकेट टूर्नामेंट चेरियाबरियारपुर और जगदर के बीच खेला गया. इस मैच में चेरियाबरियारपुर की टीम 16 ओभर में 149 रन बनाकर ऑल आउट हो गयी. जवाब में जगदर की टीम 2 विकेट से मैच जीत लिया.मैन ऑफ द मैच गुड्डू यादव को मिला.मुख्य अतिथि पूर्व उप प्रमुख राम नरेश सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया. इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष सह चेयरमैन प्रतिनिधि कन्हैया कुमार, सचिव संतोष राय, अविनाश कुमार शिलू,उपाध्यक्ष बैजनाथ महाराज,नरेश पोद्दार,कप्तान अनुराग गौतम, उप-कप्तान रौशन पाठक,अमन राजा, ईलू, हैप्पी, प्रिंस कुमार, हिमांशु सिंह,टीम मैनेजर श्याम प्रसाद राय , उद्घोषक मंजेश कुमार सहित दर्शक दीर्घा में सैकड़ों खेल प्रेमी उपस्थित थे.

होली को लेकर मंसूरचक थाना में हुयी शांति समिति की बैठक

मंसूरचक/ बेगूसराय (युवा शक्ति ब्यूरो) : मंसूरचक थाना परिसर में होली एवं शवेबरात को लेकर सोमवार को होली मिलन समारोह सह शांति समिति की बैठक की आयोजित की गयी.बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी सुभाष कुमार तथा संचालन थानाध्यक्ष रोहित कुमार गुप्ता ने किया. थानाध्यक्ष ने कहा कि होली रंगों का त्योहार है.इसे हम सबको हर्षोल्लास एवं आपसी भाईचारा के साथ मनाना है.उन्होंने कहा कि होली उसी के साथ खेलें जो आपका परिचित हो आपसी सहमति से उसे रंग लगायें,जो रंग से नहीं खेलना चाहता है, जबरदस्ती उसे रंग न लगायें उन्होंने कहा कि सुरक्षित होली खेले केमिकल युक्त रंगों का इस्तेमाल न करें उन्होंने सभी को संदेश दिया कि सभी लोग आपसी भाईचारा के साथ होली पवित्र महीना रमजान पर्व को सौहार्द के साथ मनायें. अंचल अधिकारी सुजीत कुमार ने कहा कि होली के अवसर पर किसी भी तरह के कार्यक्रम करने है,तो थाना में इसकी सूचना अवश्य दें.सब मिल जुलकर रंगों का त्योहार होली का पर्व मनायें.इस अवसर पर गणपतौल पंचायत के मुखिया हीरा देवी, बहरामपुर पंचायत के मुखिया धर्मवीर सिंह कुंदन,मंसूरचक मुखिया प्रतिनिधि सह राजद नेता अरमान कुरैशी, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष बालेश्वर महतो, पूर्व मुखिया निरंजन कुमार ईश्वर,पूर्व मुखिया भोला शर्मा,पवन कुमार पोद्दार,ललित कुमार राय,आलोक कुमार मिश्रा, महेन्द्र राय,सुनील कुमार, मो. मजहर अंसारी,जावेद अंसारी आदि उपस्थित थे.

पत्रकार कहीं सुरक्षित नही हैं : राजकिशोर शर्मा

आरा : लोहार विकास मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकिशोर शर्मा ने कहा कि बिहार के नालंदा में पत्रकार को गोली मारने की घटना सामने आई है. जो यह दुखद घटना है देश के चौथा स्तंभ कहे जानेवाले पत्रकार कहीं सुरक्षित नही हैं आए दिन ऐसी घटनाएं सुनने को मिलता रहता है. जिस तरह से बेफौफ बदमाशों ने पत्रकार को गोली मारकर घायल कर दिया. गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पटना एम्स रेफर कर दिया गया है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि एक टीवी चैनल के पूर्व पत्रकार दीपक विश्वकर्मा पत्नी के साथ राजगीर से बिहाशरीफ घर बाइक से लौट रहे थे. इसी दौरान अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया. अपराधी को प्रशासन जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कठोर कानूनी करवाई करे तथा परिवार क़ो उचित सहुलियत और मुआवजा प्रदान करे.

सरायकेला : हत्या का आरोपी गिरफ्तार

सरायकेला : जिले के आरआईटी थाना पुलिस ने बीते 26 फरवरी को इंडस्ट्रियल एरिया कृष्णापुर के बोनडीह में हुए सोनाराम केराई हत्याकांड मामले का खुलासा करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. युवक अमित सरदार उर्फ डानू बताया जा रहा है. पुलिस ने अभियुक्त के पास से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और एक साइकिल बरामद किया है जो मृतक का बताया जाता है. सोमवार को इस संबंध में एसपी मनीष टोप्पो प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी देते हुए बताया कि मृतक अक्सर उसके घर हड़िया पीने जाता था. जहां उसकी बहन के साथ छेड़छाड़ करता था, मना करने के बाद भी इस हरकत से वह बाज नहीं आया इसलिए उसकी हत्या कर दी. पुलिस ने बोनडीह से क्षत्र विक्षत अवस्था में सोनाराम का शव बरामद किया था. बताया जाता है कि आरोपी का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है.

छेड़खानी को लेकर हुई थी सोनाराम केराई की हत्या, अमित को जेल

जमशेदपुर : आरआईटी थाना क्षेत्र के इंडस्ट्रियल एरिया कृष्णापुर के बोनडीह में विगत 26 फरवरी को हुई सोनाराम केराई की हत्याकांड का सोमवार को सरायकेला एसपी मनीष टोप्पो ने खुलासा किया. उन्होंने बताया कि इस मामले में अमित सरदार उर्फ दाणू को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया हैं. उन्होंने बताया कि आरआईटी पुलिस ने युवक के पास से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और एक साइकिल बरामद किया है जो मृतक का बताया जाता है. एसपी मनीष टोप्पो ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक अक्सर उसके घर हड़िया पीने जाता था. जहां उसकी बहन के साथ छेड़छाड़ करता था. मना करने के बाद भी इस हरकत से वह बाज नहीं आया. इसलिए उसकी हत्या कर दी. पुलिस ने बोनडीह से क्षत विक्षत अवस्था में सोनाराम का शव बरामद किया था. बताया जाता है कि आरोपी का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है.

बस ड्राइवर एवं सुरक्षा कर्मी भी बचा सकेंगे किसी की जान : लाइफ सेवर ट्रेनिंग प्रोग्राम

जमशेदपुर : मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज जमशेदपुर के द्वारा एक नयी पहल की गयी जिसमे चिकित्सा महाविद्यालय के वाहन चालकों, सुरक्षा कर्मियों एवं सपोर्ट स्टाफ के लिए जीवन रक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस कार्यशाला का आयोजन चिकित्सा महाविद्यालय के स्किल लैब में किया गया. इस मौके पर चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ जी प्रदीप कुमार, स्किल लैब के इंचार्ज डॉ अयान पति एवं निश्चेतना विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ श्यामल मैती उपस्थित थे. कार्यशाला में प्रशिक्षक के तौर पैर डॉ अंजनेयुलु कनौरी, डॉ अभिषेक कुमार, डॉ सोनी नारायण, डॉ स्वाति शिखा एवं डॉ जयति बानिक भी उपस्थित थे.

लोकसभा चुनाव से पहले तूफानगंज में बीजेपी के बीच गुटबाजी पहुँची चरम पर, दो गुटों में जमकर हुआ संघर्ष

कूचबिहार : लोकसभा चुनाव से पहले तूफानगंज में बीजेपी के बीच गुटबाजी और संघर्ष चरम पर पहुंच गया है. भाजपा में लंबे समय से चली आ रही गुटीय कलह ने सोमवार रात गंभीर रूप ले लिया. तूफानगंज अनुमंडल भाजपा कार्यालय पर कब्जा किसका होगा, इस घटना को लेकर भाजपा विधायक गुट और विधायक विरोधी नाराज गुट के बीच काफी विवाद हुआ. हालांकि, बाद में तूफानगंज विधानसभा के बीजेपी संयोजक ने मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया.

तूफानगंज विधानसभा में भाजपा के विधायक दल के विरोधी माने जाने वाले कूचबिहार जिला किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष प्रसेनजीत बसाक समेत भाजपा के कई दिग्गज नेता रविवार रत पार्टी कार्यालय पहुँचने. उस वक्त बीजेपी युवा मोर्चा के अध्यक्ष सुभाशीष धर कार्यालय में बैठक कर रहे थे.

इसलिए जिला किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष प्रसेनजीत बसाक व अन्य कार्यकर्ता भाजपा कार्यालय ही थे. लेकिन बैठक के अंत में सुभाशीष धर के कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय को बंद कर दिया और स्पष्ट कर दिया कि

टाउनशिप अध्यक्ष पर पार्टी कार्यालय में घुसाने पर प्रतिबंध है. प्रोसेनजीत बसाक को पार्टी कार्यालय में प्रवेश करने से रोक दिया गया. इससे दोनों पक्षों के बीच हाथापाई होने लगी. मौके पर तूफानगंज विधानसभा के सह संयोजक निखिल गाबुआ भी उपस्थित थे.

उनकी मौजूदगी में प्रसेनजीत बसाक व अन्य लोग चाबी लेकर घर में घुस गये. इस संबंध में बीजेपी युवा मोर्चा के अध्यक्ष शुभाशीष धर ने कहा कि इस बात पर संदेह है कि जिन लोगों ने बीजेपी कार्यालय में बांस से हमला किया और तोड़फोड़ की, वे वास्तव में बीजेपी कार्यकर्ता हैं. भाजपा के तूफानगंज विधानसभा संयोजक बिमल पाल ने कहा कि कोई गुटीय संघर्ष नहीं है.

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने की कार्मिक एवं प्रशिक्षण कोषांग की समीक्षा बैठक में दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

जमशेदपुर : सोमवार को समाहरणालय सभागार, जमशेदपुर में जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 के सफल संपादन को लेकर कार्मिक कोषांग एवं प्रशिक्षण कोषांग के वरीय तथा नोडल पदाधिकारी एवं प्रतिनियुक्त कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक की गई. बैठक में कार्मिक एवं प्रशिक्षण कोषांग में प्रतिनियुक्त कर्मी, मेडिकल ग्राउंड पर कार्यमुक्त करने हेतु प्राप्त आवेदनों पर चर्चा की गई. सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अपने दायित्वों का निर्वह्न एवं कार्य सुचारू रूप से करने का निर्देश दिया गया. सभी कोषांगों के कर्मी को अपने-अपने कोषांग में अनिवार्य रूप से योगदान देने हेतु

निर्देशित किया गया. जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा पीठासीन पदाधिकारी, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय मतदान कर्मी का प्रशिक्षण का कार्य ससमय पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया. प्रशिक्षण कोषांग के वरीय पदाधिकारी को निर्देशित किया कि सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट, पीठासीन पदाधिकारी, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय मतदान कर्मियों के प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षण कैलेंडर ससमय तैयार करा लें एवं तिथिवार सभी को चुनाव से संबंधित पूर्ण प्रशिक्षण करवाएं. मौक पर उन्होंने कार्मिक कोषांग एवं प्रशिक्षण कोषांग के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी अपने-अपने कोषांग से संबंधित हैंड बुक को पूरी तरह पढ़ लें,

इससे चुनाव कार्यो को संपादित करने में काफी सहूलियत होगी. इस अवसर पर उप विकास आयुक्त मनीष कुमार, निदेशक एनईपी, जिला योजना पदाधिकारी, अपर नगर आयुक्त मानगो नगर निगम, जिला कल्याण पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला शिक्षा पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे.

तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार गोपाल लामा ने नक्सलबाड़ी में किया चुनाव प्रचार

सिलीगुड़ी : दार्जिलिंग लोकसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार गोपाल लामा ने सोमवार सुबह से ही अपना चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है. उन्होंने नक्सलबाड़ी के कारगिल में शहीद हुए जवान के परिवार के तरफ से आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया. इसके बाद उन्होंने इस इलाके में चुनाव प्रचार शुरू किया.

आज गोपाल लामा ने सिलीगुड़ी महकमा परिषद के सभाधिपती अरुण घोष के साथ ताराबाड़ी इलाके में लोगों से मुलाक़ात किया.लोगों से बात करने के अलावा वह पूर्व तृणमूल कांग्रेस नेता अमर सिन्हा के घर भी गये. आज वह नक्सलबाड़ी के अलावा माटीगाड़ा और बागडोगरा में भी बैठक करेंगे. गोपाल लामा ने कहा कि आम लोगों का उत्साह देखकर अच्छा लग रहा है. उन्होंने कहा कि वह अपनी जीत को लेकर 100 फीसदी आशान्वित हैं.

बर्मामाइंस सड़क हादसे में व्यक्ति की मौत

जमशेदपुर : बर्मामाइंस थाना अंतर्गत स्टार टॉकिज के पास टैंकर को मोड़ने के दौरान एक व्यक्ति टैंकर के पिछले चक्के के चपेट में आ गया. घटना के बाद टैंकर चालक विश्वजीत साव ने तत्काल घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. मृतक की पहचान नहीं हो पाई है. इधर, सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची और चालक विश्वजीत को हिरासत में ले लिया. वहीं पुलिस ने टैंकर को भी जब्त कर लिया है. विश्वजीत ने बताया कि वह स्टार टॉकिज गोलचक्कर के पास टैंकर को मोड़ रहा था. इसी दौरान व्यक्ति पिछले चक्के की चपेट में आ गया. उसने तत्काल ऑटो से घायल को सदर अस्पताल पहुंचाया पर उसकी जान नहीं बच पाई. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है.

चर्चित बालू घोटाले में पूंज सिंह फरार, झारखंड से बिहार तक ईडी की दबिश

धनबाद : बालू व शराब कारोबारी पुंज सिंह की गिरफ्तारी के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने शनिवार की सुबह उसके धनबाद, झरिया व बिहार के आरा कोइलवर स्थित आवास पर एक साथ छापेमारी की. ईडी की कई टीम इस छापेमारी में शामिल थी,

लेकिन पुंज सिंह पकड़ा नहीं जा सका.बिहार के चर्चित बालू घोटाले में धनबाद में ईडी की यह चौथी छापेमारी है. ईडी की टीम पुंज सिंह के कासा सेलेट मेमको मोड़ स्थित आवास और झरिया हेटलीबांध स्थित उसके भाई सतेंद्र सिंह के आवास पर सुबह करीब छह बजे छापेमारी शुरू की. देर शाम तक छापेमारी चली.ईडी को उसके घर से कई अहम दस्तावेज हाथ लगे हैं. छापेमारी में केंद्रीय सुरक्षा बल को रखा गया था. किसी को भी आवास से बाहर जाने की इजाजत नहीं थी.

ईडी की टीम ने हेटलीबांध आवास में घुसते ही घर में मौजूद सभी लोगों का मोबाइल जब्त कर लिया. परिवार के लोगों से पुंज सिंह के बारे में जानकारी ली.

परिवार के लोग वह कहां है, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दे सके. पुजारी से चाबी लेकर ईडी ने खोला दरवाजा. इधर,

मेमको मोड़ स्थित कासा सेलेट स्थित पुंज सिंह के आवास पर ईडी की टीम सुबह छह बजे के करीब पहुंच गई थी. घर पर ताला लगा था. ईडी की टीम ने सबसे पहले घर के परिसर में काम कर रहे मजदूरों को बुलाया.मजदूरों ने बताया कि एक पुजारी रोज घर में पूजा करने आते हैं, उनके पास चाबी है. सुबह 10 बजे तक उन्हें बुलाया गया, जिसके बाद घर का दरवाजा खोलकर टीम अंदर प्रवेश की. बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के करीबी कहे जाने वाले दानापुर निवासी सुभाष यादव की गिरफ्तारी 160 करोड़ के बालू घोटाले में एक सप्ताह पूर्व ईडी की टीम ने की है.

पुंज सिंह इनका खास बताया जा रहा है.बिहार के बालू घोटाले में ब्रॉडसन कंपनी के प्रतिनिधि व धनबाद के कई व्यापारियों को ईडी पहले ही जेल भेज चुकी है.

धैया चनचनी कॉलोनी निवासी सुरेंद्र कुमार जिंदल, कासा सेलेट निवासी मिथिलेश सिंह, जय प्रकाश नगर निवासी बबन सिंह, जदयू एमएलसी राधा चरण सेठ, आदित्य मल्टीकाम कंपनी से जुड़े पॉलीटेक्निक निवासी जगनारायण सिंह व उनके बेटे सतीश सिंह को ईडी जेल भेज चुकी है.

जेएचआरसी का मतदाता जागरूकता हेतु नुक्कड़ सभा आयोजित

जमशेदपुर: झारखण्ड मानवाधिकार संगठन (जेएचआरसी) द्वारा मतदाता जागरूकता हेतु नुक्कड़ सभा का शुभारम्भ सोमवार को भुइयाडीह से किया गया. मौके पर जेएचआरसी के केंद्रीय अध्यक्ष मनोज मिश्रा ने कहा कि वोट देने से पहले जनप्रतिनिधि से अपना हक मांगे और क्षेत्र के विकास को लेकर सवाल उठाएं. संगठन ने मतदाताओं को जगाने के लिए नुक्कड़ सभा पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों मे चलाया. मनोज मिश्रा ने कहा कि झूठे वादों और घोषणा के आधार पर मतदाताओं को छलने का काम बंद होना चाहिए. मतदाताओं को अपना हक और संविधानिक अधिकार के लिए सवाल उठाना होगा, झूठे वादों के आधार पर मतदाता अपना मतदान नहीं करना चाहिए, इन्ही मुद्दों पर कार्यक्रम को आधारित किया जा रहा है. मिश्रा ने बताया कि जनता के सवाल को लेकर संगठन दिनांक 19 मार्च को उपायुक्त को ज्ञापन सौंपेगा. इस कार्यक्रम में हरदीप सिद्धू, सालावत महतो, रेणु सिँह, ऋषि गुप्ता, एनिमा दास, गुरमुख सिंह, डी एन शर्मा, शुभश्री दत्ता, रीना दास, अंजू देवी, प्रीति कुमारी सहित अनेक सदस्यो ने भाग लिया.

सरायकेला :तालाब में तैरता हुआ लाश मिलने से क्षेत्र में फैली सनसनी

सरायकेला : चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के चांडिल थाना स्थित रसूनिय पंचायत के सुखसारी छोटा तालाब में तैरता हुआ लाश मिलने से क्षेत्र में फैली सनसनी. तलाब में लाश तैरता की सूचना से ग्रामीणों में सेकडो संख्या में लोगो घटनास्थल पहुंचा एवं मृतक के पहचान करने लगे. ग्रामीणों के अनुसार मृतक रसुनिया पंचायत के हाथीनादा गांव के निवासी थुमु माझी 31 वर्ष के रूप में पहचान हुई है. सूत्र के अनुसार चांडिल थाना क्षेत्र चार लोगो की मौत हो गया .दो लोगों हत्या कर दिया गया था.दो लोग की शव पत्थर की खदान में तरते नजर आए .जो जांच की विषय बना हे.आए दिन इस तरह की घटना देखने को मिला हे.मृतक लाल टीशर्ट और जींस पहने हुए हे.ओर उल्टे मुंह पानी के नीचे करके तरते नजर आए .घटना को लेकर रसुनिया पंचायत के मुखिया मंगल माझी ने बताया चांडिल थाना को सूचित किया गया जिसके बाद चांडिल थाना के पुलिस बल पहुंचकर मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोसमार्टम के लिए सरायकेला जिला के सदर अस्पताल भेजा गया. ओर चांडिल पुलिस जांच में जुट गए.

झारखंड में तेज हवाओं के साथ बारिश ने मचायी तबाही, कई जगहों पर पेड़ गिरे

रांची : राजधानी रांची में सोमवार को मौसम का मिजाज दोपहर बाद अचानक बदल गया और बारिश होने लगी. राज्य के के अलग-अलग हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई. बिजली कड़की. तेज हवाओं की वजह से राजधानी की सड़कों पर कई पेड़ गिर गये. बारिश शुरू होने के थोड़ी ही देर बाद रांची में बिजली गुल हो गयी. दिन में ही मौसम का मिजाज बदल गया था. करीब तीन बजे घुप अंधेरा छा गया.तेज हवाएं चलने लगीं, बिजली चमकने लगी. इसके साथ बारिश का दौर शुरू हो गया.रांची मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि कई जगहों पर राज्य में 21 मार्च तक बारिश के आसार हैं. मौसम विभाग ने बारिश, वज्रपात व ओलावृष्टि को लेकर अलर्ट जारी किया है. 19 मार्च को रांची समेत कई जिलों में भारी बारिश, वज्रपात व ओलावृष्टि को लेकर अलर्ट जारी किया गया है. मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में बताया है कि 22 से 24 मार्च तक मौसम मुख्यत: साफ रहेगा. मौसम शुष्क रहेगा.राज्य के दक्षिणी, मध्य और उत्तरी हिस्से में इस दौरान बारिश के साथ तेज हवाएं चलेंग. हवा की रफ्तार 40 किमी प्रति घंटा होगी जबकि इन हिस्सों में थंडरिंग भी होगी. केंद्र के अनुसार गुमला, सिमडेगा, रांची, खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम में तेज बारिश की और थंडरिंग को लेकर चेतावनी जारी की गयी है. इसके साथ 20 मार्च तक राज्य के उत्तरी पूर्वी, दक्षिणी और मध्य हिस्से में बारिश होगी. इसमें रांची, रामगढ़, हजारीबाग, गुमला, बोकारो, खूंटी, पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां, उत्तर पूर्वी हिस्से में धनबाद, देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा में बारिश की संभावना है.आने वाले 21 मार्च तक राज्य के मौसम में बारिश और थंडरिंग का असर देखा जायेगा. मौसम विभाग की ओर से 19 मार्च के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें बताया गया है कि राज्य के दक्षिणी, मध्य और उत्तरी हिस्से में इस दौरान बारिश के साथ तेज हवाएं चलेंगी. हवा की रफ्तार 40 किमी प्रति घंटा होगी.

सरायकेला : चुनाव की तारीख एलान होते ही आदर्श आचार संहिता लागू

सरायकेला : लोकसभा आमचुनाव 2024 का चुनाव तारीख का घोषणा होते ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गया है. इसी को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त श्री रवि शंकर शुक्ला के द्वारा समाहरणालय सभागार में सभी पंजीकृत राजनितिक दल के सदस्यों के साथ बैठक कर दिनांक 16 मार्च को निर्वाचन की घोषणा के बाद पूरे जिले में आदर्श आचार संहिता लागू होने तथा जिले के लोकसभा क्षेत्र मे होने वाले मतदान, मतगणना की तिथि समेत जिले मे निर्वाचन के दायित्वो के निर्वाहन हेतू की गई तैयारीयों के सम्बन्ध मे विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने सभी राजनितिक पार्टी दल के सदस्यों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्राप्त दिशा निर्देशों का अक्षरसः अनुपालन करते हुए जिले मे शांतिपूर्ण, कदाचार मुक्त वातावरण मे निर्वाचन सम्पन्न कराने मे जिला प्रशासन का सहयोग प्रदान करने की बात कही गई.इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नें सभी दल के सदस्यों/ प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि दिनांक 16 मार्च को निर्वाचन की घोषण उपरांत पूरे जिले में आदर्श आचार संहिता लागू हो गया है. दोनों अनुमंडल क्षेत्र मे धारा 144 लागु कर दिया गया है. उन्होंने कहा की साथ ही चौथा चरण में 10 सिंहभूम (अ. ज.जा.) तथा 11 खूंटी (अ. ज.जा.) लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र मे दिनांक- 13 मई 2024 को मतदान किया जाना है वही 8 रांची लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र मे छठा चररण मे दिनांक 25 मई 2024 को मतदान किया जाना है. साथ ही उन्होंने कहा कि शान्तिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं दण्डाधिकारियों की भी प्रतिनियुक्ति की गयी है. पोलिंग पार्टीज का गठन भी रैंड माईजेशन के द्वारा सुनिश्चित किये जाएँगे, ताकि शान्तिपूर्ण एवं

निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न कराया जा सके. साथ ही उपायुक्त ने प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि निपष्पक्ष व भयमुक्त वातावरण में चुनाव कराने की तैयारियों को पूरा कर लिया गया है. लोकसभा आम चुनाव की तैयारियों को लेकर वेलरेबल बूथ, क्रिटिकल बूथ, सामान्य बूथ का निरीक्षण अधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है, ताकि किसी प्रकार की समस्याओं का सामना न करना पड़े. सुरक्षा व्यवस्था को लेकर असमाजिक तत्वों पर विशेष नजर के अलावा 107, 110 के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है. सीमावर्ती ईलाकों में विशेष गश्ती व विशेष अभियान चलाया जायेगा, ताकि किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो. इसके अलावा सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के साथ वेब कास्टिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है.इसके अलावे जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने जानकारी दी कि लोक सभा आम चुनाव सम्पन्न कराने के दृष्टिकोण से पूर्व में हीं सभी कोषांगों का गठन कर दिया गया है. प्रत्येक कोषांग के लिए प्रभारी पदाधिकारी के साथ-साथ वरीय पदाधिकारियों की भी प्रतिनियुक्ति कर डी गई है. पूर्व की तरह दिव्यांग व बुजूर्ग मतदाताओं को विभिन्न आवश्यक सुविधाओं मुहैया करायी जायेगी. साथ हीं जिले के सभी चेकपोस्टों पर सुरक्षा को लेकर आवश्यक इंतजाम किये गये हैं. आगे उपायुक्त ने प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि चुनाव आदर्श आचार संहिता सख्ती से लागू हो इनमें सभी प्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण है. जिले मे शांतिपूर्ण, कदाचार मुक्त वातावरण मे निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण करने हेतू भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्राप्त दिशा निर्देशों का अनुपालन कर जिला प्रशासन का सहयोग करें.प्रेस वार्ता के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त द्वारा जानकारी दी गई कि आचार संहिता लगने के पश्चात अब किसी भी पार्टी, प्रत्याशी या समर्थकों को रैली या जुलूस निकालने या चुनावी सभा करने से पहले अनुमति लेनी होगी. साथ ही अनुमति के बिना किसी की ज़मीन, घर, परिसर की दीवारों पर पार्टी के झंडे, बैनर आदि नहीं लगाए जा सकते. वही मतदान के दिन शराब की दुकानें बंद रहती हैं, वोटरों को शराब या पैसे बाँटने पर भी मनाही होती है.इस दौरान उपायुक्त के साथ अपर उपायुक्त, उप निर्वाचन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी सरायकेला, अनुमंडल पदाधिकारी चांडिल, सभी निर्वाचक निबंधक पदाधिकारी, सहायक निर्वाचन निबंधक पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी एवं अन्य उपस्थित रहें.

मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ उपायुक्त ने की बैठक

पाकुड़:जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल सोमवार को समाहरणालय सभागार में आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 को लेकर सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की.बैठक में उन्होंने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बताया कि 16 मार्च को भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा चुनाव की तिथि की घोषणा के पश्चात ही पाकुड़ जिले में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गया है ऐसे में इसका अनुपालन आवश्यक है. उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालयों व परिसरों से पोस्टर्स बैनर्स आदि को हटाया गया है
एवं सार्वजनिक स्थानों जैसे रेलवे स्टेशन बस अड्डे आदि स्थानों से भी राजनीतिक पोस्टर बैनर झंडा को भी हटाया गया है. इसके साथ ही चुनावी खर्च को लेकर विभागीय निर्देश की जानकारी दी गई.
जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि से कहा की भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए सभी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित रूप से हो,इसके लिए सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल को दिशा-निर्देश का पालन करना अतिआवश्यक है. उन्होंने कहा की कोई भी अभ्यर्थी अधिकतम चुनाव

प्रचार में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 95 लाख राशि खर्च कर सकता है.व्यय लेखा का संधारण प्रत्येक अभ्यर्थी को कराना होगा और उन्हें समय-समय पर जिला द्वारा निर्धारित तिथि को अपने व्यय लेखा की जांच करानी होती है,वे अनिवार्य रूप से अपने व्यय लेखा की जांच निर्धारित तिथि में कराना सुनिश्चित करेंगे.
उन्होंने कहा कि 50 हज़ार से ज़्यादा कैश लेकर आवागमन की स्थिति में उक्त कैश का स्क्रुटनी किया जाएगा.
उन्होंने कहा कि बगैर अनुमति के कोई भी रैली या रोड शो पर प्रतिबंध रहेगा.
उन्होंने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को सी-विजिल एप के बारे में विस्तार से बताया.
सभी राजनीतिक दलों को ईवीएम मूवमेंट के बारे में बताया गया.
चुनाव के लिए व्यय कोषांग द्वारा चुनाव प्रचार एवं चुनाव से संबंधित उपकरण/वाहन प्रयोग में लाने हेतु रेट (दर) का निर्धारण हुआ है, उसकी सूची सभी राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराया गया है. पार्टी कार्यालय के बाहर किसी भी प्रचार प्रसार के लिये हर हाल में अनुमंडल पदाधिकारी से अनुमति लेनी होगी.
चुनाव प्रचार प्रसार में कोई भी लाउडस्पीकर या पी0ए0 सिस्टम का प्रयोग लेने के पहले अनुमंडल पदाधिकारी से अनुमति लेनी होगी. मौके पर पुलिस अधीक्षक, सहायक समाहर्ता, परियोजना निदेशक, आईटीडीए, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी एवं विभिन्न राजनीतिक दल के प्रतिनिधि उपस्थित थे.

न्यूज कॉर्नर

वरीय पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित

धनबाद : आगामी लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण व भयमुक्त संपन्न कराने हेतु जिला पुलिस मुख्यालय धनबाद में वरीय पुलिस अधीक्षक श्री हदीप पी जनार्दनन महोदय के नेतृत्व में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमे जिले के सभी पुलिस उपाधीक्षक/ सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थेश्र समीक्षा बैठक के दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक महोदय के द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव को भयमुक्त, शांतिपूर्ण तथा सुरक्षित माहौल में सम्पन्न कराने के लिए विभिन्न बिन्दुओं यथा विधि-व्यवस्था संधारण, आदर्श आचार संहिता का अनुपालन, चुनाव के दौरान अपराध कारित के रोकथाम, उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में प्रभावी अभियान को लेकर रणनीति पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई श्रबैठक के दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा लंबित काण्डों, कुर्की जब्ती, माननीय न्यायालय द्वारा निर्गत वारंट की स्थिति, महत्वपूर्ण व्यक्तियों की सुरक्षा के बारे विस्तृत जानकारी ली गई और कई महत्पूर्ण दिशानिर्देश भी दिए गए

एसडीपीओ के नेतृत्व में चुनाव को देखते हुए निकाला गया फ्लैग मार्च

महेशपुर (पाकुड़): लोकसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता लगने के साथ ही महेशपुर पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मूड में है. इसी कड़ी में एसडीपीओ विजय कुमार के नेतृत्व में रद्दीपुर ओपी क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया. इस दौरान संवेदनशील मतदान केन्द्र, चौक चौराहों और मुख्य मार्गों से होते हुए बोढ़ा, पलसा ,रद्दीपुर, गंगड्डा, बांकुड़ा, चांदपुर गांव सहित ओपी क्षेत्र के अंतरराज्य सीमावर्ती क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया. इस सम्बंध में एसडीपीओ ने बताया कि फ्लैग मार्च के दौरान लोगो को आदर्श आचार संहिता का पालन कराने व भय मुक्त मतदान करने को लेकर जागरूक किया जा रहा. इस दौरान कहा गया कि भयमुक्त होकर लोग मतदान करें. किसी तरह की कोई परेशानी हो तो पुलिस को सूचित करें. इस दौरान लोगों से मतदान प्रभावित करने वाले व्यक्तियों की सूचना स्थानीय पुलिस को देने के लिए भी कहा गया. साथ ही उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया में गड़बड़ी फैलाने वाले व्यक्तियों को कतई बख्शा नहीं जाएगा. एसडीपीओ ने समाज के मतदाताओं से अपील कर कहा कि स्वतंत्र लोकतंत्र के लिए समाज के मतदाता निष्पक्ष, निर्भीक, निडर एवं भयमुक्त होकर मतदान करें. फ्लैग मार्च में ओपी प्रभारी विवेक कुमार के अलावे पुलिस अधिकारी एवं पुलिस बल के जवान शामिल थे.

आगामी लोकसभा चुनाव के परिपेक्ष्य में बैठक

साहिबगंज : सोमवार को निजी कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त हेमंत सती सभी ईआरओ एवं एईआरओ के साथ बैठक की.उन्होंने आगामी लोक सभा आम निर्वाचन- 2024 के परिपेक्ष मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधा को सुनिश्चित करने और इसकी 20 अप्रैल, 2024 तक जमा करने का निर्देश दिया.सभी मतदान केन्द्रों में बिजली, पानी, शौचालय एवं साफ- सफाई ,वॉल कलर, मतदान केंद्रो की घेराबंदी एवं अन्य सुविधा पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिए. इस मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी ओमकारनाथ स्वर्णकार, अपर समाहर्ता राज महेश्वरम, उप निर्वाचन पदाधिकार सुनीता किस्कू, जिला परियोजना पदाधिकारी संदीप कुमार, सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी उपस्थित थे.

महिला कर्मियों के 2 वर्ष केयर लीव की स्वीकृति पर जताई खुशी

पाकुड़: झारखंड सरकार ने झारखंड के महिला कर्मियों के लिए 2 वर्ष का चाइल्ड केयर लीव की घोषणा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने किया है. आज इसी के तहत पाकुड़ जिले में झारोटेफ के महिला प्रकोष्ठ के प्रांतीय उपाध्यक्ष तथा झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के सचिव श्रीमती नमिता त्रिवेदी ने झारोटेफ (झारखंड ऑफिसर्स टीचर्स इंप्लोइज फेडरेशन) के तत्वाधान जिले के शिक्षिकाओं ने मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन के प्रति अबीर व गुलाल लगाकर मनाई खुशी तथा आभार प्रकट किया इस अवसर झारोटेफ के जिला सचिव विजय कुमार भंडारी तथा सभी शिक्षिकायें और शिक्षक गण इत्यादि उपस्थित रहे.

होली मिलन समारोह में दिया प्रेम का संदेश

जमशेदपुर : जिला परिषद सदस्य कुसुम पूर्ती की अगुवाई में परसुडीह के देवराज पैलेस में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया. होली मिलन समारोह में भाजपा जिला अध्यक्ष सुधांशु ओझा, नमन संस्था के संस्थापक अमरप्रीत सिंह काले, भाजपा नेता विमल बैठा, मुखिया सुनिता नाग सहित बड़ी संख्या में विभिन्न सामाजिक कार्यकर्तागण एवं सैकड़ों की संख्या में महिलाएं शामिल हुईं. होली मिलन समारोह के माध्यम से एक दूसरे को प्रेम का संदेश दिया. होली मिलन समारोह के आयोजन में मुख्य रूप से राहुल सिंह, दीपक करवा, अजय सिंह, रानी मिश्रा महिला महिला संगठनों की महत्पपूर्ण भूमिका रही.

केबुल हरिजन बस्ती के सार्वजनिक कुंआ में गंदगी का अंबार, सफ़ाई की माँग

जमशेदपुर : गोलमुरी अंतर्गत केबुल हरिजन बस्ती में सार्वजनिक कुंआ गंदगी और कूड़े से भरी हुई है. सोमवार को सनातन उत्सव समिति के संस्थापक चिंटू सिंह के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने जमशेदपुर अक्षेस के विशेष पदाधिकारी कृष्ण कुमार से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और गोलमुरी अंतर्गत केबुल हरिजन बस्ती स्थित कुंआ के अविलंब सफ़ाई कराने का आग्रह किया. समिति ने ज्ञापन के मार्फ़त बताया कि उक्त कुंआ दशकों पुरानी है. बस्ती के लोग कपड़े धोने इत्यादि के लिए इसका प्रयोग करते हैं. साफ़ सफ़ाई के अभाव में कुँआ का पानी दूषित और गंदगी युक्त हो गया है जिससे बस्ती की बड़ी आबादी प्रभावित हो रही है. व्यापक जनहित में जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति से मामले में संज्ञान लेकर यथोचित पहल सुनिश्चित करने का आग्रह किया है. मौके पर विशेष रूप से अंकित आनंद, अप्पू तिवारी, नवीन तिवारी,मौजूद थे.

लोकसभा चुनाव को लेकर बैंकों के जिला समन्वयक के साथ डीईओ ने की बैठक

पाकुड़: समाहरणालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त श्री मृत्युंजय कुमार बरणवाल की अध्यक्षता में आगामी लोकसभा आम चुनाव 2024 के मद्देनजर जिला अंतर्गत सभी बैंकों के जिला समन्वयक के साथ बैठक आहूत की गई.बैठक में लोकसभा चुनाव को लेकर बैंक प्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा-निर्देशा दिया गया. उपायुक्त ने कहा कि बैंक यह सुनिश्चित करेंगे कि बाह्य स्त्रोत एजेंसियों व कंपनियों से नकदी ले जानेवाली गाड़ियां किसी भी परिस्थिति में बैंक की नकदी के अतिरिक्त किसी अन्य पक्ष की नकदी अपने साथ वाहन में नहीं रखेंगे. बाह्य स्त्रोत एजेंसी व कंपनी के पास बैंकों द्वारा जारी पत्र व दस्तावेज इत्यादि होने चाहिए. जिसमें उन्हें बैंकों द्वारा दी गई नकदी की विवरणी व किसी प्रयोजन के लिए राशि उपलब्ध कराया गया है (जैसे-एटीएम मशीनों में भरने/अन्य शाखाओं अथवा बैंकों में रखने आदि) का उल्लेख होगा. बाह्य स्त्रोत एजेंसियों व कंपनियों के कार्मिक (जो नकदी ले जाने वाली गाड़ी के साथ जा रहे हैं) के पास संबंधित एजेंसी द्वारा जारी किया गया पहचान पत्र उपलब्ध रहना चाहिए. साथ ही निर्वाचन प्रकिया के दौरान प्रतिनियुक्त किए गए उड़नता दल व स्थैतिक निगरानी दल के द्वारा इन गाड़ियों को रोका जाता है तो उनके द्वारा सत्यापन किया जायेगा. बैंक प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि 10 लाख रू या इससे ऊपर का कैश ट्रांजेक्शन किसी बैंक खाता में हो तो इसकी सूचना व्यय लेखा कोषांग को दें. निष्पक्ष व त्रुटिरहित लोकसभा चुनाव संपन्न कराने में सभी से सहयोग की अपील की गई. बैठक में बताया गया कि चुनाव लड़नेवाले अभ्यर्थियों के द्वारा नया बैंक एकाउंट खोला (बैंक/पोस्ट ऑफिस / कॉपरेटिव बैंक) जाना है. यह बैंक खाता अभ्यर्थी के नाम से अथवा उसके निर्वाचन अभिकर्ता के साथ संयुक्त रूप से हो सकता है. संबंधित बैंक के द्वारा प्राथमिकता देते हुए उस व्यक्ति का खाता खोला जायेगा. साथ ही चुनाव प्रकिया के दौरान अभ्यर्थी व उसके अभिकर्ता के द्वारा उक्त खाते से किये जानेवाले ट्रांजेक्शन में बैंक के द्वारा प्राथमिकता दिया जायेगा.इसके अलावा बैठक में एडचड और सी विजिल एप के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई. इलेक्शन सीजर मैनेजमेंट सिस्टम (एडचड) से किस प्रकार चुनाव में अनैतिकगतिविधियों पर राकथाम लगाया जा सकता है इसकी विस्तृत जानकारी दी गई .मौके पर सहायक समाहर्ता, परियोजना निदेशक, आईटीडीए, अपर समाहर्ता,अनुमंडल पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी,जिला जनसंपर्क पदाधिकारी,जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, एसएमपीओ एवं विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक समेत अन्य उपस्थित थे.

सरकारी जमीन गिरने से मना करने पर गाली गलौज एवं मारपीट करने का मामला हुआ दर्ज

महेशपुर (पाकुड़): महेशपुर हटियापाड़ा निवासी अमित भगत के साथ बीते कल शाम पति-पत्नी के द्वारा एकमत होकर गाली- गलौज करते हुए जान मारने की नीयत से मारपीट कर जख्मी कर देने का मामला प्रकाश में आया है. घटना को लेकर वादी अमित भगत ने सोमवार को थाना में हटियापाड़ा निवासी नामजद आरोपित गौतम साहा एवं उसके पत्नी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज करवाया है. आवेदन में उल्लेख किया है कि गौतम साहा अपने पत्नी के साथ सरकारी जगह को जोर जबरदस्ती इंटा से घेराबंदी कर रहा था. सूचना पर अमित भगत ने गौतम साहा को मना करने लगा कि यह सरकारी जमीन है. साथ ही उसके घर से सटा हुआ है. वक्त जमीन को घेराबंदी नहीं करें. घेराबंदी करने पर आसपास के लोगों का दिक्कत हो सकता है. इसी दौरान नामजद आरोपित एवं उसकी पत्नी ने अमित भगत को गाली गलौज करते हुए हंसुआ से मार कर जख्मी कर दिया. हो हल्ला सुनने के बाद वादी का भाई घटनास्थल पर पहुंचा तो उन लोगों ने उसके साथ भी धक्का मुक्की किया. साथ ही धमकी दिया कि सभी को जान से मार देंगे. पुलिस मामला दर्ज कर मामले की छानबीन में जुटी हुई है.

एयरफोर्स के जवान ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पाकुड़: पाकुड़ से बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है. यहां एयर फोर्स के एक जवान ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. युवक का नाम राहुल कुमार आनंद बताया जा रहा है. मामला हिरणपुर थाना क्षेत्र के बाजार की बताई जा रही है. जानकारी के मुताबिक राहुल घर का एकलौता चिराग था. 2018 में उसकी नौकरी हुई थी और अभी उसकी पोस्टिंग अमृतसर में थी. परिजन सहित पुलिस को यह अभी तक पता नहीं चल पाया है कि आखिर ऐसा क्या हुआ जो उसने ऐसा कदम उठाया, यह किसी को भी समझ नहीं आ रहा है.

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने की राजनीतिक दलों के साथ बैठक

धनबाद: जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा ने अपने कार्यालय कक्ष में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और उन्हें आदर्श आचार संहिता, चुनावी खर्च सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की.उपायुक्त ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 की घोषणा होने के साथ ही आदर्श आचार संहिता के साथ-साथ जिले में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा भी लागू है.अब हर कार्यक्रम के आयोजन के लिए राजनीतिक दल को अनुमति लेना अनिवार्य है. इसके लिए सुविधा पोर्टल पर आसानी से ऑनलाइन आवेदन देकर अनुमति प्राप्त कर सकते हैं. हर कार्यक्रम में वीडियो सर्विलेंस टीम मौजूद रहेगी. बैठक के दौरान उपायुक्त ने भारतीय चुनाव आयोग के दिशा निर्देशों से राजनीतिक दलों को अवगत कराया.उपायुक्त ने कहा कि चुनाव के दौरान किए गए खर्च की सही जानकारी सभी प्रत्याशी उपलब्ध कराए. जांच में खर्च का ब्यौरा गलत पाए जाने पर उम्मीदवार की उम्मीदवारी रद्द भी हो सकती है.उन्होंने सभी से आदर्श आचार संहिता को लेकर सतर्क रहने और भारतीय चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने का अनुरोध किया. इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन ने कहा कि 16 मार्च 2024 से लोकसभा चुनाव

की घोषणा होने के साथ आदर्श आचार संहिता भी प्रभावी है. इसलिए सभी राजनीतिक दल इसका अनुपालन सुनिश्चित करें.कोई भी व्यक्ति या राजनीतिक दल अपने वाहन या मोटरसाइकिल, आवास या कार्यालय के बाहर पार्टी का झंडा या चिन्ह अनुमति लेकर लगाए. वाहनों में लगे विभिन्न पद के बोर्ड हटा ले. किसी आयोजन के लिए समय पर सुविधा पोर्टल पर आवेदन दें. आवेदन मिलने पर पहले आओ पहले पाओ की नीति पर अनुमति प्रदान की जाएगी.बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालीदास मुंडा, भाजपा के नरेंद्र त्रिवेदी, घनश्याम ग्रोवर, झामुमो के लक्खी सोरेन, आजसू के रतीलाल महतो, श्री प्रदीप महतो, राजद के मुमताज कुरैशी, आप के रविंद्रनाथ सिंह, बीएसपी के मनोज दास सहित अन्य लोग मौजूद थे .

जितनगर में 24 प्रहर राधा कृष्ण लीला संकीर्तन शुरू

उधवा : प्रखंड के पूर्वी प्राणपुर पंचायत के जितनगर गांव में तीन दिवसीय आयोजित 24 प्रहर राधा कृष्ण लीला संकीर्तन सोमवार की सुबह से शुरू हो गया. लीला संकीर्तन शुरू होने से पूरे गांव में भक्ति का माहौल है. जानकारी के अनुसार पश्चिम बंगाल के मालदा जिला से सुप्रोना कर्मकार, अर्जुन कुमार दास, मुर्शिदाबाद जिला से रानी घोष,विधानचंद्र घोष तथा प्रिया रानी, शिप्रा मंडल सहित अन्य जिलों से आए हुए कलाकारों ने बारी-बारी से श्रीकृष्ण के जीवनी के बारे में बताया. कलाकारों ने कहा कि मनुष्य को लीला संकीर्तन सुनने से मन को शांति मिलती है.
मौके पर भोलानाथ मंडल,प्रकाश मंडल,बेचन मंडल,अतुल मंडल,उत्पल रविदास व विमल प्रमाणिका सहित अन्य कमेटी के सदस्य मौजूद थे.

गंगा स्वच्छता पखवाड़ा: गंगा में चलाया स्वच्छता अभियान

साहिबगंज : जल शक्ति मंत्रालय राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तत्वाधान में 16 मार्च से 31 मार्च तक आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा के तहत सोमवार को नमामि गंगे के द्वारा मुक्तेश्वर घाट पर गंगा तट की सफाई करके स्वच्छता पखवाड़े का प्रारंभ किया. सुबह के साहिबगंज जिले के मुक्तेश्वर घाट पर उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों को जल शक्ति मंत्रालय द्वारा प्रकाशित नमामि गंगे परियोजना का संपूर्ण विवरण किया गया.जिले में 16 मार्च से 31 मार्च 2024 तक चलने वाले स्वच्छता अभियान में मुक्तेश्वर घाट पर गंगा तट की सफाई कर वृक्ष रोपण कर लोगों से भी इसमें जुड़ने का आह्वान किया गया.स्वयंसेवकों ने नमामि गंगे के

संयोजन में श्रमदान कर गंगाजल में कपड़े, पॉलिथीन, ईश्वर की तस्वीरें और धार्मिक वस्तुओं को निकाला. इस दौरान स्वयंसेवकों ने गंगा तट से बड़ी मात्रा में कूड़ा एकत्र कर निस्तारण के लिए भेजा. स्वच्छता पखवाड़ा को देखते हुए शहर में विशेष सफाई अभियान चलाया गया है. गंगा स्वच्छता पखवाड़ा के तहत जन जागरूकता और जन सहभागिता के माध्यम से लोगों को गंगा सफाई के प्रति जोड़ना है. नमामि गंगे योजना के तहत गंगा नदी किनारे स्थित नगरीय क्षेत्रों, कस्बों, घाटों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को राष्ट्रीय गंगा नदी को स्वच्छ बनाने एवं उसमें जलीय जंतुओं को संरक्षित करने के प्रति जागरूकता लाना है. 31 मार्च तक चलने वाले इस स्वच्छता पखवाड़े के तहत गंगा में घरेलू कचरे को प्रवाहित करने से रोकना, प्रदूषण में कमी लाना, सीवेज को गंगा में न बहाने के लिए लोगों को जागरूक किया जाएगा. स्वच्छता पखवाड़ा के तहत गंगा प्रवाह वाले सभी राज्यों में गंगा संदेश यात्रा, गंगा स्वच्छता श्रमदान आयोजित किए गए.इस मौके पर जिला परियोजना पदाधिकारी नमामि गंगे मणिकांत रजक, सामुदायिक संगठन कार्यकर्ता शर्वरी खातून, रतन गुप्ता, नगर प्रबंधक बिरेश कुमार,रवि शेखर, मणि प्रकाश सिन्हा, शिव हरी, अनूप लाल हरी, सोनू हरि, मुन्ना कुमार सिन्हा, नगर परिषद कर्मियों द्वारा शपथ ग्रहण किया गया.

सालखु हेंब्रम को काम पर लौटने को लेकर ज्ञापन सौंपा

तालझारी : राज्य स्तरीय पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ के तालझारी पंचायत सहायक द्वारा सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी तालझारी सालखु हेंब्रम को अपना धरना स्थगित कर काम पर लौटने को लेकर ज्ञापन सौंपा. पंचायत सहायक संघ के तालझारी प्रखंड अध्यक्ष संजय कुमार यादव ने बताया कि राज्य स्तरीय पंचायत सचिवालय स्वयं सेवक संघ अपनी पांच पुत्री मांगो को लेकर विगत 8 जुलाई 2023 से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन राज भवन के समक्ष 253 दिन से कर रहे थे. राज्य सरकार मंत्री परिषद की बैठक 12 मार्च 2024 को प्रोजेक्ट भवन की बैठक में संघ के कुछ मांगों को सरकार ने पूरी की है. इसलिए पंचायत सचिवालय स्वयं सेवक संघ अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन को सोमवार से स्थगित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी सालखु हेंब्रम को ज्ञापन सौंपा गया. 12 मार्च 2024 के कैबिनेट में हम लोगों का मुख्य मांग यह था कि पंचायत सचिवालय स्वयं सेवक संघ का नाम बदलकर पंचायत सहायक कर दिया जाए, जो कि हम लोगों का नाम पंचायत सहायक कर दिया गया है, और पूरी तालझारी प्रखंड के तमाम पंचायत के पंचायत सहायक काम पर लौट गए हैं. मौके पर मोती झरना के मोहम्मद असद राजा, करमपुरातो मोहम्मद तारीख अनवर, बड़ीभगिया शशि कुमार सिंह, सकडभंगा प्रियंका देवी, सलगाछी संथाली टाईटेस मालतो, सहित अन्य पंचायत सहायक उपस्थित थे.

एनएसई-एसएसई पर पहले पांच सूचीबद्ध संगठनों का हुआ स्वागत

जमशेदपुर : नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के सोशल स्टॉक एक्सचेंज (एसएसई) ने एनएसई-सोशल स्टॉक एक्सचेंज (एसएसई) प्लेटफॉर्म पर स्वामी विवेकानंद यूथ मूवमेंट (एसवीवाईएम), ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया, मुक्ति, एकलव्य फाउंडेशनऔर एसजीबीएस उन्नति फाउंडेशनकी सूचीबद्धता के साथ पहली पांच लिस्टिंग की उपलब्धि का स्वागत किया.. सामाजिक असर से प्रेरित वित्त की दिशा में इस महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत के स्वागत में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) मुख्यालय के मुंबई स्थित बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ. इन सूचीबद्धता के ज़रिये लगभग 8 करोड़ रुपये का फंड जुटाया गया, जिसका उपयोग शिक्षा, कौशल विकास, कृषि, आजीविका, महिला सशक्तिकरण आदि क्षेत्रों में कई विकास परियोजनाओं के लिए किया जाएगा. बेहद उत्साह के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में सेबी की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच, सेबी की सोशल स्टॉक एक्सचेंज सलाहकार समिति के अध्यक्ष डॉ. आर बालासुब्रमण्यम, अश्वनी भाटिया, पूर्णकालिक सदस्य (डब्ल्यूटीएम), सेबी और आदित्य बिड़ला सनलाइफ एएमसी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी ए बालासुब्रमण्यम के साथ कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति, अधिकारी और गैर-लाभकारी संगठनों (एनपीओ) और अन्य हितधारकों के प्रतिनिधि मौजूद रहे. मालूम हो कि एनएसई-एसएसई प्लेटफॉर्म का विकास जारी है, जिसमें फिलहाल 50 से अधिक पंजीकृत गैर-लाभकारी संगठन (एनपीओ) भाग ले रहे हैं. इनमें से कुछ और एनपीओ ने सफलतापूर्वक धन जुटाया है और कई अन्य ऐसा करने की प्रक्रिया में हैं. एनएसई-एसएसई मंच वित्तीय बाज़ार और सामाजिक कल्याण उद्देश्यों के बीच अंतर को पाटने, समावेशी विकास और वित्तीय सशक्तिकरण लाने के लिए प्रतिबद्ध है.

ईचागढ़ प्रखंड के दुलमीडीह गांव में सरहुल उत्सव का आयोजन

सरायकेला : ईचागढ़ प्रखंड के तूता पंचायत अंतर्गत दुलमीडीह में सोमवार को सरहुल उत्सव का आयोजन किया गया. सरहुल में आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो शामिल हुए. हरेलाल महतो ने जाहेर एफसी थान पर माथा टेका और आशीर्वाद लिया. वहीं, सरहुल के मौके पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का हरेलाल महतो ने फीता काटकर उद्घाटन किया. इस दौरान विभिन्न दलों के कार्यकर्ताओं ने आजसू पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने की इच्छा जताई. मौके पर आजसू नेता हरेलाल महतो ने दर्जनभर लोगों को आजसू की सदस्यता दिलाई और पार्टी में स्वागत किया. करीब दो दर्जन लोगों ने

सदस्यता ग्रहण किया, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं. वार्ड पार्षद उमेश माहली, पिंकी माहली, श्रावणी माहली, मुचकुनी माहली, तीजमनी माहली, बैशाखी माहली, यशोदा माहली, पूनम माहली, सशधर माहली, निर्मला माहली, आनंद माहली, दयामय माहली, अजम्बर माहली, छुटू माहली, मुकुंद महतो, प्रेम महतो, नरेश महतो, बहादुर महतो, राहुल महतो, अनित महतो, सोनाराम महतो, चैता महतो आदि ने आजसू की सदस्यता ग्रहण की. इस अवसर पर हरेलाल महतो ने कहा कि आजसू के विचारों से समस्त झारखंड वासी प्रभावित हो रहे हैं. झारखंड के जनता को विश्वास हो चुका है कि आजसू ही राज्य में बेहतर नेतृत्व कर सकती हैं. इसलिए वर्तमान समय में लगातार आजसू में लोग शामिल हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी सामाजिक न्याय और विकास के सिद्धांत पर राजनीति करती हैं. पार्टी के सिद्धांतों पर सभी धर्म, मजहब और जातियों का उल्लेख है. उन्होंने कहा कि आजसू किसी धर्म और जाति विशेष की राजनीति नहीं करती हैं. इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष गोपेश महतो,ग्राम प्रधान कार्तिक सिंह मुंडा,पंचायत समिति व्यास देव महतो, पंचायत अध्यक्ष नरेन महतो, सुभाष चंद्र महतो,महेंद्र महतो आदि मौजूद थे.

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | मंगलवार | 19 मार्च 2024

मतदाता का वक्त

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के महापर्व की घड़ी करीब आ गई है. देश में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ नयी सरकार बनने की प्रक्रिया शुरू हो गई है. निस्संदेह, चुनाव कार्यक्रम बेहद लंबा है और 19 अप्रैल से शुरू होकर एक जून तक चलेगा. बेशक, 18वीं लोकसभा के लिये चुनाव की प्रक्रिया बहुत लंबी है. एक अरब के करीब पहुंचते मतदाताओं के लिये सुचारू-शांतिपूर्ण मतदान की व्यवस्था करना आसान भी नहीं है. भौगोलिक जटिलताओं, बड़ी आबादी और कानून व्यवस्था के प्रश्न चुनावी प्रक्रिया को लंबा बनाते हैं. निस्संदेह, यह नेताओं व सरकार का पांच साल का रिपोर्ट कार्ड पेश करने का वक्त है. यह आसमान से तारे तोड़ लाने के वायदे करने का वक्त है. खामियों को दबाने और उपलब्धियों के बखान का वक्त है. लेकिन सबसे महत्वपूर्ण वक्त मतदाता के लिये है कि वह अच्छे-बुरे का फर्क करके तार्किक आधार पर अपने बेशकीमती मत का उपयोग करे. विडंबना ही है कि अमृतकाल से गुजरते देश में मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग विष और अमृत के भेद को पूरी तरह महसूस नहीं कर पाया है. भारतीय राजनीति में दागियों का दखल और धनबल का बढ़ता वर्चस्व यही बताता है कि हमारा मतदाता इन संवेदनशील मुद्दों के प्रति जागरूक नहीं हो पाया है. निश्चित रूप से मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो वोट डालने घर से नहीं निकलता. जो बड़ा तबका निकलता भी है वह भी धर्म, जाति,क्षेत्र और धनबल से रचे सम्मोहन से मुक्त नहीं हो पाता. विचारणीय प्रश्न यह भी कि क्यों आज भी मतदाता मुफ्त की रेवड़ियों के मोहपाश में जकड़ा हुआ है. मतदाता अपने बेशकीमती वोट को छोटे प्रलोभनों के लिये क्यों जाया कर देता है. देश में पिछले दशकों में साक्षरता का स्तर ऊंचा हुआ है. निस्संदेह, गरीबी के आंकड़ों में काट-छांट के दावे सरकारों की तरफ से किये जाते रहे हैं. देश में गरीबी की उपस्थिति भी एक सत्य है. लेकिन साधनविहीनता का यह मतलब कदापि नहीं है कि हम छोटे-छोटे प्रलोभनों में फंसकर विवेकशील ढंग से मतदान न कर सकें. देश में उत्तर, दक्षिण में मतदाताओं के रुझान में भिन्नता भी एक मुद्दा रहा है, लेकिन लोकतंत्र में पारदर्शिता, शुचिता और योग्य प्रतिनिधियों का चयन एक सर्वकालिक सत्य है. सही मायनों में यह लोकतंत्र का महोत्सव राजनेताओं का नहीं, जनता का है. मतदाता को अपने वोट की कीमत समझकर इसे बदलाव के अस्त्र के रूप में प्रयोग करना चाहिए. उसे जातीय,धार्मिकता, क्षेत्रवाद और आर्थिक प्रलोभनों को सिरे से खारिज करके लोकतंत्र को समृद्ध बनाना चाहिए. उसे विचार करना चाहिए कि देश की जनप्रतिनिधि संस्थाओं में क्यों धनबलियों का वर्चस्व हो रहा है. क्यों आम आदमी अब चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं है? क्यों जनप्रतिनिधि चुनाव जीतते ही अरबों में खेलने लगते हैं? यह विडंबना है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान उपहारों, शराब और नकदी के अंबार की बरामदगी इस संकट की ओर इशारा करती है कि अल्पकालिक लाभ के लिये कमजोर वर्ग के मतदाताओं को लुभाने के लिये सारे दांव चले जाते हैं. निस्संदेह, इक्कीसवीं सदी के भारतीय लोकतंत्र में इन प्रवृत्तियों पर अंकुश लगना चाहिए.

क्या आगामी लोकसभा चुनाव में होगी गारंटी-गारंटी की लड़ाई?

– अशोक भाटिया

लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है. राजनीतिक दल इस चुनाव में कई मुद्दों और 'गारंटी' के सहारे जनता के बीच आक्रामक चुनाव अभियान चलाने की तैयारी में हैं. ऐसे में उन प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डालते हैं जिन्हें विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव प्रचार के दौरान उठाए जाने की संभावना है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसका स्पष्ट संकेत दिया है कि इस चुनाव में उनके प्रचार अभियान का मुख्य विषय 'मोदी की गारंटी' रहने वाला है. प्रधानमंत्री मोदी और भारतीय जनता पार्टी के अनुसार, 'मोदी की गारंटी' युवाओं के विकास, महिलाओं के सशक्तीकरण, किसानों के कल्याण और उन सभी हाशिए पर पड़े और कमजोर लोगों के लिए एक गारंटी है जिन्हें दशकों से नजरअंदाज किया गया है. देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना के राज्य चुनावों में कुछ हद तक फायदा होता दिखा, जब उसने लोगों को 'गारंटी' दी. अब लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी ने युवाओं, किसानों, महिलाओं, श्रमिकों और आदिवासी समुदाय के लिए न्याय सुनिश्चित करने के साथ-साथ 'भागीदार न्याय' के उद्देश्य से अपनी 5 'न्याय गारंटी' की बात की है. मणिपुर से मुंबई तक राहुल गांधी की अगुवाई वाली 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान लोगों के सामने 'न्याय की गारंटी' पेश की गई है. कांग्रेस का घोषणापत्र इन गारंटी के इर्द-गिर्द तैयार किए जाने की संभावना है और पार्टी अपना अभियान इन्हीं गारंटी के इर्द-गिर्द तैयार करेगी. कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन में शामिल विपक्षी पार्टियां बेरोजगारी और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों का मुद्दा उठाती रही हैं. उन्होंने बार-बार कहा है कि नौकरियों की कमी सबसे बड़ा मुद्दा है और इस मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश की गई. वहीं पेट्रोल-डीजल के दाम हो या फिर रोजमर्रा का सामान, इनकी कीमतों को लेकर भी मोदी सरकार विपक्ष के निशाने पर रही है. हालांकि भाजपा ने रोजगार वृद्धि और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का हवाला देते हुए पलटवार भी किया है. चुनावी मौसम में बेरोजगारी और महंगाई भी बड़े मुद्दे हैं. अनुच्छेद 370 , सीएए और समान नागिरक संहिता भाजपा के लोगों के बीच किए गए वादों में से हैं. भाजपा ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 के कार्यान्वयन और जम्मू-कश्मीर के लिए अनुच्छेद 370 को निरस्त करके अपने वादे पूरे कर दिए हैं. वहीं सीएए को भी लागू कर दिया गया है. इन्हें पार्टी ने समय समय पर मुद्दा बनाया है और इस चुनाव में भाजपा इन मुद्दों को भुनाने में जुटी है. उत्तराखंड में समान नागरिक संहित लागू हो चुका है. अन्य राज्यों पर बातचीत जारी है. 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह को भाजपा ने जबरदस्त उत्साह के साथ मनाया. समारोह का नेतृत्व करने वाले प्रधानमंत्री मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रतीकवाद किसी से भी छिपा नहीं था. भाजपा नेताओं ने सदियों पुराने सपने को साकार करने का श्रेय प्रधानमंत्री को दिया है. इस अवसर पर हिंदी भाषी क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में भगवा झंडे फहराए गए, इसका प्रभाव हर किसी पर महसूस किया जा सकता है. यहां तक कि विपक्षी नेता भी मानते हैं कि राम मंदिर से भाजपा को उत्तर भारत में फायदा हुआ है. विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा को कम से कम 370 सीटें मिलने का ज्यादातर भरोसा इसी 'राम मंदिर लहर' से उपजा है. सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद एसबीआई द्वारा उपलब्ध कराए जाने पर चुनाव आयोग ने चुनावी बॉन्ड पर डेटा सार्वजनिक कर दिया है. कांग्रेस ने चुनावी बॉन्ड योजना में कथित भ्रष्टाचार के लिए सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट से उच्च स्तरीय जांच और उसके बैंक खातों को फ्रीज करने की मांग की है. चुनाव से ठीक पहले यह मुद्दा सामने आया है और विपक्ष ने इसे लपक लिया है, लेकिन यह जमीनी स्तर पर काम करेगा या नहीं, यह अभी भी देखना बाकी है. हालांकि, यह निश्चित रूप से अभियान के दौरान चर्चा के बड़े विषयों में से एक होगा. चुनावी मौसम के दौरान एक बड़ा मुद्दा है अमृत काल बनाम अन्य काल. भाजपा का दावा है कि मोदी सरकार ने सुशासन, तेज गति से विकास और भविष्य के लिए एक दृष्टिकोण का आश्वासन दिया है. दूसरी ओर, कांग्रेस ने मोदी सरकार के 10 वर्षों को 'बेरोजगारी, बढ़ती कीमतें, संस्थानों पर कब्जा, संविधान पर हमला और बढ़ती आर्थिक असमानताओं' वाला 'अन्य काल' करार दिया है. चुनाव से ठीक पहले दिल्ली की सीमाओं पर किसानों का आंदोलन भी चर्चा में हावी रहने की संभावना है. विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने किसानों के साथ विश्वासघात किया है. वहीं किसानों के आंदोलन को देखते हुए राहुल गांधी ने किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी देने का वादा किया है. वहीं भाजपा नेता किसान नेताओं की चिंताओं को दूर करने के लिए उनसे बातचीत कर रहे हैं और वे आरोप लगाते रहे हैं कि कई आंदोलनकारी राजनीति से प्रेरित हैं. यह चुनाव एक महत्वपूर्ण चरण का भी प्रतीक है जिसे कई लोग भाजपा और कांग्रेस के बीच ''विचारधाराओं की लड़ाई'' कहते हैं. दोनों पार्टियां अपने वैचारिक सिद्धांत लोगों के सामने रखेंगी और उनसे किसी एक को चुनने के लिए कहेंगी. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि देश का लक्ष्य एक विकसित राष्ट्र बनना है. उन्होंने कहा है कि उनकी सरकार 2047 तक इस लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है. विकसित भारत का दृष्टिकोण भाजपा के चुनावी अभियान में महत्वपूर्ण रहने की संभावना है, जबकि विपक्ष इसे 'एक और जुमला' करार दे रहा है. हालांकि, चुनाव अभियान के दौरान यह एक प्रमुख विषय बना रहेगा. *(वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार)*

आम चुनाव में अर्जुन की आंख चाहिए

– ललित गर्ग

लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है और चुनाव का माहौल गरमा रहा है. चुनावों की तारीखें घोषित किए जाने के साथ ही जैसी कि उम्मीद थी, सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बयानबाजी और तेज हो गई. कौरव रूपी विपक्षी दल एवं पाण्डव रूपी भाजपा के बीच इस चुनाव में असली जंग सत्य और असत्य के बीच है. सत्ता पक्ष और विपक्ष की यह नोक-झोंक ही तो लोकतंत्र की खूबसूरती है, यह जितनी शालीन एवं उग्र होगी, लोकतंत्र का यह महापर्व कुंभ उतना ही ऐतिहासिक एवं खास होगा. भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतन्त्र है और उदार बहुदलीय राजनैतिक प्रणाली का जीवन्त उदाहरण है जिसकी वजह से चुनावों का समय एवं प्रचार विविधतापूर्ण, आक्रामक व रंग-रंगीला होना ही है मगर इसमें कहीं भी कड़वापन, उच्छृंखलता और आपसी रंजिश का पुट नहीं आना चाहिए. इस बार के चुनाव में जहां भाजपा नेतृत्व अगले 20 वर्षों का विजन पेश कर रहा है, वहीं कांग्रेस नेतृत्व इसे लोकतंत्र बचाने का आखिरी मौका करार दे रहा है. यानी इन चुनावों का फलक पांच साल के काम के आधार पर अगले पांच साल के लिए जनादेश के सामान्य ट्रेंड तक सीमित नहीं रहा. यह चुनाव असल में आजादी के अमृतकाल यानी वर्ष 2047 के लक्ष्य को सुनिश्चित करने वाला है. इस चुनाव में सर्वाधिक चर्चा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनके भावी देश-निर्माण के संकल्प की है. असल में तो इन चुनाव में भाजपा की जीत तो निश्चित मानी जा रही है, लेकिन वह अपने 400 के लक्ष्य को हासिल कर पाती है या नहीं? भाजपा इसके इर्द-गिर्द अपना अभियान चला रही हैं. जबकि विपक्ष जीत का दावा करते हुए भाजपा के इस बड़े लक्ष्य को हास्यास्पद बता रहा है, उनके प्रति अपनी नापसंदगी से परेशान है. भाजपा के पास बड़ा उद्देश्य है, जबकि विपक्ष भाजपा की काट करने के लिये भी प्रभावी मुद्दे नहीं तलाश पा रही है. भाजपा प्रचार में शामिल हैं- आर्थिक विकास, देश और विदेश में सशक्त राष्ट्रवाद, हिंदुत्व, सांस्कृतिक पुनरुत्थान, नया भारत-सशक्त भारत, औद्योगिक क्रांति, दुनिया की महाशक्ति बनना, स्थिरता, शांति. विपक्ष इन ही बड़े उद्देश्यों की आलोचना कर रहा है. मोदी इन चुनावों के महानायक है, परिवर्तनकारी व्यक्ति हैं जो स्थिरता का वादा करते हुए वोट मांग रहे हैं. अपने आलोचकों के लिए, वह एक अत्यंत ध्रुवीकरण करने वाले व्यक्ति हैं. इस बार का आम चुनाव रोमांचक होने के साथ देश में बड़े परिवर्तन का कारण बनेगा. इस चुनाव में सभी पार्टियां सरकार बनाने का दावा पेश कर रही हैं और अपने को ही विकल्प बता रही हैं तथा मतदाता सोच रहा है कि देश में नेतृत्व का निर्णय मेरे मत से ही होगा. इस वक्त मतदाता मालिक बन जाता है और मालिक याचक. बस केवल इसी से लोकतंत्र परिलक्षित है. बाकी सभी मर्यादाएं, प्रक्रियाएं हम तोड़ने में लगे हुए हैं. जो नेतृत्व स्वतंत्रता प्राप्ति का शस्त्र बना था, वही नेतृत्व जब तक पुनः प्रतिष्ठित नहीं होगी तब तक मत, मतदाता और मतपेटियां सही परिणाम नहीं दे सकेंगी. आज देश को एक सफल एवं सक्षम नेतृत्व की अपेक्षा है, जो राष्ट्रहित को सर्वोपरि माने. आज देश को एक अर्जुन चाहिए, जो मछली की आंख पर निशाने की भांति भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराध, महंगाई, बेरोजगारी, बढ़ती आबादी, सरकारी खजाने का गलत इस्तेमाल, देश की सीमा-रक्षा आदि समस्याओं पर ही अपनी आंख गडाए रखें. इस दृष्टि से सबकी नजरे मोदी पर ही लगी हैं. मोदी ही अर्जुन की मुद्रा में हैं जो मछली की आंख पर निशाना लगा सके. वे ही युधिष्ठिर है, जो धर्म का पालन करते हुए दिख रहे हैं. जो स्वयं को संस्कारों में ढाल, मजदूरों की तरह श्रम कर रहे हैं. वे आदर्शों एवं मूल्यों के साथ चुनावों में उतरे हैं, राजनीति की चकाचौंध में धृतराष्ट्र बने नेताओं के लिये वे एक चुनौती है. सभी विपक्षी दलों में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव है और परिवारवाद तथा व्यक्तिवाद की छाया है. कोई अपने बेटे को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है तो कोई अपने बेटे को मुख्यमंत्री के रूप में. किसी का पूरा परिवार ही राजनीति में है, इसलिए विरासत संभालने की जंग भी जारी है. ऐसे में मोदी ही सबसे प्रभावी नेता बन कर सामने आ रहे हैं. महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी जैसे पुराने मुद्दे भी उठाए ही जा रहे हैं, लेकिन वोटर के फैसले में इनकी कितनी भूमिका रहेगी यह अभी स्पष्ट नहीं है. कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दो-दो यात्राओं से उपजे प्रभाव की परीक्षा भी इन्हीं चुनावों में होनी है. कुल मिलाकर, विपक्ष और सत्ता पक्ष कुछ भी कहे देशवासियों की जागरूक चेतना को देखते हुए यह तय माना जा सकता है कि आम चुनाव का यह लोकतांत्रिक पर्व एक बार फिर देश में लोकतंत्र की जड़ों को गहरा ही करेगा. विपक्षी दलों ने देश-सेवा के स्थान पर स्व-सेवा में ही एक सुख मान रखा है. आधुनिक युग में नैतिकता जितनी जरूरी मूल्य हो गई है उसके चरितार्थ होने की सम्भावनाओं को इन विपक्षी दलों ने उतना ही कठिन कर दिया गया है. ऐसा लगता है मानो ऐसे तत्व पूरी तरह छा गए हैं. खाओ, पीओ, मौज करो. सब कुछ हमारा है. हम ही सभी चीजों के मापदण्ड हैं. हमें लूटपाट करने का पूरा अधिकार है. हम समाज में, राष्ट्र में, संतुलन व संयम नहीं रहने देंगे. यही आधुनिक चुनावों का घोषणा पत्र है, जिस पर लगता है कि सभी विपक्षी दलों ने हस्ताक्षर किये हैं. भला इन स्थितियों के बीच उन्हें वास्तविक जीत कैसे हासिल हो? आखिर जीत तो हमेशा सत्य की ही होती है और सत्य इन तथाकथित राजनीतिक दलों के पास नहीं है. महाभारत युद्ध में भी तो ऐसा ही परिदृश्य था. कौरवों की तरफ से सेनापति की बागडोर आचार्य द्रोण ने संभाल ली थी. एक दिन दुर्योधन आचार्य पर बड़े क्रोधित होकर बोले- ''गुरुवर कहां गया आपका शौर्य और तेज? अर्जुन तो हमें लगता है समूल नष्ट कर देगा. आप के तीरों में जंग क्यों लग गई. बात क्या है?'' आज लगभग हर राजनीतिक दल और उनके नेतृत्व के सम्मुख यही प्रश्न खड़ा है और इस प्रश्न का उत्तर भी और कहीं नहीं, उन्हीं के पास है. राजनीति की दूषित हवाओं ने हर राजनीतिक दल और उसकी चेतना को दूषित कर दिया है. सत्ता और स्वार्थ ने अपनी आकांक्षी योजनाओं को पूर्णता देने में नैतिक कायरता दिखाई है. इसकी वजह से लोगों में विपक्षी दलों के प्रति विश्वास इस कदर उठ गया है कि चौराहे पर खड़े आदमी को सही रास्ता दिखाने वाला भी झूठा-सा लगता है. आंखें उस चेहरे पर सचाई की साक्षी ढूंढती है. यही कारण है कि दुर्योधन की बात पर आचार्य द्रोण को कहना पड़ा, ''दुर्योधन मेरी बात ध्यान से सुनो . हमारा जीवन इधर ऐश्वर्य में गुजरा है. मैंने गुरुकुल के चलते स्वयं 'गुरु' की मर्यादा का हनन किया है. हम सब राग रंग में व्यस्त रहे हैं. सुविधाभोगी हो गए हैं, पर अर्जुन के साथ वह बात नहीं. उसे लाक्षागृह में जलना पड़ा है, उसकी आंखों के सामने द्रौपदी को नग्न करने का दुःसाहस किया गया है, उसे दर-दर भटकना पड़ा है, उसके बेटे को सारे महारथियों ने घेर कर मार डाला है, विराट नगर में उसे नपुंसकों की तरह दिन गुजारने को मजबूर होना पड़ा. अतः उसके वाणों में तेज होगा कि तुम्हारे वाणों में, यह निर्णय तुम स्वयं कर लो. लगभग यही स्थिति आज के राजनीतिक दलों के सम्मुख खड़ी है. किसी भी राजनीतिक दल के पास आदर्श चेहरा नहीं है, कोई पवित्र एजेंडा नहीं है, किसी के पास बांटने को रोशनी के टुकड़े नहीं हैं, जो नया आलोक दे सकें. जो मोदी रूपी अर्जुन के देश-विकास के बाणों का मुकाबला कर सके. यह वक्त विपक्षी दलों और उनके उम्मीदवारों को कोसने की बजाय मतदाताओं के जागने का है. आज मतदाता विवेक से कम, सहज वृति से ज्यादा परिचालित हो रहा है. इसका अभिप्रायः यह है कि मतदाता को लोकतंत्र का प्रशिक्षण बिल्कुल नहीं हुआ. सबसे बड़ी जरूरत है कि मतदाता जागे, उसे लोकतंत्र का प्रशिक्षण मिले. हमें किसी पार्टी विशेष का विकल्प नहीं खोजना है. किसी व्यक्ति विशेष का भी विकल्प नहीं खोजना है. विकल्प तो खोजना है भ्रष्टाचार का, अकुशलता का, प्रदूषण का, भीड़तंत्र का, गरीबी के सन्नाटे का, महंगाई का, राजनीतिक अपराधों का. यह सब लम्बे समय तक त्याग, परिश्रम और संघर्ष से ही सम्भव है. धृतराष्ट्र रूपी दलों की आंखों में झांक कर देखने का प्रयास करेंगे तो वहां शून्य के सिवा कुछ भी नजर नहीं आयेगा. इसलिए हे मतदाता प्रभु! जागो! ऐसी रोशनी का अवतरण करो, जो दुर्योधनों के दुष्टों को नंगा करें और अर्जुन के नेक इरादों से जन-जन को प्रेरित करें.

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

आपका जन्मदिन मंगलमय हो

19 मार्च

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 19 मार्च है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह सूर्य है. इस माह का अधिपति ग्रह वृहस्पति है. आप वृहस्पति एवं सूर्य ग्रह के पूर्ण प्रभाव में जीवन पर्यन्त रहेंगे. आपका जीवन उलझनों व कठिनाइयों से भरा रहेगा. निजी कार्य को अधिक प्राथमिकता देंगे. स्वतंत्र विचार के व्यक्ति होंगे. सामाजिक क्षेत्र की ओर आपकी अभिरूचि रहेगी. जीवन के हर क्षेत्र में किसी न किसी से सहयोग मिलता रहेगा. आप दूसरों को प्रसन्न रखने में सक्षम होंगे. मार्ग-निर्देशन के क्षेत्र में अग्रणी रहेंगे. मस्तिष्क जागरूक व उर्वर होगा. दाम्पत्य जीवन मधुर रहेगा. राजनीतिक क्षेत्र की ओर रुझान रहेगा. लक्ष्य की ओर से सावधान रहेंगे. धन के मामले में निष्पक्ष रहेंगे. व्यवस्थित व शांतिपूर्वक जीवन व्यतीत करना चाहेंगे. दया व सहयोग की भावना विद्यमान रहेगी. जिम्मेदारियों से आप सतर्क रहेंगे. उतावलेपन के कारण नुकसान कर बैठेंगे. शारीरिक व मानसिक दोनों रूपों में कार्य करने में सक्षम होंगे. जीवन में परेशानी की स्थिति में अपने देवकक्ष में प्रातः एवं सायंकाल शुद्ध देशी घी का दीपक अवश्य जलावें. अपने दैनिक जीवन में पीला रंग का प्रयोग अधिकतम करें. सोने का कड़ा दाहिने हाथ में धारण करें. रविवार का व्रत रखें. अपने हित के लिए असत्य बात का सहारा न लेवें. परोपकार करें. सफलता के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ घृणि सूर्याय नमः	मास	:	जनवरी, जुलाई एवं दिसम्बर
व्रत	:	रविवार	वर्ष	:	1, 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64
दिन	:	रविवार, बुधवार एवं गुरुवार	रंग	:	नारंगी, सुनहला एवं पीला
दिनांक	:	1, 10, 19, 28	जन्मरत्न	:	माणिक्य
उपरत्न	:	गार्नेट	अंक	:	2, 4, 7
जड़ी	:	बेल की जड़	दिशा	:	पूर्व

यंत्र

6	1	8
7	5	3
2	9	4

वर्ष का महत्वपूर्ण समय–22 मार्च से 28 अप्रैल, 10 जुलाई से 20 अगस्त

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2024

मेषः आज दिन 1/37 बजे तक इच्छा की पूर्ति, अध्यात्म के प्रति रुचि, आहार-विहार में नवीनता, शेष समय निराशाजनक, सोचे हुए कार्य अपूर्ण, गलत फहमी के शिकार.

वृषभः परिश्रम के अनुरूप सफलता, मनोभिलाषित योजना पूर्ण होने की ओर, वैवाहिक जीवन सुखद, दर्शनीय स्थलों की यात्रा, उत्तरदायित्व की पूर्ति हेतु प्रयत्नशील.

मिथुनः कार्यों के बनने से प्रसन्नता, सुसंदेश की प्राप्ति, परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण, रचनात्मक कृत्यों की ओर रुझान, संकल्प सिद्धि का प्रयास सार्थक, लाभार्जन.

कर्कः आज दिन 1/37 बजे तक दिनमान प्रतिकूल, अधीनस्थ सहयोगी से अभाव, वाहन से भय, शेष समय अच्छा, व्यापारिक प्रगति, उच्चाधिकारियों का सहयोग.

सिंहः आज दिन 1/37 बजे तक कार्यों में सफलता, शुभ विचारों का उदय, यात्रा संतोषजनक, शेष समय अशुभ, आर्थिक पक्ष से असंतोष, यश-मान में वृद्धि.

कन्याः उन्नति का सुअवसर, विनियोजित धन का प्रतिफल प्राप्त, योजना साकार होने की ओर, प्रियजनों से विचार-विमर्श, राजनैतिक कृत्यों की ओर संलग्नता.

तुलाः नवयोजना दृष्टिगत, व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान, शिक्षा के क्षेत्र में सफलता, वैवाहिक अड़चनें समाप्त, सुख के जरूरी साधन सुलभ, आनन्द की अनुभूति.

वृश्चिकः आज दिन 1/37 बजे तक कठिनाइयाँ प्रभावी, स्वास्थ्य में व्यतिक्रम, विवाद की आशंका, हानि भी, शेष समय भाग्य के पक्ष में, प्रेम संबंधों में मधुरता, हर्ष भी.

धनुः आज दिन 1/37 बजे तक प्रगति का सुअवसर, निराशा का समापन, नवसम्पर्क उपयोगी, लाभ, शेष समय में ग्रहस्थिति भाग्य के विपरीत, पारिवारिक कलह.

मकरः अभीष्ट सिद्धि हेतु प्रयास, साझेदारी से लिया गया निर्णय हितकर, प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता, मान-सम्मानपरक कृत्य सम्पन्न, उत्साह में वृद्धि, मन प्रसन्न.

कुम्भः परिस्थितियाँ भाग्य के पक्ष में, निजी पुराने विवाद का समापन, मनो-विनोद के अवसर प्राप्त, जिम्मेदारियों को निभाने हेतु अधिक व्यय, आपसी सौहार्द.

मीनः आज दिन 1/37 बजे तक स्वास्थ्य में शिथिलता, दिनचर्या अव्यवस्थित, मित्रों से तनाव, शेष समय में निराशा का समापन, दूसरे की आश्वासनों से राहत.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

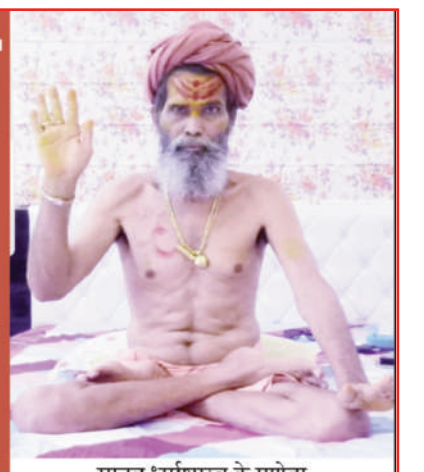

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उच्चारी | पीड़ा प्रसव विगत महतारी ||
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु | मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ||

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई | चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए |

समाचार सुनि ऋषि सब आए | देखि मुख छवि आशीष बरसाए ||
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी | सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ||

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे | सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा |

दो - हुआ न होइब योगी ऐहि सम बाल कपाल असि परी रेख |
नाम कपिल भल होइब इँह कहहिं ऋषि जन नक्षत्र देख ||5||

व्याख्या - ऋषि लोग नक्षत्रों का विचार कर कहने लगे कि इस बालक के समान योगी न तो कोई हुआ है और न होगा | क्योंकि बालक के कपाल पर ऐसी रेखा है | अत: इस बालक का नाम ' कपिल ' अच्छा होगा |

ब्रम्ह चिन्तन करहि दिनु राति | भयउ बड़ कपिल ऐहि भांति ||
मुनि आश्रम भा आनन्द धामा | सुत क्रीड़ा मुदित कर्दम बामा ||

व्याख्या - ब्रम्ह का रात - दिन चिन्तन करते हुए कपिल बड़ा होमे लगा | मुनि कर्दन का आश्रम आनन्द का घर बन गया तथा पुत्र की क्रीड़ा देखकर कर्दम की पत्नी प्रसन्न रहने लगी |

एक देश एक चुनाव की दिशा में बढ़ते कदम

–डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी

किसी भी जीवंत लोकतंत्र में चुनाव एक अनिवार्य प्रक्रिया है. स्वस्थ एवं निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की आधारशिला होते हैं. भारत जैसे विशाल देश में निर्बाध रूप से निष्पक्ष चुनाव कराना हमेशा से एक चुनौती रहा है. अगर हम देश में होने चुनावों पर नजर डालें तो पाते हैं कि हर वर्ष किसी न किसी राज्य में चुनाव होते रहते हैं. चुनावों की इस निरंतरता के कारण देश हमेशा चुनावी मोड में रहता है. इससे न केवल प्रशासनिक और नीतिगत निर्णय प्रभावित होते हैं बल्कि देश के खजाने पर भारी बोझ भी पड़ता है. इस सबसे बचने के लिये नीति निर्माताओं ने लोकसभा तथा राज्यों की विधानसभाओं का चुनाव एक साथ कराने का विचार बनाया. बीते दिनों भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति ने 'एक देश, एक चुनाव' पर अपनी रपट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप दी है. यह रपट व्यापक विमर्श का महादस्तावेज है, लिहाजा यह संदेह करना कि देश में एक ही पार्टी काम करेगी या 2029 के बाद देश में चुनाव ही नहीं होंगे, फिजूल और पूर्वाग्रह है. करीब 7 माह के दौरान 65 बैठकें की गईं, 11 रपटों का अध्ययन किया गया और 21,558 लोगों से बातचीत कर उनकी राय ली गई. उनमें से 80 फीसदी से अधिक लोग 'एक देश, एक चुनाव' के समर्थन में थे. विशालकाय रपट 18,626 पन्नों की है. गौरतलब यह है कि देश के चार पूर्व प्रधान न्यायाधीशों- जस्टिस दीपक मिश्रा, रंजन गोगोई, शरद अरविंद और यूयू ललित- ने 'एक चुनाव' का समर्थन किया है. उच्च न्यायालय के 12 पूर्व मुख्य न्यायाधीशों में से सिर्फ तीन ही विरोध में थे. जाहिर है कि कानून और संविधान के विशेषज्ञों का प्रचंड बहुमत 'एक चुनाव' के पक्ष में है. समिति ने 47 राजनीतिक दलों का पक्ष भी जाना, तो 15 दलों ने विरोध जताया. उनमें कांग्रेस, सीपीएम, बसपा, आप सरीखे राष्ट्रीय दलों समेत तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, सीपीआई, ओवैसी की पार्टी, एमडीएमके, नगा पीपुल्स फ्रंट, सीपीआई (एमएल) और सपा आदि क्षेत्रीय दल भी नई व्यवस्था के खिलाफ हैं. जाहिर है कि वे मौजूदा सत्ता-पक्ष भाजपा-एनडीए के विरोधी हैं, लेकिन क्या 32 राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के समर्थन को खारिज किया जा सकता है? याद रहे कि कांग्रेस ही उस समय देश पर राज कर रही थी, जब 'एक चुनाव' ही होते थे. लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाते थे. यह दीगर है कि तब संसाधन कम चाहिए थे और मतदान मतपत्रों के जरिए होते थे. अब मौजूदा आम चुनाव में ही 10 लाख से अधिक ईवीएम लगाई जाती हैं और 1.5 करोड़ से ज्यादा कर्मचारी चुनाव ड्यूटी देते हैं. सुरक्षा बलों की तैनाती इनसे अलग है. एक देश एक चुनाव कोई अनूठा प्रयोग नहीं है, क्योंकि 1952, 1957, 1962, 1967 में ऐसा हो चुका है, जब लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथ करवाए गए थे. यह क्रम तब टूटा जब 1968-69 में कुछ राज्यों की विधानसभाएँ विभिन्न कारणों से समय से पहले भंग कर दी गई. आपको बता दें कि 1971 में लोकसभा चुनाव भी समय से पहले हो गए थे. जाहिर है जब इस प्रकार चुनाव पहले भी करवाए जा चुके हैं तो अब करवाने में क्या समस्या है. एक तरफ जहां कुछ जानकारों का मानना है कि अब देश की जनसंख्या बहुत ज्यादा बढ़ गई है, लिहाजा एक साथ चुनाव करा पाना संभव नहीं है, तो वहीं दूसरी तरफ कुछ विश्लेषक कहते हैं कि अगर देश की जनसंख्या बढ़ी है तो तकनीक और अन्य संसाधनों का भी विकास हुआ है. इसलिए एक

आजमगढ़ में बीजेपी के लिये सपा की चुनौती से पार पाना आसान नहीं

अजय कुमार

लखनऊः पूर्वांचल का जिला आजमगढ़ अपने 'स्वभाव' के कारण हमेशा सुर्खियों में बना रहता है. आजमगढ़ में कई नामचीन हस्तियों ने जन्म लिया तो एक समय में आजमगढ़ की पहचान आतंकवाद की नर्सरी के रूप में हुआ करती थी ,लेकिन अब तस्वीर काफी बदल चुकी है.यदि नहीं बदला है तो यहां से समाजवादी पार्टी का लगाव. आज भी आजमगढ़ की लोकसभा सीट समाजवादी पार्टी की अजेय सीट मानी जाती है. मोदी लहर के बाद भी 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां से सपा ने जीत का परचम लहराया था. पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव इस सीट से चुनाव लड़ रहे थे. उन्होंने बीजेपी प्रत्याशी और भोजपुरी फिल्मों के अभिनेता दिनेश लाल यादव निरहुआ को 2 लाख 59 हजार मतों के अंतर से हराकर जीत हासिल की है.

बाद में उन्होंने इस सीट से त्यागपत्र दे दिया और इसके बाद हुए उपचुनाव में सपा को हार का सामना करना पड़ा था.बीजेपी के निरहुआ चुनाव जीत थे. आजमगढ़ वह जिला है, जहां से पूर्वांचल की दिशा तय होती है. ऐसे में पार्टी से सैफई परिवार के किसी सदस्य के चुनावी जंग में उतरने के कयास लगाए जा रहे थे. अखिलेश यादव और उनके चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव के नाम पर चर्चा चल रही थी. इस बीच समाजवादी पार्टी ने धर्मेंद्र यादव को प्रत्याशी घोषित कर तस्वीर साफ कर दिया.

गौरतलब हो,मुलायम सिंह यादव की सरकार में वर्ष 2004 में सैफई परिवार के धर्मेंद्र यादव पहली बार मैनपुरी से सांसद चुने गए थे. वर्ष 2007 में समाजवादी पार्टी सरकार से बाहर हो गई और बसपा की सरकार बन गई तो मुलायम सिंह यादव मैनपुरी से चुनावी मैदान में उतर गए थे. इसके बाद धर्मेंद्र यादव को बदायूं भेज दिया गया था. वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में बदायूं लोकसभा सीट से धर्मेंद्र यादव दूसरी बार सांसद चुने गए. वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में भी उन्होंने बदायूं से जीत हासिल की. वर्ष 2019 में यहां से बीजेपी ने स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी डा. संघमित्रा मौर्य को चुनाव मैदान में उतारा और धर्मेंद्र यादव को हार का सामना करना पड़ा. 2014 में मोदी लहर में भी आजमगढ़ सीट पर नेता जी मुलायम सिंह यादव ने जीत दर्ज की. 2019 में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस सीट पर जीत दर्ज कर सपा के किले को बरकरार रखा. विधानसभा चुनाव के बाद अखिलेश यादव ने आजमगढ़ सीट को छोड़ दिया.अखिलेश की छोड़ी गई इस सीट पर सपा ने धर्मेंद्र यादव को 2022 में आजमगढ़ लोकसभा उप चुनाव में उतारा, मगर इस चुनाव में धर्मेंद्र यादव को हार का सामान करना पड़ गया. बीजेपी से दिनेश लाल यादव ने लगभग आठ हजार वोटों से इस सीट पर जीत दर्ज की थी. तब बसपा से गुड्डू जमाली भी इस सीट पर चुनाव मैदान में थे. ऐसा माना जाता है कि गुड्डू जमाली की ओर से मुस्लिम वोटों में जबरदस्त सेंधमारी किए जाने से ही धर्मेंद्र यादव को यहां से हार कर वापस जाना पड़ा. अब इस सीट को मजबूत करने के लिए समाजवादी पार्टी ने बसपा के गुड्डू जमाली को अपने पाले में कर लिया है.

लोकसभा चुनाव में कई चेहरों पर रहेंगी निगाहें

पीएम मोदी, राहुल गांधी, ममता बनर्जी से लेकर दक्षिण भारत तक के नेता शामिल

नई दिल्ली : लोकसभा चुनाव में इस बार पीएम मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए और विपक्षी धड़े इंडिया गठबंधन के बीच मुख्य मुकाबला है. इस चुनाव में पीएम मोदी एक बड़ा और विश्वसनीय चेहरा बने रहेंगे. इसके अलावा भी कई चेहरे हैं जो इस चुनाव में अपना असर डालेंगे. इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, दिल्ली से लेकर पंजाब में अरविंद केजरीवाल के अलावा महाराष्ट्र, ओडिशा से लेकर दक्षिण भारत में कई छत्रप शामिल हैं. जानते हैं कि आखिर कौन हैं ये चेहरे और इस चुनाव में उनका क्या और कैसा असर रह सकता है.

नरेंद्र मोदीः लोकसभा चुनाव में सबसे अधिक चर्चा पीएम मोदी की ही है. बीजेपी और विपक्ष दोनों ही उनके इर्द-गिर्द अपना अभियान चलाते हैं. भाजपा वस्तुतः उनमें ही समाहित हो गई है. विपक्ष उनके प्रति अपनी नापसंदगी से परेशान है. वह जो प्रचार कर रहे हैं - आर्थिक विकास, देश और विदेश में सशक्त राष्ट्रवाद, हिंदुत्व, सांस्कृतिक 'पुनरुत्थान' - न केवल भाजपा के लिए, बल्कि विपक्ष के लिए भी मुख्य कैंपने का विषय हैं. विपक्ष इन मापदंडों पर उनकी आलोचना कर रहा है. अपने प्रशंसकों के लिए, वह जीवन से भी बड़े, परिवर्तनकारी व्यक्ति हैं जो स्थिरता का वादा करते हैं. अपने आलोचकों के लिए, वह एक अत्यंत ध्रुवीकरण करने वाले व्यक्ति हैं. चुनावी पंडितों के लिए वह सबसे पसंदीदा हैं.

राहुल गांधी : बीजेपी के मुख्य प्रतिद्वंद्वी हैं लेकिन उनकी अपनी चुनौतियां हैं. यहां तक कि उन लोगों के लिए भी जो उनके समर्थक हैं, उनका वादा अधूरा है. उनका कांग्रेस का वास्तविक बॉस होना और यह दावा करना कि वैधानिक जिम्मेदारियां दूसरों की हैं, काम नहीं आया. लंबे समय तक अलगाव की स्थिति के बीच उनकी सक्रियता का कोई परिणाम नहीं निकला. उदाहरण के लिए, 'बड़े व्यवसाय' के विरुद्ध उनकी कुछ अलंकारिक बातें असंबद्ध लगती हैं. और वह ऐसा चीज नहीं है जो विपक्ष को एकजुट रख सके. वह मुस्लिम वोटों पर भरोसा कर सकते हैं लेकिन यह उनके लिए कठिन है.

ममता बनर्जीः ममता को 2019 में तब झटका लगा, जब बीजेपी ने बंगाल में 18 लोकसभा सीटें छीन लीं. 2022 में विधानसभा चुनावों में भारी जीत के साथ उन्हें अपनी वापसी मिल गई. बंगाल की राजनीति, हमेशा की तरह, अशांतिपूर्ण, उग्र और हिंसा से ग्रस्त है. वह 2024 में 2019 की पुनरावृत्ति बर्दाश्त नहीं कर सकतीं, क्योंकि इससे उनकी राजनीतिक स्थिति पर असर पड़ेगा. बीजेपी को उम्मीद है कि संदेशखाली की में टीएमसी की ज्यादती और पीएम की अपील से उन्हें मदद मिलेगी. लेकिन, अभी जो स्थिति है, उसमें उन्हें बढ़त हासिल है, और सिर्फ इसलिए नहीं कि बंगाल के मुसलमान, यानी मतदाताओं का एक तिहाई, मजबूती से उनके पीछे हैं. सवाल यह है कि क्या लोकसभा चुनाव में दीदी का भी मोदी जैसा ही दबदबा होगा?

नवीन पटनायकः नवीन पटनायक 2000 से मुख्यमंत्री हैं, वह अभी भी राजनीतिक रूप से सबसे मजबूत राज्य क्षत्रप हैं. यदि भाजपा के साथ बातचीत अंततः सफल होती है, तो ओडिशा लोकसभा और विधानसभा चुनावों में एनडीए के पास जाने की संभावना है. लेकिन अगर बातचीत विफल हो जाती है और बीजेपी ओडिशा में बीजेडी की मुख्य प्रतिद्वंद्वी बन जाती है, तो भी वह स्पष्ट रूप से पसंदीदा होंगे. उनके लिए परेशानी भरा सवाल यह नहीं है कि चुनाव में क्या होगा, बल्कि यह है कि उनके बाद कौन? क्या सहयोगी वीके पांडियन के राजनीति में प्रवेश से समस्या हल हो गई है? अगर बीजू बाबू का बेटा एक और आश्चर्य पैदा कर दे तो आश्चर्यचकित न हों. वह इसमें बहुत माहिर है.

एमके स्टालिन : स्टालिन शायद इन चुनावों में भाग लेने वाले सबसे आत्मविश्वासी नेताओं में से एक हैं. तमिलनाडु में उनकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी अन्नाद्रमुक बुरी स्थिति में है. ऐसे भी संकेत हैं कि अन्नाद्रमुक के महासचिव ईपीएस अगले विधानसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित करना पसंद कर सकते हैं. बीजेपी कड़ी मेहनत कर रही है. पीएम और शाह दोनों कई बार तमिलनाडु का दौरा कर चुके हैं. लेकिन कुछ निर्वाचन क्षेत्रों के अलावा, यह कोई खिलाड़ी नहीं है. द्रमुक के सुप्रीमो इसे चतुराई से खेल रहे हैं. वह कांग्रेस के प्रति उदार थे और अधिकांश कार्ड उनके पास होने पर भी सीट-बंटवारे में उन्होंने साथ छोड़ दिया. वह राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रमुख भाजपा विरोधी व्यक्ति होंगे.

जगन रेड्डीः जगन ने आंध्र के विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत से जीत हासिल की थी. साथ ही राज्य में लोकसभा चुनावों में जीत हासिल की थी. लेकिन वाईएसआर के बेटे, जिन्होंने शासन किया, जैसा कि कुछ स्थानीय टिप्पणीकारों ने कहा, अपने मूल रायलसीमा के अधिपति की तरह, इस बार एक बहुत ही कठिन चुनौती का सामना कर रहे हैं. पवन कल्याण की जन सेना पार्टी के साथ गठबंधन में 2019 के चुनावी अपमान का बदला लेने के लिए जगन को सत्ता विरोधी लहर और दृढ़ टीडीपी का सामना करना पड़ रहा है. फिर, बीजेपी भी है. नायडू-बीजेपी के बीच आपसी समझ ऐसी चीज नहीं है जिसे जगन खारिज कर सकें. विधानसभा में उनकी वर्तमान संख्या को तो छोड़ ही दें.

अरविंद केजरीवालः अरविंद केजरीवाल की लोकसभा में आम आदमी पार्टी की सीटें 2019 से बेहतर होने की संभावना है. इसके लिए मुख्य रूप से पंजाब को धन्यवाद, जहां उनकी पार्टी ने खुद को मजबूत किया है. कहीं और से, खासकर दिल्ली से सीटें, आप के लिए बोनस और बूस्टर होंगी, जो बीजेपी के साथ बढ़ते टकराव में फंसी हुई है. उनकी सफलताएं कुछ हद तक कांग्रेस की कीमत पर हो सकती हैं, जिससे उन्हें खुद को बीजेपी विरोधी गुट में स्थापित करने में मदद मिल सकती है.

अखिलेश यादव और तेजस्वी यादवः अखिलेश और तेजस्वी दोनों मुस्लिम यादव मतदाताओं के प्रति निष्ठा रखते हैं, जो यूपी और बिहार जैसे बड़े राज्यों में कम से कम एक तिहाई मतदाता हैं. लोकसभा में इन राज्यों के महत्व को देखते हुए, यह उनकी विरासत के दोनों उत्तराधिकारियों को भाजपा/एनडीए का दुर्जेय प्रतिद्वंद्वी बनाता है. उनकी आम समस्या अन्य समूहों पर जीत हासिल करने में उनका खराब रिकॉर्ड है. यूपी में कांग्रेस-सपा गठबंधन से कोई फर्क पड़ेगा या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है. हालांकि, जेडीयू के बाहर जाने से राजद कुछ हद तक लड़खड़ा जाएगी. फिर, दोनों राज्यों में राम मंदिर फैक्टर भी है. दोनों में से, लालू के बेटे बेहतर स्थिति में दिख रहे हैं क्योंकि बिहार में एमवाई का वोट यूपी की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण है.

उद्धव ठाकरे और शरद पवारः कमजोर पार्टियों वाले दो क्षत्रप, वे और कांग्रेस, महाराष्ट्र में महत्वपूर्ण नुकसान से बचने के लिए भाजपा के दृढ़ संकल्प के रास्ते में खड़े हैं. बालासाहेब के बेटे को आंशिक रूप से सामान्य शिवसैनिकों की सहानुभूति पर भरोसा है जो अभी भी वरिष्ठ ठाकरे की कसम खाते हैं. लेकिन उन्हें, खासकर मुंबई के बाहर, उन पर हिंदुत्व के साथ 'विश्वासघात' का आरोप लगाने वाले अभियानों को बेअसर करना होगा. इससे भी अधिक, राम मंदिर अब एक वास्तविकता है. चतुर मराठा के लिए, उनके परिवार और एनसीपी में विभाजन बहुत बड़े आघात के रूप में आया. इस बार कांग्रेस को जितनी जरूरत पवार को उनकी है, उससे कहीं ज्यादा जरूरत उन्हें कांग्रेस और उसके मुस्लिम वोटों की होगी.

बिहार में पिछला लोकसभा चुनाव परिणाम दोहरा पाएगा एनडीए?

पटना: बिहार में पांच वर्ष पहले विपक्ष को करारी शिकस्त देने वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन इस लोकसभा चुनाव में सभी 40 सीट पर जीत हासिल करने की उम्मीद कर रहा है. हालांकि इनमें से लगभग एक-चौथाई सीट ऐसी हैं, जो राजग के लिए चिंता का सबब बन सकती हैं. लोकसभा चुनाव 2019 में 'मोदी की सुनामी' में भाजपा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और दिवंगत राम विलास पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) को संयुक्त रूप से 39 सीट पर जीत मिली थी. राज्य में राजग का मत प्रतिशत 53 से अधिक था, जो विपक्षी 'महागठबंधन' को मिले मतों से लगभग 20 प्रतिशत ज्यादा था.

हालांकि राजग को मिली प्रचंड जीत के बीच कुछ सीट ऐसी थीं, जहां भाजपा को इस बार परेशानी हो सकती है. पिछले लोकसभा चुनाव में बिहार की कम से कम छह सीट पर जीत का अंतर एक लाख मतों से कम था और इनमें से चार सीट गंगा के दक्षिणी क्षेत्र में हैं. इनमें से एक लोकसभा सीट जहानाबाद है, जहां जद (यू) के चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी जीत हासिल करने में कामयाब रहे थे, लेकिन जीत का अंतर मात्र 1,751 मतों का था. जहानाबाद सीट पर उपविजेता रहे राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता सुरेंद्र प्रसाद यादव ने पूर्व में इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था. इस बार राजद ने एक समय अपनी कट्टर प्रतिद्वंद्वी रही भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के साथ गठबंधन किया है. दोनों दलों ने विधानसभा चुनावों में जहानाबाद और आसपास के क्षेत्रों में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था. यह क्षेत्र कुछ दशक पहले तक धुर-वामपंथी कार्यकर्ताओं और जमींदारों की निजी सेना के बीच खूनी संघर्ष के लिए सुर्खियों में रहता था.

विधानसभा चुनाव 2020 में राजद-भाकपा (माले) गठबंधन ने जहानाबाद लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली सभी सीट पर जीत हासिल की थी. लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राजग और 'महागठबंधन' दोनों ही माथापच्ची में जुटे हैं और यह तय करने की कोशिश कर रहे हैं कि इस बार किस पार्टी को यह सीट दी जाए और किसे उम्मीदवार बनाया जाए. इस बार पटना साहिब से सटे पाटलिपुत्र में भी कड़ा मुकाबला देखे जाने की उम्मीद है हालांकि ज्यादातर शहरी आबादी भाजपा समर्थक मानी जाती है.

विधानसभा चुनावों में औरंगाबाद और काराकाट लोकसभा क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाली सीट पर भी 'महागठबंधन' ने एकतरफा जीत हासिल की थी. राजग 2009 से इन दोनों लोकसभा सीट पर जीत दर्ज करती आ रही है. लोकसभा चुनाव 2019 में दक्षिण बिहार की दो अन्य सीट, जिन पर भाजपा ने आसान जीत दर्ज की थी उनमें आरा और सासाराम क्षेत्र शामिल हैं लेकिन 2020 विधानसभा चुनाव में महागठबंधन मतदाताओं को प्रभावित करने में सफल रहा था. आरा से मौजूदा सांसद केंद्रीय मंत्री आर के सिंह हैं. सासाराम (सुरक्षित) निर्वाचन क्षेत्र को कभी पूर्व उप-प्रधानमंत्री जगजीवन राम का गढ़ माना जाता था.

राजग को गंगा के उत्तरी क्षेत्र में किशनगंज लोकसभा सीट पर अतिरिक्त प्रयासों की आवश्यकता हो सकती है. 2019 के लोकसभा चुनाव में राजग गठबंधन को इसी सीट पर हार का सामना करना पड़ा था. राजग को कटिहार, छपरा, सीवान और महाराजगंज लोकसभा सीट पर भी कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, जहां विधानसभा चुनावों में गठबंधन ने अच्छा प्रदर्शन किया था.

राजस्थान की वह तीन लोकसभा सीट, जहां हो सकता है मिशन 25 को खतरा!

जयपुर: लोकसभा चुनाव 2024 का बिगुल चुनाव आयोग ने बजा दिया है. पूरे देश में 7 चरणों में 543 लोकसभा सीटों पर चुनाव संपन्न कराए जाएंगे. चुनाव आयोग द्वारा तारीखों के ऐलान के साथ ही जहां पूरे देश में आचार संहिता लागू हो गया है. वहीं, राजनीतिक दल चुनावी अखाड़े में उतरने लगे हैं. राजस्थान में 25 लोकसभा सीटों पर 2 चरणों में संपन्न कराए जाएंगे. जिसमें पहले 19 अप्रैल को 12 सीटों पर और 26 अप्रैल को 13 सीटों पर मतदान कराए जाएंगे. राजस्थान में 25 सीटों पर बीजेपी जीत का दावा कर रही है. वहीं, कांग्रेस इस बार लोकसभा चुनाव में जीत का खाता खोलने की उम्मीद के साथ उतरने वाली है. इसके लिए रणनीति भी तैयार की जा रही है.

बीजेपी ने अब तक राजस्थान के 15 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर दिये हैं. वहीं, कांग्रेस की ओर से 10 सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान किया गया है. यानी बीजेपी 10 सीटों पर और कांग्रेस 15 सीटों पर अभी उम्मीदवारों का ऐलान करेगी. दोनों ने जितने उम्मीदवारों का ऐलान किया है उनमें ज्यादातर सीट दूसरे फेज की सीटें हैं. राजस्थान में मुकाबला 25 सीटों पर बीजेपी कांग्रेस के लिए अहम होगा. लेकिन हम आपको राजस्थान की उन तीन सीटों के बारे में बताते हैं जहां असल मुकाबला देखा जा सकेगा.

जोधपुर लोकसभा सीटः जोधपुर लोकसभा सीट राजस्थान की सबसे बड़ी सीटों में से एक हैं. इस सीट से बीजेपी ने गजेंद्र सिंह शेखावत को मैदान में उतारा है. जबकि कांग्रेस ने करण सिंह उजियारड़ा को टिकट दिया है. हालांकि, गजेंद्र सिंह इस सीट पर लगातार 2014 से चुनाव जीतते आ रहे हैं. लेकिन राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस बार स्थिति कुछ उलट है. क्यों कि गजेंद्र सिंह को टिकट देने के बाद यहां स्थानीय बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उनका विरोध शुरू कर दिया था. हालांकि, इसे लेकर बाद में डैमेज कंट्रोल किया गया. क्योंकि विरोध करने वाले कार्यकर्ता बाबू सिंह राठौड़ से जुड़े थे. लेकिन बाद में दोनों के बीच सुलह हुई. लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं है कि सियासत की बिसात पर कब किसे शिकस्त दे जाए. क्योंकि बीजेपी को विधानसभा चुनाव में भी खामियाजा भुगतना पड़ा था.

दूसरी ओर कांग्रेस प्रत्याशी करण सिंह उजियारड़ा जोधपुर के स्थानीय नेता हैं. ऐसे में यहां स्थानीय और बाहर के नेता का मुद्दा उठ सकता है. करण सिंह जब उम्मदीवार घोषित किये गए और जब उनकी जोधपुर में एंट्री हुई तो जनता और कार्यकर्ता ने उनका भव्य स्वागत किया. ऐसे में गजेंद्र सिंह शेखावत की नई परिस्थिति के साथ करण सिंह को फायदा मिल सकता है. यानी जोधपुर सीट पर मुकाबला कांटेदार होगा.

चूरू लोकसभा सीटः चूरू लोकसभा सीट वैसे तो बीजेपी का गढ़ रहा है क्योंकि यहां 1999 से यहां बीजेपी जीतते आ रही है. लेकिन इस बार सियासत पूरी उलट हो चुकी है. चूरू सीट पर कस्वां परिवार का दबदबा है और इस परिवार के दबदबे की वजह से बीजेपी जीतते आ रही है. 1999 से 2009 तक राम सिंह कस्वां जीत रहे थे. इसके बाद 2014 और 2019 में राम सिंह कस्वां के बेटे राहुल कस्वां ने जीत दर्ज की. लेकिन इस बार बीजेपी ने यहां से पैरालंपिक खिलाड़ी दवेंद्र झाझरिया को टिकट दिया है. ऐसे में राहुल कस्वां ने बगावत की और कांग्रेस में जा मिले. यानी अब कस्वां परिवार कांग्रेस के साथ है.

लगातार पांच चुनाव में कस्वां परिवार जिस तरह से जीत रहा है. उससे साफ है कि राहुल कस्वां यहां से जीत सुनिश्चित कर सकते हैं. लेकिन दवेंद्र झाझरिया को पीएम मोदी का सपोर्ट मिलेगा. माना जा रहा है कि पीएम मोदी खुद चूरू में दवेंद्र के लिए वोट मांगने आ सकते हैं. ऐसे में देवेंद्र झाझरिया को मोदी लहर हारने से बचा सकती है. यानी इस सीट पर मुकाबला कांटे का होने वाला है.

बीकानेर लोकसभा सीटः इस बार बीकानेर लोकसभा सीट पर जबरदस्त मुकाबला दिख सकता है. क्योंकि इस सीट पर इस बार दो मेघवाल के बीच टक्कर होगी. बीजेपी ने यहां से अर्जुन राम मेघवाल को फिर से उम्मीदवार घोषित किया है. जबकि कांग्रेस ने गोविंद राम मेघवाल पर दांव खेला है. हालांकि बीकानेर सीट पर बीजेपी का दबदब 2004 से ही जबकि 2009 से अर्जुन राम मेघवाल इस सीट पर जीत दर्ज करते आ रहे हैं. भले ही अर्जुन राम मेघवाल का इस सीट पर दबदबा है लेकिन उनके सामने गोविंद राम मेघवाल की चुनौती होगी ऐसा माना जा रहा है. क्योंकि गोविंद राम बीकानेर से काफी अनुभवी नेता है. वह नोखा और खाजूवाला विधानसभा सीट से विधायक भी रह चुके हैं. ऐसे में उनकी स्थानीय राजनीति में काफी पकड़ है. वहीं, बीकानेर में ब्राह्मण और अनुसूचित जाति के सबसे ज्यादा वोटर हैं तो दोनों के बीच कांटे की टक्कर हो सकती है.

लोकसभा चुनाव : कोडरमा संसदीय सीट पर भाजपा का पलड़ा भारी

रांची (झारखंड): राज्य की कोडरमा लोकसभा सीट पर कांग्रेस कभी भी मजबूत नहीं रही है. यह भाजपा की पारंपरिक सीट मानी जाती है. भाजपा ने यहां हुए 13 लोकसभा चुनावों में छह बार जीत दर्ज की है जबकि कांग्रेस दो बार. इस लोकसभा क्षेत्र में कोडरमा विधानसभा क्षेत्र के अलावा हजारीबाग जिले का बरकट्ठा, गिरिडीह का धनवार, बगोदर, जमुआ और गांडेय विधानसभा क्षेत्र आते हैं. इस संसदीय क्षेत्र को अभ्रक के लिए जाना जाता है. साथ ही बिहार के बॉर्डर पर होने के कारण इसे झारखंड का प्रवेश द्वार भी कहा जाता है. यहां से फिलहाल अन्नपूर्णा देवी सांसद हैं और केंद्र में मंत्री भी हैं.

कोडरमा लोकसभा सीट का गठन 1977 में हुआ था. 1977 में हुए पहले लोकसभा चुनाव में भारतीय लोकदल के रीतलाल प्रसाद वर्मा कोडरमा लोकसभा सीट से जीते थे और उन्हें कुल 64.8 प्रतिशत वोट मिले थे जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के चपलेंदु भट्टाचार्य को 20.4 फीसदी वोट मिले. 1980 के लोकसभा चुनाव में जनता पार्टी के रीतलाल प्रसाद वर्मा जीते और उन्हें 39.5 प्रतिशत वोट मिले जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के जावेद वारसी को 31.3 प्रतिशत वोट मिले. 1984 के लोकसभा चुनाव में तिलकधारी सिंह ने इस सीट से जीत हासिल की थी. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के तिलकधारी सिंह को 57 प्रतिशत वोट मिले जबकि भारतीय जनता पार्टी से चुनाव लड़े रीतलाल प्रसाद वर्मा को 26.6 प्रतिशत वोट मिले.

1989 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के रीतलाल प्रसाद वर्मा फिर से इस सीट से जीते, उन्हें कुल 44.5 प्रतिशत वोट मिले जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 25.8 प्रतिशत वोट और झारखंड मुक्ति मोर्चा को 20.3 प्रतिशत वोट मिले. 1991 के लोकसभा चुनाव में जनता दल ने यहां से जीत हासिल की और उनके उम्मीदवार मुमताज अंसारी को 32.6 फीसदी वोट मिले. भाजपा के रीतलाल प्रसाद वर्मा को 29.7 फीसदी वोट मिले जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के तिलकधारी प्रसाद सिंह को 25.7 फीसदी वोट मिले.

1996 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के रीतलाल प्रसाद वर्मा एक बार फिर यहां से जीते. उन्हें 38.7 प्रतिशत वोट मिले जबकि जनता दल के रमेश प्रसाद यादव को 31.2 प्रतिशत. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उमेश चंद्र अग्रवाल को 11 प्रतिशत और झारखंड मुक्ति मोर्चा के सालखन सोरेन को 7.5 प्रतिशत वोट मिले. 1998 के लोकसभा चुनाव में यह सीट एक बार फिर भाजपा के खाते में गई और रीतलाल प्रसाद वर्मा 41.2 फीसदी वोट के साथ विजयी रहे.

दूसरे स्थान पर रहे राष्ट्रीय जनता दल के आबिद हुसैन को 26.8 फीसदी वोट मिले जबकि इंडियन नेशनल कांग्रेस के तिलकधारी प्रसाद सिंह को 18 फीसदी वोट मिले. 1999 के लोकसभा चुनाव में यह सीट भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने जीती थी. इसमें तिलकधारी प्रसाद सिंह को 45.4 फीसदी वोट मिले थे जबकि भाजपा के रीतलाल प्रसाद वर्मा को 43.8 फीसदी वोट मिले थे.

झारखंड विभाजन के बाद 2004 में हुए पहले लोकसभा चुनाव में यहां से भाजपा के उम्मीदवार बाबूलाल मरांडी ने जीत हासिल की. 2004 में कोडरमा लोकसभा सीट ही एकमात्र ऐसी सीट थी, जहां भाजपा विजयी रही थी. दूसरे स्थान पर झारखंड मुक्ति मोर्चा की चंपा वर्मा रहीं थी.

2009 के लोकसभा चुनाव में भाजपा से अलग होकर अपनी पार्टी बनाने वाले बाबूलाल मरांडी एक बार फिर कोडरमा लोकसभा सीट से विजयी हुए. झारखंड विकास मोर्चा प्रजातांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को 25.6 फीसदी वोट मिले जबकि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी लिबरेशन को 19.3 फीसदी वोट, भाजपा को 14.8 फीसदी वोट और राष्ट्रीय जनता दल को 14.2 फीसदी वोट मिले.

2014 के लोकसभा चुनाव में इस सीट पर भी मोदी लहर का असर दिखा और भाजपा को जीत मिली. भाजपा उम्मीदवार रवींद्र कुमार राय ने कोडरमा लोकसभा सीट से जीत हासिल की. उन्हें कुल 35.7 फीसदी वोट मिले. जबकि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी लिबरेशन दूसरे स्थान पर थी, वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रजातांत्रिक तीसरे स्थान पर थी.

2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने अपना उम्मीदवार बदल दिया और कभी राष्ट्रीय जनता दल की कद्दावर नेता रहीं अन्नपूर्णा देवी को भाजपा ने अपने टिकट पर मैदान में उतारा. यह फैसला भाजपा के लिए सही साबित हुए. भाजपा की अन्नपूर्णा देवी 62.3 फीसदी वोट के साथ विजयी रहीं जबकि 2004 में भारतीय जनता पार्टी को पहली जीत दिलाने वाले और झारखंड के पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, जिन्होंने अपनी पार्टी झारखंड विकास मोर्चा प्रजातांत्रिक से चुनाव लड़ा था, उन्हें सिर्फ 24.6 फीसदी वोट मिले.

इस बार राजनीतिक परिवर्तन बड़ा रूप ले चुका है. 2019 में अन्नपूर्णा देवी ने भाजपा से जबकि बाबूलाल मरांडी ने झारखंड विकास मोर्चा से चुनाव लड़ा था. अन्नपूर्णा देवी को 62.3 फीसदी और बाबूलाल मरांडी को 24.6 फीसदी वोट मिले. अब जब बाबूलाल मरांडी भाजपा का हिस्सा बन गए हैं और अन्नपूर्णा देवी भी मोदी सरकार में मंत्री हैं. ऐसे में माना जा रहा है कि कोडरमा सीट भाजपा के लिए काफी सुरक्षित है.

न्यूज कॉर्नर

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान

5 मैचों की सीरीज के लिए 27 खिलाड़ियों को स्क्वॉड में मिली जगह

नई दिल्ली: भारतीय हॉकी टीम एक अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी. इस दौरे पर दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की हॉकी टेस्ट सीरीज खेली जाएगी. इस दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है. हरमनप्रीत सिंह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की हॉकी टेस्ट सीरीज में 27 सदस्यीय मजबूत भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे. भारतीय हॉकी टीम के हेड कोच क्रेग फुल्टन ने भुवनेश्वर में अभ्यास कर रहे संभावित खिलाड़ियों के लगभग पूरे कोर समूह के साथ ऑस्ट्रेलिया जाने का विकल्प चुना है. टीम छह अप्रैल को अपना पहला मैच खेलेगा. इसके बाद सात, 10, 12 और 13 अप्रैल को मैच होंगे. सभी मैच पर्थ में खेले जाएंगे. इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक के मद्देनजर हॉकी की सबसे मजबूत टीमों में से एक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह सीरीज टीम की तैयारियों के लिए काफी अहम है. यह दौरा फुल्टन को ओलंपिक के लिए अपनी संभावित 16 सदस्यीय टीम को परखने का मौका देगा. पेरिस ओलंपिक से पहले भारतीय टीम को मई में प्रो लीग के बेल्जियम चरण में खेलना है. ऐसे में खिलाडियों को परखने के लिए कोच और अधिक विकल्प मिलेगा. फुल्टोन ने हॉकी इंडिया से कहा कि यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण दौरा होगा. इससे हम टीम के स्तर का पता लगाने के साथ यह जान पाएंगे कि पेरिस ओलंपिक से पहले हमें किन क्षेत्रों में बेहतर होना हैं. यह खिलाड़ियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है. हमने लगभग पूरे कोर समूह के साथ दौरे पर जाने का फैसला किया है ताकि हर खिलाड़ी को अपनी काबिलियत दिखाने का भरपूर मौका मिल सके. हॉकी इंडिया ने 11 मार्च को पुरुषों के राष्ट्रीय शिविर के लिए 28 संभावित खिलाड़ियों की सूची जारी की थी. इसमें से 27 ऑस्ट्रेलिया जाने वाली टीम में हैं. मिडफील्डर रबीचंद्र सिंह मोइरंगथम इकलौते ऐसे खिलाड़ी है जो संभावितों की सूची में होने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया नहीं जाएंगे. मिडफील्डर हार्दिक सिंह टीम के उपकप्तान बने रहेंगे. टीम में पीआर श्रीजेश, कृष्ण बहादुर पाठक और सूरज करकेरा के रूप में तीन गोलकीपर भी होंगे.

सूर्या के खेलने पर सस्पेंस, कोच के बयान ने बढ़ाई मुंबई इंडियंस के फैंस की धड़कन!

मुंबई: आईपीएल 2024 की शुरुआत 22 मार्च से होने जा रही है. वहीं, मुंबई इंडियंस की टीम अपना पहला मैच 24 मार्च को गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलेगी. इस मैच से पहले मुंबई इंडियंस की टेंशन बढ़ गई है. टीम के विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव इस मैच में खेलेंगे या नहीं ये अभी तक साफ नहीं हो सका है. चोट के कारण उन्होंने इस साल एक भी मैच नहीं खेला है. सूर्यकुमार यादव टखने की सर्जरी के बाद बेंगलुरु की नेशनल क्रिकेट एकेडमी में रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजर रहे हैं, लेकिन आईपीएल के आगामी सीजन में मुंबई इंडियंस के पहले मैच के लिए उनकी उपलब्धता संदिग्ध है. सूर्या आईसीसी टी20 रैंकिंग में पहले नंबर पर काबिज हैं. वह वापसी के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं. लेकिन अभी तक उन्हें आईपीएल में खेलने के लिए क्लीन चिट नहीं मिली है. मुंबई इंडियंस के हेड कोच मार्क बाउचर ने सूर्यकुमार यादव पर बड़ा बयान दिया है. मार्क बाउचर का कहना है कि सूर्यकुमार पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से अपडेट मिलने का इंतजार है. ऐसे में माना जा रहा है कि वह पहले मैच में खेलने से चूक सकते हैं. मार्क बाउचर ने कहा कि हम बीसीसीआई से सूर्यकुमार पर अपडेट का इंतजार कर रहे हैं. हम हमेशा फिटनेस के इशूज़ से घिरे रहे हैं. लेकिन हमारे पास एक वर्ल्ड क्लास मेडिकल टीम है जो इन सभी को संभालती है. हमें अपनी मेडिकल टीम पर भरोसा है कि वे सही काम कर रहे हैं. सूर्यकुमार यादव मुंबई के सबसे अहम बल्लेबाजों में से एक हैं. उनके नाम 60 टी20 मैचों में चार शतक और 171 से अधिक के स्ट्राइक रेट के साथ 2,141 रन है. वहीं, आईपीएल में भी उनका बल्ला जमकर चलता है. उन्होंने आईपीएल में अभी तक 139 मैच खेले हैं. इस दौरान उन्होंने 32.17 की औसत और 1 शतक की मदद से 3249 रन बनाए हैं.

भारत ने पोलिश ग्रां प्री में जीते छह पदक, अखिल, अनीश, नीरज चमके

नई दिल्ली: पेरिस ओलंपिक कोटा विजेता अखिल शेरोन और अनीश भानवाला के साथ-साथ नीरज कुमार ने भी पोलैंड में शानदार प्रदर्शन किया. भारतीय राइफल और पिस्टल निशानेबाजों ने अपने पोलिश ग्रां प्री अभियान को दो स्वर्ण सहित छह पदकों के साथ समाप्त किया. भारत की 50 मीटर राइफल और 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल टीम के कुछ सदस्य पेरिस 2024 की तैयारी के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करने के लिए वर्तमान में यूरोप के एक्सपोज़र टूर पर हैं. अखिल शेरोन ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (3पी) मैच के दूसरे मैच में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता, जब उन्होंने ग्रां प्री व्रोकलाविया और डोलनेगो स्लास्का में चेक गणराज्य के पैट्रिक जेनी को 2.2 से पीछे छोड़ते हुए 468.4 का स्कोर बनाया. हालाँकि, ये दोनों स्कोर जेनी के हमवतन जिरी प्रिवरत्स्की के मौजूदा विश्व रिकॉर्ड 466.1 से अधिक थे. अनीश भानवाला ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फ़ायर पिस्टल में भी स्वर्ण पदक जीता, साथ ही साथ आयोजित जोज़ेफ़ ज़ापेद्ज़की ग्रैंड प्रिक्स में स्वर्णिम प्रदर्शन जारी रखा. नौसेना के निशानेबाज नीरज कुमार ने भी पुरुषों के दोनों 3पी मुकाबलों में दो कांस्य पदक के साथ बेहद प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिससे वह दो पदकों के साथ समापन करने वाले एकमात्र भारतीय बने. नीरज ने दो क्वालिफिकेशन मैचों में 595 और 594 के प्रभावशाली स्कोर बनाए. पहले मैच में वह जेनी और रियो ओलंपिक के रजत पदक विजेता यूक्रेन के सेरही कुलिश के बाद तीसरे स्थान पर रहे. स्वप्निल कुसाले ने भी दूसरे मैच में 595 का ठोस स्कोर बनाकर क्वालीफिकेशन स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया, जो कि नीरज से अधिक सटीक था, लेकिन कुल मिलाकर चौथे स्थान पर रहा. दो ग्रैंड प्रिक्स में एक अन्य पेरिस कोटा विजेता श्रीयंका सदांगी ने महिलाओं की 3पी में कांस्य पदक जीता और आशी चौकसे ने दूसरी महिला 3पी में रजत पदक जीता.

आईपीएल 2024: गुजरात टाइटंस के प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए कप्तान शुभमन गिल

नई दिल्ली: आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 से पहले, गुजरात टाइटंस (जीटी) के कप्तान शुभमन गिल सोमवार को फ्रेंचाइजी के प्रशिक्षण शिविर में पहुंचे. गुजरात स्थित फ्रेंचाइज़ी के आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल ने आईपीएल 2024 से पहले टीम में शामिल होने पर 24 वर्षीय खिलाड़ी के भव्य स्वागत की तस्वीरें साझा कीं. जीटी ने एक्स पर लिखा, घर में आपका स्वागत है कैप्टन गिल! हमारा कप्तान आधिकारिक तौर पर मैदान पर उतर गया है. पिछले साल की उपविजेता गुजरात टाइटंस की टीम 24 मार्च को पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ अहमदाबाद में अपने अभियान की शुरुआत करेगी. गुजरात के साथ दो शानदार सीज़न के बाद स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस में वापस लौट आए हैं. पांड्या इस बार रोहित शर्मा की जगह मुंबई का नेतृत्व करेंगे, जबकि शुभमन गिल ने गुजरात की कप्तानी संभाली है. उसी दिन, राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स जयपुर भी अपने अभियान की शुरुआत करेंगे. आईपीएल 2024 के लिए गुजरात टाइटंस (जीटी) की टीम: अभिनव मनोहर, साई सुदर्शन, दर्शन नालकंडे, डेविड मिलर, जयंत यादव, जोशुआ लिटिल, केन विलियमसन, मैथ्यू वेड, मोहम्मद शमी, मोहित शर्मा, नूर अहमद, आर साई किशोर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, शुबमन गिल विजय शंकर, रिद्धिमान साहा, अजमतुल्लाह उमरजई, उमेश यादव, शाहरुख खान, सुशांत मिश्रा, कार्तिक त्यागी, मानव सुथार, स्पेंसर जॉनसन, रॉबिन मिंज.

अश्विन को नहीं मिल रहे आईपीएल ओपनिंग मैच के टिकट

सोशल मीडिया पर चेन्नई मैनेजमेंट से लगाई गुहार, 22 मार्च को मुकाबला

नई दिल्ली: भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन को खझड 2024 के ओपनिंग मैच के टिकट नहीं मिल रहे हैं. 22 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में सीजन में पहला मैच खेला जाना है. अश्विन खुद राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हैं लेकिन वे अपने बच्चों के लिए ओपनिंग मैच के टिकट खोज रहे हैं. अश्विन ने टिकट के लिए सोशल मीडिया पर उडघ मैनेजमेंट से गुहार लगाई है. अश्विन का परिवार चेन्नई में रहता है. उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि इस मैच के टिकट की बहुत ज्यादा डिमांड है. मेरे बच्चे ओपनिंग सेरेमनी और मैच देखना चाहते हैं. आईपीएल के टिकट सोमवार से ऑनलाइन मिल रहे हैं. पहले मैच का टिकट सोमवार को सुबह 8 बजे से मिलना शुरू हुआ. लेकिन कुछ ही समय में टिकट बिक गए.अश्विन का परिवार भी ऐप से टिकट नहीं खरीद पाया. जिसके बाद अश्विन को उडघ मैनेजमेंट से अनुरोध करना पड़ा. सीएसके को आईपीएल के पहले भाग के घोषित शेड्यूल में चार मैच खेलने हैं. जिनमें दो मैच होम ग्राउंड चेपॉक में खेलने हैं. चेन्नई के न केवल चेपॉक में खेले जाने वाले मैच के ही टिकट बल्कि अन्य जगहों पर उडघ के खेले जाने वाले मैचों के टिकट भी बिक गए हैं.

मुंबई इंडियंस की अगुवाई करेंगे हार्दिक पांड्या

बोले– रोहित शर्मा मेरा मार्गदर्शन करना जारी रखेंगे

मुंबई: मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने सोमवार को कहा कि उनके पूर्ववर्ती रोहित शर्मा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में उनके मार्गदर्शक बने रहेंगे. पिछले दो सत्र में गुजरात टाइटन्स का नेतृत्व करने वाले पांड्या 2024 सत्र में मुंबई इंडियंस की अगुवाई करेंगे. मुंबई इंडियंस ने पांच खिताब दिलाने रोहित को आश्चर्यजनक रूप से कप्तान पद से हटा कर पांड्या को यह जिम्मेदारी सौंपी है. हार्दिक पांड्या ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, इसमें पहले के मुकाबले कुछ अलग नहीं होगा. वह मेरी मदद के लिए हमेशा मौजूद रहेंगे. इस टीम ने अब तक जो भी हासिल किया है वह उनकी कप्तानी में ही मिला है और मुझे बस इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है. वह मेरा समर्थन और मार्गदर्शन करना जारी रखेंगे. रोहित को कप्तानी की जिम्मेदारी से मुक्त किये जाने के बाद प्रशंसकों की तीखी प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हम प्रशंसकों का सम्मान करते हैं. इसके साथ ही हम खेल पर ध्यान केंद्रित करते हैं और जो आवश्यक है उस पर ध्यान देते हैं. मैं उन चीजों पर ध्यान देने की कोशिश करता हूं जो मेरे हाथ में है. प्रशंसकों के पास हर अधिकार है और मैं उनकी राय का सम्मान करता हूं. यह अनुभवी हरफनमौला खिलाड़ी आईपीएल के साथ शीर्ष स्तर की क्रिकेट में वापसी करेगा. वह अक्टूबर में वनडे विश्व कप के दौरान टखने की चोट के कारण लगभग तीन महीने तक खेल से दूर रहे. उन्होंने कहा, मेरे शरीर को लेकर कोई समस्या नहीं है, मैं सभी मैचों को खेलने की योजना बना रहा हूं. आईपीएल में मैंने वैसे भी ज्यादा मैच नहीं गंवाए हैं. मैं तकनीकी रूप से तीन महीने के लिए बाहर था. यह एक अजीब चोट थी और इसका मेरी पहले की चोट के साथ कोई लेना-देना नहीं था. मैं गेंद को रोकने की कोशिश में चोटिल हुआ था. इस 30 साल के खिलाड़ी ने पहली बार बड़े मंच पर कप्तानी का दायित्व मिलने के बाद बड़ी सफलता हासिल करते हुए गुजरात टाइटन्स को चैम्पियन बनवाया. अब मुंबई की फ्रेंचाइजी को उनसे ऐसी उम्मीद होगी. उन्होंने कहा, मुंबई इंडियंस से उम्मीदें हमेशा रहेंगी. हमें प्रक्रिया पर ध्यान देना चाहिए. मैं कल नहीं जीत सकता, हमें दो महीने इंतजार करना होगा और देखना होगा कि हम कैसे तैयारी करते हैं, कैसे एकजुट होते हैं. हम इस तरह से खेलेंगे जिसका लुत्फ हर कोई उठायेगा. हार्दिक पांड्या के साथ इस मौके पर मौजूद टीम के मुख्य कोच मार्क बाउचर से भी रोहित और आगे उनकी भूमिका के बारे में पूछा गया. बाउचर ने कहा, रोहित शानदार फॉर्म में हैं. वह मैदान पर जाकर खुद को अभिव्यक्त करने का इंतजार कर रहे हैं. हमने उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए देखा. वह शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं.

स्विस ओपन बैडमिंटन में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे लक्ष्य सेन और पीवी सिंधु

बासेल (स्विट्जरलैंड): भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन मंगलवार से यहां शुरू होने वाले स्विस ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट में अपनी शानदार लय जारी रखना चाहेंगे तो वहीं अनुभवी पीवी सिंधु की कोशिश एक बार फिर से अपने खेल के शिखर पर पहुंचने की होगी. लक्ष्य ने इस साल की शुरुआत में मलेशिया सुपर 1000 और इंडिया ओपन 750 में पहले दौर में हार के बाद शानदार वापसी की है. इस 22 साल के खिलाड़ी ने फ्रेंच ओपन और ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था. सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी 210,000 डॉलर (लगभग 1.74 करोड़ रुपये) पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत मलेशियाई लियोंग जून हाओ के खिलाफ करेंगे. वह शुरुआती दौर की बाधा पार करने पर 2021 विश्व चैंपियन ली जी जिया से भिड़ सकते हैं. विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत पहले दौर में एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता चीनी ताइपे के वांग त्जु-वेई का मुकाबला करेंगे, जबकि युवा प्रियांशु राजावत हांगकांग के चौथी वरीयता प्राप्त ली चेउक यियू की चुनौती से निपटेंगे. सिंधु ने बायें घुटने की चोट से उबरकर इस महीने की शुरुआत में फ्रेंच ओपन से वापसी की थी, जहां उनका सफर क्वार्टर तक चला था. वह हालांकि इसके बाद ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप के दूसरे दौर से बाहर हो गयी थी. दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का सामना ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप की तरह यहां भी पहले दौर में जर्मनी की वोन्ने लि से होगा. पिछले सप्ताह जर्मनी की इस खिलाड़ी ने चोट लगने के कारण मैच को बीच में छोड़ दिया था.

फुटबॉल मैच के बाद दर्शक और खिलाड़ियों के बीच झड़प, पुलिस ने 12 लोगों को हिरासत में लिया

अंकारा (तुर्किये): तुर्किये में शीर्ष स्तर की घरेलू फुटबॉल में ट्रैब्जोनस्पोर क्लब के प्रशंसकों ने हार के बाद मैदान पर हमला बोल दिया और मेहमान टीम फेनेरबाश के खिलाड़ियों के साथ हिंसक झड़प में उलझ गये. 'तुर्किये सुपरलीग' मैच में रविवार को फेनेरबाश के खिलाड़ियों ने जैसे ही ट्रैब्जोनस्पोर पर 3-2 की जीत का जश्न मनाना शुरू किया, घरेलू टीम के प्रशंसक मैदान पर आ गये. सरकारी अनादोलू एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार फेनेरबाश के खिलाड़ियों और दर्शकों के बीच इसके बाद हिंसक झड़प शुरू हो गयी. इस बीच सुरक्षा कर्मचारियों ने खिलाड़ियों को ड्रेसिंग रूम तक पहुंचाने में मदद की. गृह मंत्री अली येरलिकाया ने सोमवार को 'एक्स', पर लिखा कि पुलिस ने हिंसा के सिलसिले में 12 लोगों को हिरासत में लिया है. येरलिकाया ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों में वह व्यक्ति शामिल है जिसने मैच के दौरान फेनेरबाश के कोच इस्माइल कार्तल पर पत्थर फेंका था. इसमें मैदान पर हमला करने वाला पहला दर्शक और कॉर्नर के झंडे को उखाड़ कर खिलाड़ियों की ओर आक्रामक अंदाज में दौड़ने वाला दर्शक भी शामिल है. उन्होंने कहा, '' फुटबॉल मैदान पर हिंसा बर्दाश्त नहीं की जायेगी.

विराट के साथ बल्लेबाजी करना अविश्वसनीय: आरसीबी कप्तान फाफ डू प्लेसी

बेंगलुरु: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के कप्तान फाफ डू प्लेसी का कहना है कि विराट कोहली अपनी ऊर्जा से टीम के प्रत्येक सदस्य को स्फूर्ति से भर देते हैं जो मैदान पर उनके शानदार प्रदर्शन का राज है. डुप्लेसी मैदान के बाहर भी इस भारतीय सुपरस्टार से काफी प्रभावित हैं क्योंकि दोनों की पसंद मिलती जुलती है. कोहली ने 2021 सत्र के अंत में कप्तानी से हटने का फैसला किया था जिसके बाद फाफ डू प्लेसी को टीम की अगुवाई की जिम्मेदारी सौंपी गयी. उन्होंने कहा कि कोहली के साथ बल्लेबाजी करने का अनुभव अविश्वसनीय होता है. फाफ डू प्लेसी ने 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा, उनके साथ बल्लेबाजी करना अविश्वसनीय है. मैं जिनके साथ बल्लेबाजी करना पसंद करता हूं, वह मेरे पसंदीदा खिलाड़ियों में शामिल है. वह क्रीज पर मुझे काफी ऊर्जा से भर देते हैं. उन्होंने कहा, वह जिस तरह से हमेशा ऊर्जा से भरा रहता है, वह शानदार है. पता नहीं मैदान पर कैच लपकते हुए वह इतनी ऊर्जा कैसे बरकरार रह पाता है. हम दोनों बहुत प्रतिस्पर्धी हैं और सुनिश्चित करते हैं कि हम टीम के लिए अच्छे कैच लपकें. कोहली भले ही अब कप्तान नहीं हों लेकिन उनकी सुझाव और क्षेत्ररक्षण करने वाली इकाई की ऊर्जा को बढ़ाने में उनकी भूमिका के डुप्लेसी मुरीद हैं. दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ने कहा, मुझे लगता है कि वह क्षेत्ररक्षकों का सजाने में मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण रहता है. जहां तक टीम का संबंध है तो वह काफी चीजों में अगुआई करता है लेकिन क्षेत्ररक्षण ऐसा विभाग है जहां वह मैदान में लय तय करता है और ऊर्जा भरता है. मैदान के बाहर भी कोहली से डुप्लेसी काफी प्रभावित होते है, उन्होंने कहा, हम दोनों खाना पसंद करते हैं और हम अपने फैशन पर भी काफी बातें करते हैं. हम जिस तरह के कपड़े पहनते हैं, उसके लिए एक दूसरे को फोटो भेजते हैं. लेकिन घड़ियों के मामले में तो वह शानदार है जिनके लिए वह जुनूनी है.

श्रीलंका से टी20 सीरीज की हार का हिसाब बराबर

बांग्लादेश ने सीरीज पर किया कब्जा

चटगांव: बांग्लादेश ने श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे इंटरनेशनल सीरीज पर 2-1 से कब्जा कर लिया है. दोनों टीमों के बीच इससे पहले तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज खेली गई थी, जिसे श्रीलंका ने 2-1 से जीता था. बांग्लादेश ने टी20 सीरीज में मिली हार का हिसाब बराबर करते हुए वनडे सीरीज पर कब्जा जमाया. सीरीज का आखिरी और निर्णायक मैच चटगांव के जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम मैदान पर खेला गया. बांग्लादेश ने इस मैच में धांसू प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को चारों खाने चित कर दिया. श्रीलंका ने टॉस जीत पहले बैटिंग का फैसला लिया और पूरी टीम 235 रनों पर ही सिमट गई. जवाब में बांग्लादेश ने 40.2 ओवर में छह विकेट गंवाकर 237 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया. रिशद हुसैन ने 18 गेंदों पर नॉटआउट 48 रन बनाए और गेंदबाजी के दौरान 9 ओवर में 51 रन देकर एक विकेट चटकाया. श्रीलंकाई पारी की बात करें तो जनिथ लियानागे ने नॉटआउट 101 रनों की पारी खेली. जनिथ ने 102 गेंदों पर 11 चौके और दो छक्के की मदद से ये रन बनाए. उनके अलावा चरिथ असालंका ने 37 रनों की पारी खेली. बांग्लादेश की ओर से तस्किन अहमद ने तीन, जबकि मुस्तफिजुर रहमान और मेहंदी हसन मिराज ने दो-दो विकेट चटकाए. एक-एक विकेट सौम्य सरकार और रिशद के खाते में गया. 113 रनों तक बांग्लादेश ने चार विकेट गंवा दिए थे और श्रीलंका ने मैच पर शिकंजा कसना शुरू किया था, तंजिद हसन हालांकि श्रीलंकाई गेंदबाजों के सामने काफी देर तक टिके रहे. तंजिद 84 रन बनाकर आउट हुए थे. मुशफिकुर रहीम 37 रन बनाकर नॉटआउट लौटे. तंजिद के आउट होने के बाद मुशफिकुर ने बांग्लादेश को जीत तक पहुंचाने का जिम्मा उठाया. मेहंदी हसन मिराज 25 रन बनाकर आउट हुए और इसके बाद जब रिशद आए, तो उसके बाद तो मैच एकदम से पलट गया. रिशद ने श्रीलंकाई गेंदबाजों की जमकर धुनाई की. वानिंदु हसरंगा ने 40वां ओवर फेंका था, जिसमें रिशद ने कुल 24 रन बटोरे थे. रिशद ने अपनी पारी के दौरान पांच चौके और चार छक्के लगाए. मैन ऑफ द मैच रिशद को चुना गया, जबकि नजमुल हुसैन शंटो मैन ऑफ द सीरीज चुने गए.

सीएसके को लगा झटका, पेसर मुस्तफिजुर रहमान हुआ चोटिल

नई दिल्ली: आईपीएल 2024 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स के लिए एक बुरी खबर आ रही है. बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को चट्टोग्राम में चिलचिलाती धूप में गंभीर ऐंठन के बाद श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान स्ट्रैचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया. चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान क चोट लग गई है. श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान इस तेज गेंदबाज को स्ट्रेजर पर मैदान से बाहर ले जाया गया था. इससे सीएसके की मुश्किलें बढ़ गई हैं, जो आईपीएल 2024 की शुरुआत में चोटिल पथिराना की जगह मुस्तफिजुर पर भरोसा कर रहे थे. बांग्लादेश क्रिकेट ने अभी तक मुस्तफिजुर की चोट पर कोई अपडेट नहीं दिया है. जिनके सोमवार को मैच के बाद सीएसके कैंप के साथ जुड़ने की उम्मीद थी. वह गेंदबाजी करते समय बार-बार अपना पेट पकड़ रहे थे. ऐसे में अभ देखान होगा कि उन्हें किस तरह की चोट लगी है और वे कब तक पूरी तरह ठीक हो पाएंगे.

आईपीएल 2024: लंबे समय बाद क्रिकेट मैदान में नजर आए विराट कोहली, जमकर की प्रैक्टिस

नई दिल्ली: विराट कोहली लंबी छुट्टियों के बाद मैदान पर लौटे हैं. आईपीएल 2024 से पहले वह जमकर आरसीबी कैंप में प्रैक्टिस कर रहे हैं. उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के होम ग्राउंड एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में ग्लेन मैक्सवेल के साथ फुटबॉल खेलते और प्रैक्टिस करते देखा गया. वहीं विराट कोहली सोमवार को बैंगलोर पहुंचे. वह पिछले लंबे समय पारिवारिक कारणों के चलते क्रिकेट से दूर थे. कोहली ने अपना आखिरी क्रिकेट मैच साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था. इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान कोहली लंदन में थे और इसी दौरान उनकी पत्नि अनुष्का शर्मा ने बेटे को जन्म दिया.

आईपीएल में दिखेंगे ऑस्ट्रेलियाई टी-20 विश्व कप टीम के कई खिलाड़ी

लीग के जरिये तैयारी का मिलेगा अच्छा मौका

नई दिल्ली: इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है और कई खिलाड़ियों के लिए, यह कैरेबियन और यूएसए में जून में होने विश्व कप के लिए तैयारी के रूप में काम करेगा. हमेशा की तरह आईपीएल 2024 में ऑस्ट्रेलिया का मजबूत प्रतिनिधित्व है जिसमें कुछ बड़े नाम भी लौट रहे हैं.(ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों में कैमरून ग्रीन (आरसीबी), ग्लेन मैक्सवेल (आरसीबी), मिशेल स्टार्क (केकेआर), नाथन एलिस (पंजाब किंग्स), मिशेल मार्श (दिल्ली कैपिटल्स), डेविड वार्नर (दिल्ली कैपिटल्स), जेक फ्रेजर-मैकगर्क (दिल्ली कैपिटल्स), झाय रिचर्डसन (दिल्ली कैपिटल्स), एडम ज़म्पा (राजस्थान रॉयल्स), टिम डेविड (मुंबई इंडियंस), जेसन बेहरेनडॉर्फ (मुंबई इंडियंस), पैट कमिंस (सनराइजर्स हैदराबाद), ट्रैविस हेड (सनराइजर्स हैदराबाद), मार्कस स्टोइनिस (लखनऊ सुपर जायंट्स), एश्टन टर्नर (लखनऊ सुपर जायंट्स), स्पेंसर जॉनसन (गुजरात टाइटंस), मैथ्यू वेड (गुजरात टाइटंस) शामिल हैं. ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप टीम में आईपीएल खेलने वाले 12 या शायद 13 खिलाड़ियों को जगह मिल गई है. लेकिन राष्ट्रीय चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने ऑन रिकॉर्ड कहा है कि टीम के चयन के अंतिम निर्णय में आईपीएल के प्रदर्शन को शामिल किया जाएगा. कैमरून ग्रीन और स्पेंसर जॉनसन अगले कुछ हफ्तों में सबसे अधिक लाभ के साथ सूची में शीर्ष पर हैं. ग्रीन को जानबूझकर टी20ई खेलने के बजाय न्यूजीलैंड टेस्ट श्रृंखला से पहले लाल गेंद वाले क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति दी गई थी और परिणाम वेलिंगटन में उनकी नाबाद 174 रन की पारी के साथ शानदार रहा था. चयनकर्ताओं की सोच का एक हिस्सा यह था कि उन्हें पता था कि उन्हें अपने टी20 खेल पर काम करने के लिए पूरा आईपीएल खेलना होगा. ग्रीन को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (बशर्ते वह अंतिम एकादश में जगह बना सके) ने मुंबई इंडियंस से ट्रेड किया गया है, उनका हरफनमौला कौशल उन्हें एक बेहतरीन विकल्प बना देगा. इस बीच, यदि ऑस्ट्रेलिया विश्व कप में केवल चार विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों को लेता है, तो जॉनसन वर्तमान में तेज गेंदबाजी क्रम में नाथन एलिस से पीछे हैं. हालाँकि, जॉनसन चयनकर्ताओं को मजबूर करने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि वेस्टइंडीज और संक्षेप में, न्यूजीलैंड के खिलाफ तेज और आक्रामक गेंदबाजी से पहले उन्होंने बीबीएल में शानदार प्रदर्शन किया था. यदि वह गुजरात टाइटन्स के लिए खरे उतरते हैं तो वह एक आकर्षक विकल्प हो सकते हैं. इसी तरह जेसन बेहरेनडॉर्फ, जिन्होंने घरेलू गर्मियों में ऑस्ट्रेलिया के लिए भी प्रदर्शन किया था और उन्हें वर्ष का टी20ई खिलाड़ी नामित किया गया था, अगर मुंबई इंडियंस के लिए उनका टूर्नामेंट अच्छा रहा तो वह फ्रेम में बने रह सकते हैं. मिचेल स्टार्क को आईपीएल खेले काफी समय हो गया है. चोट और टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता देने के संयोजन के माध्यम से, उनकी आखिरी आईपीएल उपस्थिति 2015 में हुई थी जहां वह क्रिस गेल, विराट कोहली और एबी डिविलियर्स जैसे शीर्ष तीन खिलाड़ियों के साथ आरसीबी टीम का हिस्सा थे. स्टार्क का समग्र आईपीएल रिकॉर्ड 20.38 की औसत और 7.16 की इकॉनमी के साथ 34 विकेट है और 2015 सीज़न में, उन्होंने केवल 6.76 की इकॉनमी के साथ 14.55 की औसत से 20 विकेट लिए. इस बार स्टार्क कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ होंगे.

न्यूज कॉर्नर

सुप्रीम कोर्ट से अदाणी पावर को झटका, 1300 करोड़ रुपये से अधिक बकाया की मांग वाली की याचिका खारिज

नई दिल्लीः उच्चतम न्यायालय ने राजस्थान सरकार के स्वामित्व वाली बिजली वितरण कंपनी जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड से 1,300 करोड़ रुपये से अधिक विलंब भुगतान सरचार्ज की मांग करने वाली अदाणी

पावर राजस्थान लिमिटेड की याचिका सोमवार को खारिज कर दी. न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति पीवी संजय कुमार की पीठ ने अदाणी पावर राजस्थान लिमिटेड (एपीआरएल) पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाते हुए फैसला सुनाया कि ऐसे आवेदन दाखिल कर विलंब भुगतान अधिभार (एलपीएस) की मांग करना उचित नहीं है. पीठ ने कहा, इस तरह की राहत (एलपीएस का दावा) ऐसे आवेदन में नहीं मांगी जा सकती है जिसे सुनवाई के दौरान स्पष्टीकरण के आवेदन के रूप में वर्णित किया गया था. न्यायमूर्ति बोस ने फैसले के ऑपरेटिव हिस्से को पढ़ते हुए कहा कि एपीआरएल पर लगाए गए 50,000 रुपये के जुर्माने को सुप्रीम कोर्ट कानूनी सहायता समिति के पास जमा किया जाएगा. फैसले की विस्तृत जानकारी आनी अभी बाकी है. शीर्ष अदालत ने 24 जनवरी को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जेवीवीएनएल) की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने अदाणी पावर की उस याचिका का पुरजोर विरोध किया जिसमें उसने राज्य की बिजली वितरण कंपनी से 1,300 करोड़ रुपये से अधिक का एलपीएस मांगा था. इस मामले में अभिषेक सिंघवी ने अदाणी पावर का प्रतिनिधित्व किया वहीं, वहीं दवे जेवीवीएनएल के लिए उपस्थित हुए.पीठ के समक्ष अदाणी फर्म की याचिका तब खबरों में आई थी जब शीर्ष अदालत ने इसे पोस्ट करने के न्यायिक आदेश के बावजूद अनिर्दिष्ट कारणों से मामले को सूचीबद्ध नहीं करने के लिए अपनी रजिस्ट्री की खिंचाई की थी.

फ्लाई91 एयरलाइन ने 4 शहरों के बीच वाणिज्यिक उड़ानों का परिचालन शुरू किया

पणजी/नई दिल्लीः देश की नई विमानन कंपनी फ्लाई91 ने सोमवार को चार शहरों के बीच उड़ानों के साथ वाणिज्यिक परिचालन शुरू कर दिया है. कंपनी ने गोवा, हैदराबाद, बेंगलुरु, और सिंधुदुर्ग के बीच अपनी उड़ानों की शुरुआत की हैं. फ्लाई91 अप्रैल में अगाती, जलगांव, और पुणे के लिए उड़ानें शुरू करेगी. इसके साथ ही कंपनी ने 1,991 रुपये के विशेष किराये (सभी कर समेत) की पेशकश की है.कंपनी के प्रवक्ता ने यहां जारी एक बयान में कहा कि एयरलाइन की यह उड़ान गोवा के मनोहर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से सुबह 7.55 बजे बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के लिए रवाना हुई. एयरलाइन ने बेंगलुरु से सिंधुदुर्ग के लिए भी अपनी पहली उड़ान का परिचालन किया. एयरलाइन की योजना गोवा और बेंगलुरु के बीच सोमवार, शुक्रवार और शनिवार को उड़ानें संचालित करने की है.फ्लाई91 के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मनोज चाको ने कहा कि कंपनी की वाणिज्यिक उड़ान का शुभारंभ एयरलाइन की भारत को जोड़ने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है. उन्होंने 1,991 रुपये के विशेष किराया (सभी कर समेत) की पेशकश पर कहा कि शुरुआती ऑफर फ्लाई91 के सभी उड़ान क्षेत्रों पर लागू होगा. चाको ने बताया कि एयरलाइन सोमवार, शुक्रवार और शनिवार को गोवा और बेंगलुरु के बीच उड़ानों का परिचालन करेगी. इसी तरह बेंगलुरु और सिंधुदुर्ग के बीच हर हफ्ते इतनी ही उड़ानें संचालित की जाएंगी. इसके अलावा एयरलाइन गोवा और हैदराबाद के बीच और सिंधुदुर्ग और हैदराबाद के बीच भी हफ्ते में दो बार उड़ान भरेगी. दरअसल. फ्लाई 91 का लक्ष्य यात्रियों को लक्षद्वीप और गोवा जैसे लोकप्रिय गंतव्यों से जोड़ना है. यह भारत के दूसरे और तीसरे दर्जे के शहरों से हवाई संपर्क बढ़ाने का प्रयास कर रही है.

भारतीय स्टार्टअप्स को लेकर अच्छी खबर, इस साल 8 से 12 अरब डॉलर की जुटा सकते हैं फंडिंग

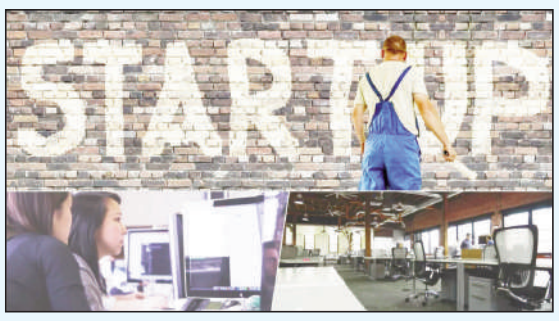

नई दिल्लीः वेंचर कैपिटल फर्म पीक एक्सवी के प्रबंध निदेशक राजन आनंदन ने सोमवार को कहा कि भारतीय स्टार्टअप इस साल 8 से 12 अरब डॉलर जुटा सकते हैं. उन्होंने दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित स्टार्टअप महाकुंभ में कहा कि देश का स्टार्टअप इकोसिस्टम दुनिया में सबसे जीवंत है. आनंदन ने कहा कि लगभग 20 अरब अमेरिकी डॉलर की निजी पूंजी बिना निवेश के पड़ी है और वह भारत में निजी फर्मों और स्टार्टअप में निवेश के लिए कमिटेड हैं. उन्होंने कहा कि साल 2021 से पहले भारतीय स्टार्टअप में निवेश की राशि लगभग 8-10 अरब डॉलर थी, जो 2021 और 2022 में संयुक्त रूप से बढ़कर 60 अरब डॉलर हो गई. आनंदन ने कहा, पिछले साल यह सात अरब डॉलर थी, जिसे लोगों ने कम कहा. यह शून्य भी हो सकती थी, क्योंकि छह साल की फंडिंग दो साल में मिल गयी थी. इस साल हम 8-10 या 12 अरब डॉलर की राह पर हैं. उन्होंने कहा कि भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए हर साल 10 अरब डॉलर या लगभग 80,000 करोड़ रुपये की फंडिंग पर्याप्त है. उन्होंने कहा कि आज भारत में करीब 20 स्टार्टअप हैं, जो शेयर बाजार में लिस्टेड हैं और अगले 7-8 वर्षों में इनकी संख्या बढ़कर 100 तक पहुंचने की उम्मीद है. आयोजकों ने बताया कि इस बार भारत महाकुंभ पिछले किसी भी आयोजन के मुकाबले 100 गुना अधिक बड़ा है. इस कार्यक्रम में दो हजार से अधिक स्टार्टअप, एक हजार से अधिक निवेशक, 300 इनक्यूबेटर, तीन हजार सम्मेलन प्रतिनिधि, 20 से अधिक देश के प्रतिनिधि, सभी भारतीय राज्यों के भावी उद्यमी, 50 से अधिक यूनिकॉर्न और 50 हजार से अधिक व्यवसायी शामिल हो सकते हैं.

उतार-चढ़ाव के बीच बढ़त के साथ बंद हुआ बाजार, दूसरे सत्र में लिवालों का दिखा जोर

निवेशकों ने एक दिन में कमाए 38 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्लीः दिनभर उतार-चढ़ाव के बीच कारोबार करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा. आज के कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी. दिन के पहले सत्र में बाजार में लगातार दबाव बना रहा, लेकिन दूसरे सत्र में खरीदारों ने अपना जोर दिखाया, जिसके कारण लगातार लाल निशान में चल रहा शेयर बाजार रिकवरी कर हरे निशान में पहुंच गया. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.14 प्रतिशत और निफ्टी 0.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए.

आज के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, मेटल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही. इसी तरह इंफ्रास्ट्रक्चर, फार्मास्यूटिकल और रियल्टी इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए. दूसरी ओर, एफएमसीजी और आईटी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा. ब्रॉडर मार्केट में छोटे और मंझोले शेयरों पर भी आज लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ बंद हुआ. दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया.

आज बाजार की तेजी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 40 हजार करोड़ रुपये का इजाफा हो गया. बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 378.87 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया. जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 378.49 लाख करोड़ रुपये था. इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से 38 हजार करोड़ रुपये (अस्थाई) का मुनाफा हो गया.

आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में

4,056 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें 2,008 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,929 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 119 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए. एनएसई में आज 2,248 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें से 1,142 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,106 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए. इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 15 शेयर बढ़त के साथ और 15 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए. जबकि निफ्टी में शामिल शेयरों में से 23 शेयर हरे निशान में और 27 शेयर लाल निशान में बंद हुए.

बीएसई का सेंसेक्स आज 56.13 अंक की कमजोरी के साथ 72,587.30 अंक के स्तर पर खुला. कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में मंदड़ियों ने अपना दबाव बना दिया, जिसकी वजह से ये सूचकांक 329.27 अंक टूट कर 72,314.16 अंक तक गिर गया. लेकिन दोपहर 12 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक में रिकवरी शुरू हो गई. लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक निचले स्तर से 650 अंक से भी अधिक की रिकवरी करके 342.46 अंक की मजबूती के साथ 72,985.89 अंक के स्तर तक पहुंच गया. हालांकि इसके बाद एक बार फिर बिकवाली का दबाव बनने की वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से नीचे लुढ़क गया. पूरे दिन की खरीद-बिक्री के बाद सेंसेक्स 104.99 अंक की बढ़त के साथ 72,748.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ.

सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 33.25 अंक की गिरावट के साथ 21,990.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की.

बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से ये सूचकांक 106.80 अंक लुढ़क कर 21,916.55 अंक तक पहुंच गया. लेकिन दिन के दूसरे सत्र में खरीदारी का सपोर्ट मिलने की वजह से इस सूचकांक ने भी शानदार रिकवरी की. लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 207 अंक से भी अधिक उछल कर 100.35 अंक की तेजी के साथ दिन के सबसे ऊपरी स्तर 22,123.70 अंक तक पहुंच गया. हालांकि इसके बाद मुनाफावसूली की वजह से इस सूचकांक में भी गिरावट आई. दिनभर हुई खरीद- बिक्री के बाद निफ्टी 32.35 अंक की मजबूती के साथ 22,055.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ. पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा स्टील 5.65 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.14 प्रतिशत, जेएसडब्ल्यू स्टील 3.04 प्रतिशत, टाटा मोटर्स 2.81 प्रतिशत और अपोलो हॉस्पिटल 2.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए.

दूसरी ओर, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 2.08 प्रतिशत, इन्फोसिस 1.92 प्रतिशत, यूपीएल 1.92 प्रतिशत, टीसीएस 1.58 प्रतिशत और टाइटन कंपनी 1.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए.

नारायणमूर्ति ने पोते रोहन मूर्ति को गिफ्ट किए 240 करोड़ रुपये के शेयर

नई दिल्लीः देश की दूसरी सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इंफोसिस के संस्थापक एन. आर. नारायण मूर्ति ने अपने चार महीने के पोते एकाग्र रोहन मूर्ति को 240 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर उपहार में दिए हैं. अपने पोते को शेयर देने के बाद इंफोसिस में नारायणमूर्ति की हिस्सेदारी अब 0.40 फीसदी से घटकर 0.36 फीसदी रह गई है. उनके पास अब कंपनी के करीब 1.51 करोड़ शेयर रह गए हैं. रेगुलेटरी फाइललिंग में दी गई जानकारी के मुताबिक सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी में एकाग्र रोहन मूर्ति की 15,00,000 शेयर यानी 0.04 फीसदी हिस्सेदारी है. दरअसल, अपने पोते एकाग्र रोहन मूर्ति के 10 नवंबर, 2023 को पैदा होने के बाद इंफोसिस के फाउंडर नारायण मूर्ति ने अपने हिस्से के 240 करोड़ रुपये वैल्यू के शेयर गिफ्ट में दिए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक इस तरह नारायण मूर्ति का पोता संभवत: देश का सबसे छोटा करोड़पति बन गया है. उल्लेखनीय है कि शेयर बाजार में रेगुलेटरी फाइलिंग के मुताबिक शेयरों को यह लेन-देन ऑफ-मार्केट तरीके से किया गया हे. नारायण मूर्ति और सुधा मूर्ति नवंबर में दादा-दादी बने जब उनके बेटे रोहन मूर्ति और पत्नी अपर्णा कृष्णन को एक बेटा हुआ. नारायण मूर्ति और सुधा मूर्ति ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक और अक्षता मूर्ति की दो बेटियों के नाना-नानी भी हैं.

सोना 66140 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंचा, चांदी में 100 रुपये की गिरावट

नई दिल्लीः दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने का भाव 10 रुपये की मामूली गिरावट के साथ 66,140 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया. इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 66,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ. इस दौरान चांदी भी 100 रुपए टूटकर 77,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई. एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, दिल्ली के बाजारों में 24 कैरेट सोने की हाजिर कीमत 10 रुपये की गिरावट के साथ 66,140 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही है. अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कॉमेक्स पर सोने का हाजिर भाव 2,156 डॉलर प्रति औंस हो गया जो पिछले कारोबारी सत्र की क्लोजिंग की तुलना में अपरिवर्तित है. इस दौरान चांदी का भाव भी गिरावट के साथ 25.11 डॉलर प्रति औंस रह गया. इससे पिछले कारोबारी सत्र में यह 25.19 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ था. निरंतर मुनाफा-बुकिंग के कारण सोने की कीमतों में गिरावट आई है क्योंकि निवेशक मंगलवार को बैंक ऑफ जापान और बुधवार को आनेवाले अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसलों का इंतजार कर रहे हैं. ब्लिंकएक्स और जेएम फाइनेंशियल के वीपी ऑफ रिसर्च (कमोडिटी एंड करेंसी) प्रणव मेर ने कहा, केंद्रीय बैंकों की ओर से दरों को अपरिवर्तित रखने की उम्मीद है, लेकिन मौद्रिक नीति पर दृष्टिकोण पर बाजार की बारीक से नजर रहेगी.

क्रिप्टो करेंसी मार्केट में तेजी का रुख, बिटकॉइन 2 प्रतिशत उछला

नई दिल्लीः क्रिप्टो करेंसी मार्केट में आज आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है. मार्केट कैप के लिहाज से टॉप-10 में शामिल क्रिप्टो करेंसीज में से 7 क्रिप्टो करेंसी बढ़त के साथ ग्रीन जोन में कारोबार कर रही हैं, जबकि 3 क्रिप्टो करेंसी गिरावट के साथ रेड जोन में कारोबार करती नजर आ रही हैं. आज के कारोबार में दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन ने रिकवरी का रुख दिखाया है, जिसके कारण ये आभासी मुद्रा आज 68 हजार डॉलर के स्तर को पार करने में सफल रही है.

भारत में क्रिप्टो करेंसी का कारोबार करने के लिए अधिकृत एजेंसी कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक भारतीय समय के हिसाब से आज शाम 6 बजे तक बिटकॉइन 2 प्रतिशत की मजबूती के साथ 68,196.47 डॉलर यानी 56.54 लाख रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था. इसी तरह एथेरियम की कीमत भी आज 0.47 प्रतिशत की तेजी के साथ उछल कर 3,596.52 डॉलर के स्तर पर आ गई थी. बिटकॉइन और एथेरियम के अलावा टेथर 0.01 प्रतिशत, सोलाना 8.39 प्रतिशत, यूएसडी कॉइन 0.01 प्रतिशत, कार्डानो 0.58 प्रतिशत और एवालांचे 14.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे. दूसरी ओर बीएनबी 0.76 प्रतिशत, एक्सआरपी 0.52 प्रतिशत और डोजेकॉइन 0.65 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे. कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी के ग्लोबल मार्केट कैप में 1.74 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है. फिलहाल क्रिप्टो करेंसी का ग्लोबल मार्केट कैप बढ़ कर 2.58 लाख करोड़ डॉलर यानी करीब 213.90 लाख करोड़ रुपये रह गया है. ग्लोबल मार्केट कैप में तेजी आने के बावजूद पिछले 24 घंटे के दौरान क्रिप्टो करेंसीज के लेन-देन में गिरावट आई है. इस अवधि में कुल 12,120 करोड़ डॉलर यानी 10.05 लाख करोड़ रुपये की क्रिप्टो करेंसी की लेन-देन हुई, जो 1 दिन पहले की तुलना में 21.15 प्रतिशत कम है. अगर दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की बात करें तो कीमत में तेजी आने के साथ ही पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी मार्केट में इस आभासी मुद्रा की स्थिति भी 0.08 प्रतिशत मजबूत हुई है, जिसके कारण इसकी मार्केट हिस्सेदारी बढ़ कर 51.90 प्रतिशत हो गई है.

एयर इंडिया एक्सप्रेस की अप्रैल में कोलकाता से कोच्चि और इंफाल के लिए सीधी उड़ानें

नई दिल्लीः टाटा समूह की सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस अप्रैल में कोलकाता से इंफाल और कोच्चि के लिए अपनी सीधी उड़ानें शुरू करेगी. एयरलाइन की ये सभी उड़ानें इंफाल के लिए रोजाना और कोच्चि के लिए हफ़्ते में छह दिन होंगी.

एयरलाइन के एक अधिकारी ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि एयर इंडिया एक्सप्रेस की ये नई उड़ानें इंफाल के लिए रोजाना और कोच्चि के लिए हफ्ते में छह दिन संचालित होंगी. कंपनी के मुताबिक कोलकाता से इंफाल के लिए विमान सुबह सात बजे उड़ान भरेगा और सुबह 8:05 बजे मणिपुर की राजधानी इंफाल पहुंचेगा. उन्होंने कहा कि वापसी की उड़ान सुबह 8:35 बजे रवाना होगी और 10:20 बजे कोलकाता पहुंचेगी.

एयर इंडिया एक्सप्रेस की कोलकाता से कोच्चि के लिए विमान पूर्वाह्न 11:25 बजे उड़ान भरेगा और वापसी की उड़ान अपराह्न 3:05 बजे रवाना होगी. कंपनी ने कहा कि मार्ग एकीकरण के जरिए एयरलाइन कई घरेलू मार्गों पर अधिक उड़ानों का संचालन करेंगी. गौरतलब है कि एयर इंडिया एक्सप्रेस, भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन सेवा है.

आईसीआरए ने वित्त वर्ष 2025 में भारतीय आईटी सर्विस इंडस्ट्री की वृद्धि दर 3-5% रहने का लगाया अनुमान

नई दिल्लीः अमेरिका और यूरोप जैसे प्रमुख बाजारों में अनिश्चितता के कारण भारतीय आईटी इंडस्ट्री की वृद्धि धीमी रहने की उम्मीद है. आईसीआरए द्वारा सोमवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, इंडस्ट्री में वित्त वर्ष 2024 की पहली तीन तिमाहियों में 2 प्रतिशत की मामूली राजस्व वृद्धि होने की उम्मीद है, और यह वित्त वर्ष 2025 में 3-5 प्रतिशत की सीमा में वृद्धि स्थिर रहेगी. यह लगातार दूसरा साल है जब क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने भारतीय आईटी क्षेत्र के लिए 3-5 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है. आईसीआरए के असिस्टेंट वाइस-प्रेसिडेंट और सेक्टर हेड दीपक जोतवानी ने कहा, आईसीआरए (खउठ-) ने अनुमान लगाया है कि वित्त वर्ष 2025 में भारतीय आईटी इंडस्ट्री की वृद्धि धीमी रहेगी. यह लगातार दूसरा साल होगा जब इंडस्ट्री की वृद्धि 3-5 प्रतिशत की सीमा में रहेगी. अमेरिका और यूरोप जैसे प्रमुख बाजारों में आर्थिक अनिश्चितता के कारण आईटी इंडस्ट्री पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा. इन बाजारों में कंपनियां आईटी पर कम खर्च करेंगी.

एजेंसी ने अनुमान लगाया है कि वित्त वर्ष 2025 में भारतीय आईटी इंडस्ट्री का प्रदर्शन अच्छा रहेगा. एजेंसी का अनुमान है कि इस वर्ष इंडस्ट्री का ऑपरेटिंग प्रॉफिट मार्जिन लगभग 21-22 प्रतिशत रहेगा. दीपक जोतवानी ने कहा, हालांकि इसका असर इंडस्ट्री द्वारा सेवा प्रदान करने वाले सभी प्रमुख क्षेत्रों पर व्यापक है, लेकिन बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएसएफआई) और टेलीकॉम क्षेत्रों में अन्य की तुलना में ज्यादा गिरावट आई है. रिपोर्ट में कहा गया है, हाल ही में, अमेरिका में वृद्धि दर में यूरोप की तुलना में तेजी से गिरावट देखी गई है. हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि अमेरिकी कंपनियों को अभी भी नए ऑर्डर मिल रहे हैं. लेकिन इन ऑर्डरों को राजस्व में बदलने की प्रक्रिया धीमी हो गई है. टॉप आईटी सेवा फर्मों ने कुल कॉन्ट्रैक्ट वैल्यू (टीसीवी) में रिकॉर्ड स्तर की वृद्धि दर्ज की है.

पिछले 5 तिमाहियों में आईटी सेवा इंडस्ट्री में नौकरी के मामले में गिरावट देखने को मिली है. इंडस्ट्री में नौकरी छोड़ने वालों की संख्या नौकरी पाने वालों की संख्या से ज्यादा है. आईसीआरए का अनुमान है कि वृद्धि की गति में सुधार होने तक निकट अवधि में नियुक्तियां धीमी रहेंगी. जोतवानी वे कहा, आईसीआरए ने एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें कहा गया है कि जब तक ग्रोथ की गति में सुधार नहीं होता, तब तक निकट भविष्य में नौकरी की नियुक्तियां धीमी रहेंगी.

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नौकरी छोड़ने का स्तर स्थिर रहेगा और यह 12-13 प्रतिशत के दीर्घकालिक औसत के करीब पहुंच जाएगा. क्योंकि ग्रोथ की गति में समग्र मंदी और पिछले वित्तीय वर्ष में ढेर सारी नियुक्तियों ने डिमांड-सप्लाई बेमेल को ठीक कर दिया है. भारतीय आईटी सेवा इंडस्ट्री में मजबूत तरलता और शुद्ध नकदी अधिशेष की स्थिति बनी हुई है. इसका मतलब है कि कंपनियां अपने रोजाना ऑपरेशन से अच्छा पैसा कमा रही हैं और उनके पास अपने ऋण चुकाने और भविष्य में निवेश करने के लिए पर्याप्त नकदी है. रिपोर्ट में कहा गया है, लगातार लाभांश भुगतान, शेयर बायबैक और अकार्बनिक निवेश के बावजूद, इंडस्ट्री के ज्यादांश प्लेयर्स की वित्तीय प्रोफ़ाइल मजबूत रहने की उम्मीद है.

निर्यात 20 माह की ऊंचाई पर, फरवरी में इन 10 देशों को भेजी गई वस्तुएं

नई दिल्लीः भारत का निर्यात फरवरी में 20 माह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया. प्रमुख निर्यात गंतव्यों जैसे अमेरिका, यूएई, सिंगापुर व दक्षिण अफ्रीका को निर्यात बढ़ने के कारण निर्यात में दो अंकों की वृद्धि हुई.

वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद बीते वर्ष दिसंबर से लगातार तीन महीनों तक निर्यात में इजाफा हुआ. हालांकि वर्ष 2023 की ज्यादातर अवधि में वस्तु निर्यात वृद्धि ऋणात्मक दायरे में थी. फिच रेटिंग्स ने बीते सप्ताह वैश्विक वृद्धि के अनुमान को 30 आधार अंक बढ़ाकर 2.4 फीसदी कर दिया है. अल्पावधि में विश्व में वृद्धि के बेहतर रुझान का अनुमान जताया गया है. अमेरिका में वृद्धि के अनुमान को इस कैलेंडर वर्ष में बढ़ाकर 2.1 फीसदी कर दिया गया है जबकि यह पहले 1.2 फीसदी अनुमानित था.

फिच रेटिंग्स ने कहा, वर्ष 2023 में अमेरिकी राजकोषीय घाटे में अभूतपूर्व चक्रीय वृद्धि ने घरेलू मांग को बढ़ावा दिया और जीडीपी वृद्धि को मजूबत ढंग से आगे बढ़ने में मदद की. हालांकि अनुमान यह है कि राजकोषीय प्रभाव इस वर्ष कम हो सकता है और घरेलू आमदनी में वृद्धि कम होगी. वास्तविक रूप में ब्याज दरों की वृद्धि के कारण बीते वर्ष सख्त मौद्रिक नीति का प्रभाव इस वर्ष कम हो रहा है. उम्मीद यह जताई जा रही है कि तिमाही दर तिमाही वृद्धि इस वर्ष के अंत तक वृद्धि पर्याप्त कम हो जाएगी. भारत के लिए निर्यात का सबसे शीर्ष गंतव्य अमेरिका रहा. भारत से अमेरिका को होने वाला निर्यात फरवरी में 22 फीसदी बढ़कर 7.2 अरब डॉलर हो गया. जनवरी में अमेरिका को सर्वाधिक निर्यात किए जाने वाला उत्पाद स्मार्टफोन (53 करोड़ डॉलर) हो गया और इसने पहले स्थान पर रहने वाले पॉलिश्ड हीरे (38 करोड़ डॉलर) का स्थान ले लिया है.

इससे अप्रैल से जनवरी की अवधि के दौरान

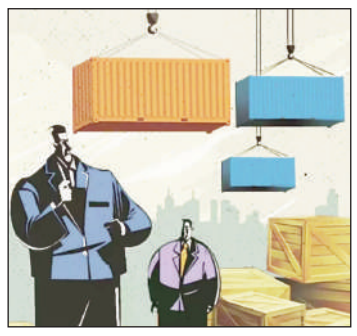

भारत से स्मार्टफोन के निर्यात का शीर्ष गंतव्य यूएई की जगह अमेरिका हो गया. इस अवधि में अमेरिका को कुल 4.1 अरब डॉलर के स्मार्टफोन का निर्यात हुआ जबकि यूएई को 2.2 अरब डॉलर के स्मार्टफोन का निर्यात हुआ. स्मार्टफोन सहित इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का निर्यात फरवरी में 54.8 फीसदी बढ़ गया और इसमें लगातार वृद्धि नजर आ रही है.

फरवरी में यूएई को भेजे जाने वाली निर्यात की खेप 23.1 फीसी बढ़कर 3.5 अरब डॉलर हो गई और यह दूसरे नंबर पर निर्यात का गंतव्य रहा. यूएई को होने वाले निर्यात में गैरजड़ित सोना (31.7 करोड़ डॉलर), स्मार्टफोन (23.7 करोड़ डॉलर) और वाहन के ईंधन (24.3 करोड़ डॉलर) की प्रमुख हिस्सेदारी थी.फरवरी में सिंगापुर को होने वाला निर्यात 51.6 फीसदी बढ़कर 1.85 अरब डॉलर हो गया. अप्रैल - फरवरी की अवधि में भारत के निर्यात का पांचवां सबसे बड़ा गंतव्य सिंगापुर बना हुआ था जबकि यह फरवरी में सुधरकर चौथे स्थान पर आ गया था. आधार कम होने के कारण दक्षिण अफ्रीका का निर्यात दोगुना हो गया. दक्षिण अफ्रीका को 1.16 अरब डॉलर का निर्यात हुआ. अप्रैल-फरवरी की समन्वित अवधि में भारत के निर्यात गंतव्यों में दक्षिण अफ्रीका का स्थान उछलकर 10वां हो गया जबकि बीते साल की इसी अवधि में यह 16वें स्थान पर था. भारत से दक्षिण अफ्रीका को सर्वाधिक निर्यात पेट्रोलियम उत्पादों का हुआ. पहले छह महीनों (अप्रैल-सितंबर) के दौरान पेट्रोलियम उत्पादों का कम निर्यात हुआ था लेकिन अक्टूबर के बाद पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में निरंतर वृद्धि जारी है. भारत से दक्षिण अफ्रीका को होने वाले ऐसे उत्पादों का निर्यात 89 फीसदी बढ़कर 21.9 करोड़ डॉलर हो गया. फरवरी में शीर्ष के अन्य निर्यात गंतव्यों में सऊदी अरब (50 /फीसदी), नीदरलैंड (26.7 फीसदी), ब्रिटेन (31.9 फीसदी), व ग्लादेश (18.1 फीसदी) और चीन (13.3 फीसदी) में निर्यात बढ़ा. इससे इस माह में भारत के निर्यात में दो अंकों की वृद्धि हुई. हालांकि इस अवधि के दौरान हॉन्गकॉन्ग को निर्यात 27.9 फीसदी गिर गया.

प्रथम पृष्ठ का शेषांश

घटना के दोषियों के...

शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है. घटना अवैध निर्माण की वजह से हुई है. इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए. बहरहाल जो भी हो इसके घटना स्थल का दौरा करने के बाद मुख्यमंत्री इस इलाके से निकलकर सीधे पास के एक नर्सिंग होम पहुंची. यहां 7 लोगों का इलाज चल रहा था. मुख्यमंत्री ने घायलों का हालचाल जाना और डॉक्टरों से बात की. सीएम ने मृतक व घायलों के परिजनों इस दुख की घड़ी में साथ रहने का आश्वासन भी दिया. साथ ही सीएम ममता ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि घटना से बारे में जानकर दुख हुआ. रेस्क्यू दल अभी भी घटनास्थल पर मौजूद है और बचाव कार्य जारी है. साथ ही उन्होंने हादसे में घायल और मारे गए लोगों के परिजनों के लिए मुआवजे का एलान किया है. सीएम ने कहा, हम संकटग्रस्त परिवारों के साथ खड़े हैं और बचाव अभियान जारी रहेगा.

बिहार में एनडीए में...

भागलपुर, बांका, मुंगेर, नालंदा, जहानाबाद और सीवान में चुनाव लड़ेगी. लोजपा (रा) वैशाली, हाजीपुर, समस्तीपुर, खगड़िया और जमुई सीटों पर चुनाव लड़ेगी. मांझी की पार्टी गया और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी काराकाट सीट से चुनाव लड़ेगी.

हमलोग 40 के 40 सीट जीतेंगे

सीट बंटवारें की घोषणा से पहले विनोद तावड़े ने कहा कि भले पार्टी के चुनाव चिन्ह अलग हों लेकिन सभी 40 सीट पर एनडीए की सभी पार्टियां पूरा ताकत लगाएगी. हमलोग 40 के 40 सीट पर जीतेंगे. वहीं लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने कहा कि लोजपा (रामविलास) को पांच सीटें मिलीं हैं. मैं प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा समेत सभी दलों को धन्यवाद देता हूं. जदयू के सांसद संजय झा ने कहा कि जदयू को 16 सीटें मिली हैं. 2024 के चुनाव में एनडीए बिहार में 40 के 40 सीट पर जीतेगा.

पशुपति का जिक्र तक नहीं

सीट शेयरिंग के घोषण के वक्त राष्ट्रीय लोकशक्ति पार्टी के प्रमुख पशुपति पारस का जिक्र तक नहीं किया गया. तीन दिन पहले ही दिल्ली में हाजीपुर, समस्तीपुर और नवादा में पशुपति पारस ने अपने उम्मीदवारों का नाम तय किया था. भाजपा ने हाजीपुर और समस्तीपु

न्यूज कॉर्नर

बसपा को झटका, लालगंज सांसद संगीता आजाद भाजपा में शामिल

लखनऊः लोकसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी को तगड़ा झटका लगा है. आजमगढ़ जनपद से सटी लालगंज लोकसभा सीट से सांसद संगीता आजाद सोमवार को बसपा छोड़कर भाजपा में शामिल हो गईं. भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े ने नई दिल्ली स्थित भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी व उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की मौजूदगी में संगीता आजाद को भाजपा में शामिल कराया. इस दौरान सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता सीमा आजाद ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने भाजपा परिवार में सांसद संगीता आजाद का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलने वाली जनकल्याणकारी योजनाओं से विकसित भारत निर्माण का संकल्प पूर्ण हो रहा है. श्री चौधरी ने कहा कि हमारी विचारधारा व पार्टी से जुड़कर अबकी बार 400 पार के संकल्प को पूर्ण करने में सहभागी बनें और सेवा सुशासन एवं गरीब कल्याण के मार्ग पर मिलकर आगे बढ़ें.

एटीएस ने दो युवकों को पकड़ा, कार से एक करोड़ की अफीम बरामद

बस्तीः उत्तर प्रदेश की एटीएस गोरखपुर इकाई, एसओजी और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने सोमवार को दो युवकों को पकड़ा है. तलाशी के दौरान कार से आठ किलो 290 ग्राम अफीम बरामद किया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब एक करोड़ रुपये है. आदर्श आचार संहिता के अनुपालन में कम्पनी बाग चौराहे पर पुलिस मुस्तैद थी. एटीएस से सूचना मिली कि एक कार (बीआर एजे 6301) गोरखपुर होते हुए लखनऊ की ओर जा रही थी. इसमें मादक पदार्थ ले जाया जा रहा है, जिसका पीछा करते हुए आ रहे हैं. इसके बाद पुलिस और एसओजी की टीम ने बड़ेवन सर्विस मोड़ से टोल प्लाजा के बीच घेराबंदी कर कार को रोक लिया. कार में बैठे दोनों अभियुक्त गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कुल 08 किलो 290 ग्राम अवैध अफीम बरामद किया है. गिरफ्तार अभियुक्तों की बिहार राज्य का रहने वाला मुकेश कुमार कुशवाहा और दीपेंद्र प्रसाद ने अपना जुर्म स्वीकारा. उन्होंने बताया कि नेपाल के भिश्वा मार्केट से मादक पदार्थों को खरीद कर लखनऊ तथा आसपास की जगहों पर बेचने का काम करते हैं. पुलिस ने माल को जब्त करते हुए अभियुक्तों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है.

सोशल मीडिया पर हथियार लहराने के मामले में युवक गिरफ्तार

भागलपुरः जिले के अकबरनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत छीट मकनपुर के रहने वालज रविंद्र यादव के पुत्र सुमन यादव उर्फ जय जय यादव को सोशल मीडिया पर हथियार लेकर फोटो पोस्ट करने के मामले में गिरफ्तार किया गया है. उक्त आशय की जानकारी सोमवार को सिटी एसपी श्रीराज ने दी. सोशल मीडिया पर हथियार लहराना और हर्ष फायरिंग करना एक कानूनन अपराध है लेकिन ऐसी घटना सोशल मीडिया पर अक्सर सामने आते रही है. ऐसा ही मामला फेसबुक के पोस्ट पर दिखा, जहां युवक ने अपने हाथ में हथियार लहराता हुआ फोटो पोस्ट किया था. हथियार लहराते हुए सोशल मीडिया पर फोटो पोस्ट करना उक्त युवक को भारी पड़ गया. युवक की पहचान अकबरनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत छीट मकनपुर के रहने वाले रविंद्र यादव के पुत्र सुमन यादव उर्फ जय जय यादव के रूप में हुई. सिटी एसपी ने बताया कि आर्म्स एक्ट में युवक 2019 में एक बार जेल भी जा चुका है.

गंगोत्री इंटरप्राइजेज से जुड़ी 30.86 करोड़ की 12 सम्पत्तियां जब्त

लखनऊः गोरखपुर, नोएडा और लखनऊ में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की लखनऊ इकाई ने गंगोत्री इंटरप्राइजेज मामले से जुड़ी 30.86 करोड़ की 12 सम्पत्तियां जब्त किया है. ईडी की लखनऊ इकाई की ओर से सोमवार को बताया गया कि ये सम्पत्तियां कहीं न कही गंगोत्री इंटरप्राइजेज या उसके मालिक पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी व रीता तिवारी एवं उनके सहयोगी अजीत पाण्डेय से जुड़ी हुई हैं. जब्त की गयी सम्पत्तियों में वाणिज्यिक स्थान, आवासीय घर और कृषि भूमि शामिल है. उत्तर प्रदेश के कई शहरों जैसे लखनऊ, नोएडा और गोरखपुर में गंगोत्री इंटरप्राइजेज के प्रमोटरों, निदेशकों, गारंटरों की जांच की जा रही है. जिसमें तमाम सम्पत्तियों की जानकारी मिल रही है. इसके बाद पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत लिखित मुकदमें में ईडी अपनी कार्यवाही कर रही है.

साढे 43 किलो गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

पूर्वी चंपारणः जिला पुलिस की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कारवाई करते हुए 43.515 किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है. जानकारी एएसपी सदर शिखर चौधरी ने सोमवार को दी. उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के बाद एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर सुगौली थाना क्षेत्र के मोतिहारी-बेतिया सीमा पर नाकाबंदी कर सघन वाहन जांच किया गया. वाहन जॉच के क्रम में श्रीपुर बॉर्डर चौक के समीप से कार पर सवार एक तस्कर को मादक पदार्थ (गांजा) के साथ गिरफ्तार किया गया. जिसकी पहचान छबीला कुमार, थाना-बलथर, जिला-पश्चिम चंपारण के रूप में हुई है.इस संदर्भ में कार व गांजा को जब्त कर सुगौली थाना में तस्कर के विरूद्ध कांड दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है.छापेमारी टीम में एएसपी शिखर चौधरी के अलावे सुगौली थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार,एसआई जवाहर प्रसाद, राजकिशोर सिंह,पीटीसी इंद्रजीत कुमार,पीटीसी रविन्द्र टिड्डु व सुगौली थाना के सशस्त्र बल शामिल थे.

सिपाही द्वारा कार्बाइन से शिक्षक की गोली मारकर हत्या

यूपी में बोर्ड कॉपियों की जांच ठप, सड़कों पर उतरे शिक्षक, लखनऊ सहित पूरे प्रदेश में प्रदर्शन

एक करोड़ मुआवजा और परिवार को सरकारी मदद की मांग

लखनऊः मुजफ्फरनगर में सिपाही द्वारा कार्बाइन से शिक्षक की गोली मारकर हत्या में शिक्षकों में आक्रोश फैल गया है. लखनऊ के राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज में राजकीय शिक्षक संघ के बैनर मूल्यांकन बहिष्कार का आह्वान किया गया. इसके साथ ही राजकीय शिक्षक संघ में निदेशक माध्यमिक से मुलाकात कर मृतक शिक्षक के परिवार को एक करोड़ आर्थिक मुआवजा व अन्य सहायता देने की मांग की है. इसका असर पड़ा और लखनऊ सहित पूरे प्रदेश में शिक्षकों ने मूल्यांकन बंद कर दिया. राजकीय शिक्षक संघ के प्रांतीय मंत्री सत्य शंकर मिश्रा ने कहा कि वाराणसी में राजकीय हाईस्कूल मेहगांव के शिक्षक धर्मेंद्र यादव यूपी बोर्ड की हाईस्कूल की उत्तर पुस्तिकाओं के बंडल से भरा एक ट्रक लेकर मुजफ्फरनगर गए थे. इस दौरान सुरक्षा में साथ गए आरक्षी चंद्रप्रकाश ने किसी बात को लेकर हुए विवाद में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी. बताया कि 17 18 मार्च की रात मुजफ्फरनगर वह उत्तर पुस्तिकाओं की कॉपी लेकर पहुंचे थे, एचडी इंटर कॉलेज का दरवाजा बंद होने के कारण गाड़ी में ही विश्राम कर रहे थे. आरक्षित चंद्रप्रकाश में शराब के नशे में था तथा

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी से बार-बार तंबाकू मांग रहा था. जब अध्यापक धर्मेंद्र कुमार द्वारा इस पर आपत्ति की गई तो चंद्रप्रकाश आपा खो बैठा और उसने अपनी कार्बाइन से कई राउंड फायर कर शिक्षक धर्मेंद्र यादव की हत्या कर दी. इस पूरे मामले पर राजकीय शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष सत्य शंकर मिश्रा ने शिक्षक धर्मेंद्र कुमार के परिवार को तत्काल एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने के साथ ही परिवार के सदस्य को नौकरी और सारी सरकारी सुविधाएं देने की मांग की है. कहा कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर सहमति नहीं दे देती, तब तक प्रदेश में शिक्षक मूल्यांकन कार्य का बहिष्कार करेंगे. वहीं इस मामले पर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ की तरफ से भी मूल्यांकन कार्य के बहिष्कार का निर्णय लिया गया है. संघ के नेता शिक्षक दल एमएलसी ध्रुव कुमार त्रिपाठी की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस घटना के विरोध स्वरूप पूरे प्रदेश में आज कॉपियों के मूल्यांकन कार्य का बहिष्कार करने का निर्णय लिया गया है. इसके साथी सभी जनपद अध्यक्षों, मंत्रियों व पदाधिकारी से अपेक्षा की गई है कि मूल्यांकन केंद्र पर 2 मिनट का मौन रख दिवंगत शिक्षक की मृत आत्मा की शांति तथा परिवार को इस दुख को सहन करने की प्रार्थना करें. वहीं बताया जा रहा है कि अन्य जिलों में भी शिक्षक संगठनों के आह्वान का असर देखने को मिल रहा है. शिक्षक की नृशंस हत्या से उनमें गहरी नाराजगी है. सभी शिक्षक के परिवार को सरकार की ओर से आर्थिक सहायता देने की मांग कर रहे हैं. कौशांबी में कॉपी मूल्यांकन कार्य मे लगे शिक्षकों ने कार्य बहिष्कार कर चक्काजाम कर दिया. शिक्षकों ने प्रयागराज- चित्रकूट मार्ग पर चक्काजाम भी कर दिया. इसकी जानकारी होते ही एसडीएम मंझनपुर समेत भारी पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई. एसडीएम मंझनपुर आकाश सिंह के समझाने पर चक्काजाम समाप्त किया. एसडीएम मंझनपुर आकाश सिंह के मुताबिक नाराज शिक्षक ने मूल्यांकन कार्य का बहिष्कार कर चौराहे पर जाम लगा दिया. शिक्षकों से बात करके जाम खुलवा दिया गया. मूल्यांकन कार्य के बहिष्कार के संबंध में बताया कि शिक्षकों से बात कर मूल्यांकन कार्य करवाया जाएगा.

खगड़िया में भीषण सड़क हादसा, 3 बच्चे समेत 9 लोगों की मौत

बारात से लौटने के दौरान ट्रैक्टर से टकरायी कार

खगड़ियाः बिहार के खगड़िया में भीषण सड़क हादसा हुआ. जिले के पसराहा थाना इलाके में हुए इस हादसे में 3 बच्चे समेत 9 लोगों की मौत हो गई. मिली जानकारी के अनुसार बारात से लौट रही एसयूवी कार एनएच31 विद्यारतन पेट्रोल पंप के पास एक ट्रैक्टर से टकरा गई, जिससे यह हादसा हुआ. बताया जाता है कि मड़ैया थाना इलाके के बिठला गांव के इंद्रदेव ठाकुर के पुत्र की शादी में शामिल होने के लिए बारात चौथम के मोहनपुर गयी थी. वहीं से लौटने के दौरान एनएच31 पर सीमेंट लगे ट्रैक्टर से कार टकरा गई. मामले की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया. वहीं सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. गोगरी डीएसपी रमेश कुमार ने बताया सड़क हादसे में तीन बच्चे समेत कुल सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी. उन्होंने कहा कि मरने वाले शादी समारोह से लौट रहे थे. पसराहा थाना क्षेत्र स्थित एनएच 31 पर बारातियों से भरी कार और ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर हो गई, जिस वजह से ये भीषण हादसा हुआ है. इस भीषण सड़क हादसे में मरने वालों में मानसी के रहने वाले दिनेश ठाकुर के बेटे अमन कुमार, रोहियार के उमेश ठाकुर के बेटे मोनू कुमार (11), विसोनी परबत्ता के विकास ठाकुर के बेटे अंशु कुमार (22), बिठला निवासी विनोद ठाकुर के पुत्र गौतम कुमार (10), बिठला के रहने वाले रोहिन सिंह के पुत्र प्रकाश सिंह (60), खजरैठा निवासी अर्जुन ठाकुर के बेटे बंटी कुमार (22), लोनिया चक भरतखंड के रामू ठाकुर के बेटे पलटू ठाकुर (65), लोनिया चक भरतखण्ड निवासी विकास ठाकुर के पुत्र दिलो कुमार (5) और धर्मेंद्र कुमार शामिल हैं. बिठला गांव से परिजनों के साथ घटना स्थल पर पहुंचे बैसा पंचायत के पूर्व मुखिया शिव यादव ने कहा कि घटना काफी हृदय विदारक है. उन्हीं के पंचायत से बारात चौथम गयी थी, जहां से लौटने के दौरान ये हादसा हुआ है. इधर इस घटना से शादी की खुशी गम में बदल गई. घटना से पूरे परिवार में कोहराम मच गया. एक ही परिवार के इतने लोगों की मौत से परिजनों ने अपना आपा खो दिया है. उनका रो-रो कर बुरा हाल है.

आजम खां को एक और झटका, डूंगरपुर केस में 7 साल की कैद... तीन दोषियों को भी हुई सजा

रामपुरः डूंगरपुर मामले में शनिवार को एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने सपा नेता आजम खां, पूर्व पालिकाध्यक्ष अजहर खां, ठेकेदार बरकत अली और रिटायर्ड सीओ आलेहसन को दोषी करार दिया था. इस मामले में कोर्ट ने सोमवार को आजम खां को सात साल की सजा और आले हसन, बरकत अली और अजहर खां को पांच-पांच साल की सजा सुनाई है. गंज थाना क्षेत्र के डूंगरपुर बस्ती को खाली कराने को लेकर 12 मुकदमे वर्ष 2019 में दर्ज हुए थे. यह सभी मामले बस्ती में रहने वाले लोगों की ओर से दर्ज कराए गए थे. जिसमें घरों में घुसकर मारपीट, गाली-गलौज, डकैती के आरोप में पूर्व पालिकाध्यक्ष अजहर अहमद खां, ठेकेदार बरकत अली, रिटायर्ड सीओ आले हसन के खिलाफ केस दर्ज किया गया था. पुलिस ने सभी मामलों में चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी थी. जिसकी सुनवाई एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में चल रही थी. आजम खां से जुड़े डूंगरपुर के एक मामले में शनिवार को एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में आजम खां सीतापुर जेल से पहुंचे थे, जबकि पूर्व पालिका अध्यक्ष अजहर खां बिजनौर से रामपुर आए थे. उसके बाद कोर्ट ने सपा नेता आजम खां, बरकत अली, पूर्व सीओ आले हसन खां,पूर्व पालिकाध्यक्ष अजहर खां को धारा 452, 427, 504,506 (आईपीसी) एवं 120 बी में दोषी करार दिया था. एडीजीसी कुमार सौरभ ने बताया कि आजम खां को सात साल की कैद, रिटायर्ड सीओ आलेसहन, बरकत अली और पूर्व पालिका चेयरमैन को पांच-पांच साल की सजा और जुर्माना भी लगाया है.

जेडीयू दफ्तर में 10 करोड़ का बेनामी इलेक्टोरल बॉन्ड रख गया था कोई, चुनाव आयोग को नीतीश की पार्टी का जवाब

पटनाः इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर इन दिनों पूरे देश में सियासत गरमायी हुई है. सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इलेक्टोरल बॉन्ड की सूची जारी की गई है. किसे कितना चंदा मिला, इसकी जानकारी मिलने के बाद विपक्ष लगातार हमलावर है. वहीं, जेडीयू की ओर से जो जानकारी चुनाव आयोग को दी गई है, उसमें यह बताया गया है कि 2019 में कार्यालय में 10 करोड़ रुपये का बेनामी चुनावी बॉन्ड कोई रख गया था और बाद में पार्टी ने उसे इस्तेमाल कर लिया. जेडीयू ने चुनाव आयोग को बताया कि 3 अप्रैल 2019 को पटना जेडीयू कार्यालय में 10 करोड़ रुपये का चुनावी बॉन्ड आया था. हालांकि चंदा किसने दिया था इसकी कोई जानकारी

पार्टी के पास नहीं है. जेडीयू को मिले ज्यादातर इलेक्टोरल बॉन्ड हैदराबाद और कोलकाता में स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखाओं से जारी किए गए थे. कुछ बॉन्ड पटना स्थित एसबीआई ब्रांच से भी जारी किए गए थे. चुनाव आयोग को दिए हलफनामे में जेडीयू ने कहा कोई शख्स 3 अप्रैल 2019 को पटना में उनके कार्यालय में आया और एक सीलबंद लिफाफा सौंप दिया. जब इसे खोला गया तो 1 करोड़ रुपये के 10 चुनावी बॉन्ड मिले थे. जेडीयू ने 10 अप्रैल 2019 को ही 10 करोड़ के बॉन्ड को पटना के मुख्य एसबीआई ब्रांच में जमा कर दिया. हालांकि जब डोनर के बारे में जानकारी मांगी गई, तब जेडीयू ने कहा कि इसे देने में वह असमर्थ है. जेडीयू की ओर से जो जानकारी चुनाव आयोग को दी गई है, उसमें यह बताया गया है कि जेडीयू को इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए कुल 24.4 करोड़ का चंदा मिला है. चुनाव आयोग को बताया कि उसे भारती एयरटेल और श्री सीमेंट से 1 करोड़ रुपये और 2 करोड़ रुपये के इलेक्टोरल बॉन्ड प्राप्त हुए हैं. जेडीयू ने चुनावी बॉन्ड के माध्यम से कुल 24.4 करोड़ रुपये के चंदे के बारे में जानकारी दी है.

देश की जनता दस सालों में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार से त्रस्त : अखिलेश

लखनऊः समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार के दस सालों में देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार से त्रस्त रही है. भाजपा ने देश में संगठित रूप से नए तरीके के भ्रष्टाचार का रास्ता बनाया. सत्ता का दुरुपयोग किया. सरकारी एजेंसियों का प्रयोग विपक्षी दलों को बदनाम करने और भाजपा को मजबूत करने के लिए किया. सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने लोकतंत्र को कमजोर किया. नौजवानों, किसानों, व्यापारियों का शोषण किया. भाजपा ने देश की जनता को धोखा क्यों दिया? इलेक्टोरल बॉण्ड के नाम पर देश भर में वसूली की. तमाम कम्पनियों को डरा धमकाकर इलेक्टोरल बॉण्ड खरीदवाया. चुनावी चंदे के नाम पर हजारों करोड़ रूपये वसूलना अनैतिक है. अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा भ्रष्टाचार के नए तरीके से खुद मालामाल होती

रही. चुनावों में धन बल का दुरूपयोग किया वहीं दूसरी तरफ देश का नौजवान और किसान बेरोजगारी और गरीबी से तंग आकर आत्महत्या करने पर मजबूर हो गया. भाजपा की दस साल की सरकार में देश में कर्ज और गरीबी से परेशान एक लाख से ज्यादा किसानों ने आत्महत्या की. भाजपा का किसानों से झूठ बोलना पाप के समान है. किसानों की आय दोगुनी क्यों नहीं हुई? उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने वादा करने के बाद किसानों को उनकी फसलों की एमएसपी का कानूनी अधिकार नहीं दिया. किसानों की मांग पूरी करने के बजाय भाजपा ने किसानों को अपमानित किया. उत्तर प्रदेश और देश में नौजवान और छात्र नौकरी, रोजगार के लिए भटक रहें है. भाजपा ने प्रतियोगी छात्रों के साथ धोखा किया. विभागों में लाखों पद खाली होने के बावजूद नौकरियों में भर्ती नहीं की. अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव करीब देखकर जो भर्तियां निकली साजिश के तहत उनके पेपर लीक करा दिए, जिससे नौकरियां न देनी पड़े. भाजपा की नीयत युवाओं को नौकरियां देने की कभी नहीं रही है. भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश में युवाओं की पूरी एक पीढ़ी का भविष्य बर्बाद कर दिया है. प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लाखों रूपया खर्च कर चुके छात्रों में हताशा, निराशा और भारी आक्रोश है. उन्होंने कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव में छात्र, नौजवान, किसान, और व्यापारी भाजपा सरकार के खिलाफ वोट डालकर उसे लोकतांत्रिक तरीके से सत्ता से बाहर करेंगे. भाजपा सत्ता से हटेगी तभी नौजवानों को नौकरी मिलेगी. तभी किसानों की मांग पूरी होगी और व्यापारियों को राहत मिलेगी.

सीएम हाउस के बाहर जेडी वीमेन कॉलेज की छात्राओं का प्रदर्शन

नीतीश कुमार के खिलाफ लगाए नारे

पटनाः सीएम हाउस के बाहर जेडी विमेंस कॉलेज की 12वीं की छात्राएं प्रदर्शन कर रही हैं. इस दौरान सैकड़ों की तादाद में छात्राएं नीतीश कुमार हाय-हाय के नारे लगा रही हैं और न्याय की मांग कर रही हैं. छात्राओं का कहना है कि 19 मार्च से 11वीं का एनुअल एग्जाम शुरू हो रहा है और अचानक से कहा जा रहा है कि 12वीं में स्कूल में जाकर फिर से नाम लिखवाना होगा. छात्राओं का कहना है कि नई नियमावली के तहत कॉलेज में अब 11वीं और 12वीं की पढ़ाई नहीं होगी, लेकिन उन लोगों ने 11वीं में दाखिला लेते समय एडमिशन फीस से लेकर सारा डॉक्यूमेंट जमा कर दिया है. उनकी मांग है कि 12वीं की पढ़ाई उन्हें उसी कॉलेज में ही करने दिया जाए, जहां उन्होंने 11वीं की पढ़ाई की है. बता दें कि बिहार के कॉलेजों में चल रही इंटर की पढ़ाई 1 अप्रैल 2024, यानी इसी साल से बंद हो जाएगी. अब बिहार के किसी कॉलेज में इंटर यानी +2 की पढ़ाई नहीं होगी. राज्य सरकार ने इसको लेकर बच्चों के लिए नई जगह और क्लास का इंतजाम कर दिया है. वहीं जिन छात्रों ने पिछले साल 11 वीं में नामांकन कराए थे, उन्हें भी दूसरी जगह 12वीं के लिए फिर से नामांकन कराना होगा, जिसका छात्राएं विरोध कर रही हैं.

एक बच्चे की मां ने प्रेमी संग रचाई शादी, पति ने भी दिया आर्शीवाद

भागलपुरः जिले के घोंघा थाना क्षेत्र के पक्कीसराय में लव ट्राएंगल का मामला सामने आया है. पक्कीसराय स्थित मायके में रह रही एक बच्ची की मां को अपने ही गांव के एक युवक से मोहब्बत हो गयी. धीरे-धीरे ये प्यार परवान चढ़ता गया. नतीजा ये हुआ कि दोनों छिप-छिपकर मिलने लगे. प्यार जब परवान चढ़ा तो दोनों ने शादी करने का फैसला ले लिया. फिर व विवाहिता एक बच्चे की मां ने परदेश में रह रहे अपने पति को फोन कर हकीकत से बतायी. इसके बाद पति ने भी बड़ा दिल दिखाते हुए फोन पर ही उसे सुखमय जीवन का आशीर्वाद दे दिया. इसके बाद प्रेमी श्यामलाल ने गांव वालों को शिव मंदिर पहुंचने का आग्रह किया. फिर दोनों देर रात पक्कीसराय मुखिया अंजो देवी के आवास पर पहुंचे और शादी का गवाह बनने और आशीर्वाद देने का आग्रह किया. इसके बाद पति से फोन पर शादी की इजाजत ली. पति ने भी फोन पर सुखमय जीवन का आशीर्वाद दिया. इसके बाद शाहपुर शिव मंदिर परिसर में शादी में शामिल होने बारातियों की भीड़ जुट गई. पंडित ने प्रेमी युगल की शादी कराई. इस मौके पर नयी नवेली दुल्हन नीतू ने बताया कि उसने अपनी मर्जी से शादी की है. उसपर किसी का कोई दबाव नहीं है. वहीं, प्रेमी का कहना है कि जीएंगे तो नीतू के साथ और मरेंगे तो भी इसी के साथ.

ज्ञानवापी मामला ; मुख्तार अंसारी को पक्षकार बनाया जाए या नहीं, कोर्ट 21 मार्च को कर सकता है फैसला

वाराणसीः ज्ञानवापी मामले में मुस्लिम पक्ष से मुख्तार अंसारी को पक्षकार बनाए जाने को लेकर आज कोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान कोर्ट ने पक्षकार बनाए जाने संबंधी फैसले को सुरक्षित रख लिया है और 21 तारीख को इस संदर्भ में कोर्ट अपना फैसला सुनाएगा. दरअसल सिविल जज सीनियर डिवीजन प्रशांत सिंह की अदालत में मुख्तार अंसारी ज्ञानवापी प्रकरण के मूल वाद में पक्षकार बनाए जाने संबंधी याचिका दायर कर चुके हैं. इस बारे में पहले से हिंदू पक्ष कर विजय शंकर रस्तोगी ज्ञानवापी में संपूर्ण परिसर का सर्वे करने की मांग भी उठा चुके हैं. इस बारे में आज सुनवाई हुई ज्ञानवापी के 1991 के प्राचीन मूर्ति स्वयंभू ज्योतिर्लिंग मामले में सोमनाथ व्यास के नाती को पक्षकार बनाने के मामले में पुनर्विचार याचिका पर भी आज सुनवाई हुई है. व्यास जी तहखाने में पूजा के अधिकार पाने के लिए शैलेंद्र व्यास ने खुद को मूल बाद में पक्षकार बनाए जाने की मांग की है. जिस पर कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है. लॉर्ड विश्वेश्वर के मामले में भी सर्व को लेकर सुनवाई जारी है. 21 मार्च को अब इस मामले में भी अगली सुनवाई होगी. 1991 के मूल मुकदमे में पक्षकार बनाए जाने को लेकर मुख्तार अहमद अंसारी की तरफ से कोर्ट में एप्लीकेशन दी गई है. जिस पर पिछले दिनों भी सुनवाई हुई थी. इस मामले में आज सुनवाई होने के बाद न्यायालय ने फैसला सुरक्षित कर लिया है. माना जा रहा है कि 21 मार्च को कोर्ट अपना आदेश पारित करेगा.

60 ग्राम स्मैक और 4.03 लाख नगद के साथ महिला समेत चार नशे के कारोबारी गिरफ्तार

अररियाः अररिया जिला पुलिस को नशे के कारोबार के खिलाफ एक बड़ी सफलता मिली है. पुलिस ने 4 लाख 3 हजार 390 रूपये और नौ लाख रूपये मूल्य के स्मैक के साथ चार नशे के कारोबारियों को गिरफ्तार किया है,जिसमे एक महिला कारोबारी भी शामिल है.सदर एसडीपीओ रामपुकार सिंह के नेतृत्व में गठित स्पेशल टीम ने आरएस थाना क्षेत्र के रजोखर वार्ड संख्या 5 स्थित 25 वर्षीय सोहराब उर्फ छोटू अंसारी के घर पर छापेमारी कर यह कामयाबी हासिल की. इस बात की जानकारी एसपी अमित रंजन ने सोमवार को प्रेस कांफ्रेंस कर दी. अररिया एसपी अमित रंजन ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि रजोखर थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या 5 स्थित छोटू अंसारी के घर से नशे के कारोबार को चलाया जा रहा है.

'प्रधानमंत्री बताएं बिहार में अब किसका राज है?' तेजस्वी यादव का 'जंगलराज' को लेकर नरेंद्र मोदी पर वार

पटनाः बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष व पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव आज मुंबई से पटना पहुंचे. पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने जमकर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा. जब उनसे सवाल किया गया कि जदयू कार्यालय में इलेक्टोरल बॉन्ड मिला था तो उन्होंने कहा कि देखिए इलेक्टोरल बॉन्ड पर हम कुछ नहीं कहेंगे लेकिन बिहार में जिस तरह से लगातार पेपर लीक हो रहा है, युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, उस पर बिहार की सरकार कुछ नहीं कर रही है. तेजस्वी यादव ने कहा कि बीपीएससी पेपर लीक मामले में कार्रवाई ना होना काफी दुखद है. वहीं उन्होंने कहा कि बिहार में लगातार बिल्डरों पर पत्रकारों पर गोलियां चलाई जाती है और भाजपा के नेता हो या जदयू के नेता चुप्पी साधे हुए हैं. अब बिहार में किस तरह का राज है इसका जवाब वो लोग क्यों नहीं देते हैं. तेजस्वी यादव ने कहा कि महागठबंधन में सीट शेयरिंग की घोषणा बहुत जल्द होगी. वहीं जब उनसे सवाल किया गया कि राहुल गांधी ने जो शक्ति की बात की थी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसे नारी शक्ति से जोड़कर बयान दिया है तो उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई फिरकापरस्त ताकत से है. ऐसी ताकतों के खिलाफ हम लोग मजबूती से एकजुट होकर लड़ाई लड़ रहे हैं. दरअसल बिहार में अपराधियों का तांडव जारी है. बक्सर और नालंदा में दो बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया गया है. नालंदा में रविवार को अपराधियों ने पत्रकार को गोली मारकर जख्मी कर दिया, जिनका पटना रिम्स में इलाज चल रहा है . वहीं बक्सर में अपराधियों ने दूध व्यवसायी को दिनदहाड़े गोली मार दी.

देश/विदेश

इंस्पेक्टर के साथ बदमाशों ने की लूटपाट

नई दिल्लीः नई दिल्ली जिले के चाणक्यपुरी इलाके में 16 मार्च की शाम को टहलने निकले दिल्ली पुलिस के एक इंस्पेक्टर के साथ बदमाशों ने लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया. आरोपितों ने इंस्पेक्टर के गले से सोने की चेन तोड़ ली. इधर इंस्पेक्टर ने बहादुरी दिखाते हुए लूट करने आए एक आरोपित को मौके पर दबोच लिया. जबकि आरोपित का दूसरा साथी वहां से भाग गया. पीड़ित इंस्पेक्टर स्पेशल सेल में तैनात हैं. वह अपने ऑफिस के पास पार्क में टहल रहे थे तभी उनसे लूट करने के लिए दो आरोपित आ गए. पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि स्पेशल सेल के इंस्पेक्टर विनोद कुमार बडोला के साथ घटना हुई है. इंस्पेक्टर विनोद शाम के समय विनय मार्ग स्थित अपने ऑफिस से टहलने के लिए निकले थे. वह जब ऑफिस से नेहरु पार्क पहुंचे तो वहां दो लड़कों ने उन्हें रोक लिया.

दो युवकों की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्लीः बाहरी दिल्ली के रनहौला थाना इलाके में बीती रात दो लोगों की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई. यह वारदात थाना इलाका के मच्छी मार्केट के पास स्थित दास गार्डन कॉलोनी में हुई है. मृतक की पहचान मुकेश और राजेश के रूप में हुई है. पुलिस को बीती रात 9:44 पर इस वारदात के बारे में सूचना मिली थी, की यहां पर एक व्यक्ति खून से लथपथ हालत में पड़ा हुआ है. खबर की जानकारी मिलते ही मौके पर तुरंत एंबुलेंस, स्थानीय पुलिस और पीसीआर की टीम पहुंची. देखा की जो घायल था वह अचेत अवस्था में था. छाती पर जख्म के निशान थे. तुरंत जाफरपुर हॉस्पिटल ले जाया गया जहां पर उसे मृत घोषित कर दिया गया. जिसकी पहचान 34 साल के मुकेश के रूप में की गई. डीसीपी जिमी चिराम ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि जिस जगह पर मुकेश की हत्या की गई.

बारामूला में आग लगने से तीन आवासीय घर जलकर राख

बारामूलाः बारामूला के डांगीवाचा राफियाबाद इलाके में रविवार और सोमवार की मध्य रात्रि के दौरान लगी भीषण आग में तीन आवासीय घर जलकर राख हो गए. जानकारी के अनुसार बारामूला के डांगीवाचा में एक आवासीय घर में रविवार और सोमवार की मध्य रात्रि के दौरान भीषण आग लग गई. इस आग ने तीन आवासीय घरों को अपनी चपेट में ले लिया. इसके तुरंत बाद अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं कर्मियों और मशीनरी के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं और स्थानीय लोगों की सहायता से बचाव अभियान शुरू किया. घंटों की अथक कोशिशों के बाद आग पर काबू पा लिया गया लेकिन इस आग ने तीन आवासीय घरों को अपनी चपेट में ले लिया. एफ एंड ईएस के एक अधिकारी ने कहा कि इस घटना में तीन आवासीय घर, एक दो मंजिला और दो एकल मंजिला जलकर खाक हो गए.

7 मवेशियों सहित एक वाहन जब्त, तस्कर फरार

उधमपुरः मनवाल क्षेत्र में पुलिस द्वारा पशु तस्करी के प्रयास को विफल करते हुए एक वाहन को जब्त कर 7 मवेशियों को मुक्त कराया जबकि तस्कर मौके से फरार होने में सफल हो गया. जानकारी अनुसार मनवाल क्षेत्र में एक वाहन नंबर जे.के,2,वी.के-3881 घाटी की ओर जा रहा था कि जैसे ही वह मनवाल के पास पहुंचा कि चालक ने पुलिस को नाका लगाये हुए देखा तो उसने वाहन को वहीं पर खड़ा कर खुद मौके पर से फरार हो गया. वहीं पुलिस ने जब वाहन की जांच की तो उसमें 7 मवेशी लदे पाये गए. पुलिस ने तुरंत गाड़ी को जब्त कर लिया तथा मवेशियों को मुक्त कर दिया. वहीं पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई आरंभ कर दी है.

कोल्हापुर में ट्रक ने मजदूरों को कुचला, चार की मौत व सात घायल

मुंबईः कोल्हापुर जिले में पुणे-बंगलुरू हाईवे पर बथार स्थित पुल के पास रविवार रात तेज रफ्तार ट्रक ने सीमेंट कंक्रीट मशीन ले जा रहे मजदूरों को कुचल दिया. इस घटना में चार मजदूरों की मौके पर मौत हो गई और अन्य सात मजदूर घायल हो गए. सभी घायलों को कोल्हापुर स्थित सीपीआर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मामले की छानबीन पेठ वडगांव पुलिस कर रही है. पुलिस के अनुसार कोल्हापुर शहर ठेकेदार रियाज़ कंस्ट्रक्शन के मजदूरों का एक समूह सीमेंट कंक्रीट मिक्सर मशीन के साथ रविवार को देर रात पुणे बेंगलुरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर बथार में टेंपो से आया था. बथार में यह सभी मजदूर सीमेंट कंक्रीट मशीन टेंपो से उतारकर सडक़ के किनारे रख रहे थे. तभी कोल्हापुर से पुणे की ओर तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रक ने इन मजदूरों को कुचल दिया. इस भीषण हादसे में सचिन धनवाड़े (उम्र 40), बाबालाल इमाम मुजावर (उम्र 50), विकास वड्ड (उम्र 32) और श्रीकेश्वर पासवान (उम्र 60) की मौके पर मौत हो गई.

बीएमसी गार्डन में पानी की टंकी में गिरने से दो बच्चों की मौत

मुंबईः माटुंगा में जोसेफ हाई स्कूल के पीछे महर्षि कर्वे गार्डन में स्थित पानी की टंकी में गिरने से एक ही परिवार के दो बच्चों की मौत हो गई. इस घटना से माटुंगा में मुंबई नगर निगम के प्रति रोष फैल गया है. माटुंगा पुलिस की टीम इस मामले की जांच कर रही है..जानकारी के अनुसार दोनों बच्चे करण (4 साल) और अंकुश (6 साल) रविवार को बीएमसी के माटुंगा स्थित महर्षि कर्वे मैदान में खेलने गए थे, लेकिन देर रात तक जब घर नहीं लौटे तो परिवार वालों ने बच्चों की गुमशुदगी की रिपोर्ट माटुंगा पुलिस स्टेशन में दी थी. सोमवार को सुबह गार्डेन की पानी की टंकी में दोनों बच्चों के शव मिले. बताया जा रहा है कि महर्षि कर्वे उद्यान में पानी की टंकी पतली प्लास्टिक से ढकी हुई थी. इसलिए पुलिस इस मामले की हर ऐंगल से जांच कर रही है.

नेपाल के विदेश मंत्री संसद में बोले- नेपाली सैनिकों का करार रद्द करने पर रूस सकारात्मक

नेपालः नेपाल के विदेश मंत्री नारायणकाजी श्रेष्ठ ने संसद में आज कहा कि रूसी सेना में कार्यरत नेपाली युवाओं का करार रद्द करने को लेकर रूस की तरफ से सकारात्मक जवाब आया है. प्रतिनिधि सभा में सांसदों के सवालों का जवाब देते हुए विदेश मंत्री श्रेष्ठ ने कहा कि रूस ने वहां की सेना में भविष्य में किसी भी नेपाली युवा की भर्ती नहीं लेने के लिए अपनी सहमति जता दी है. उन्होंने कहा कि इस समय रूसी सेना की तरफ से युद्ध लड़ रहे नेपाली युवाओं का करार रद्द करने को लेकर भी रूस ने अपनी सैद्धांतिक सहमति दे दी है. विदेश मंत्री ने कहा कि नेपाल स्थित रूसी राजदूत ने उन्हें आश्वासन दिया है कि आगे से रूसी सेना में किसी भी नेपाली नागरिक को भर्ती नहीं किया जाएगा. साथ ही नेपाली युवा जो रूस में हैं, उनका करार भी समाप्त किया जाएगा. हालांकि विदेश मंत्री ने यह नहीं बताया कि यह कब और कितने दिनों में होगा.

रूस की जनता ने पुतिन पर जताया भरोसा

मॉस्कोः रूस में राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव में जनता ने निवर्तमान राष्ट्रपति व्लादिमीर वी. पुतिन पर अपना भरोसा जताया है. रूस के चुनाव आयोग ने कहा है कि प्रारंभिक परिणामों में पुतिन सबसे आगे हैं. उन्हें 88 प्रतिशत वोट मिले हैं. अमेरिकी समाचार पत्र द न्यूयार्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव में भारी बढ़त मिलने के बाद पांचवीं बार राष्ट्रपति बनने जा रहे व्लादिमीर वी. पुतिन ने रविवार को राष्ट्रीय टेलीविजन पर अपने समर्थकों को संबोधित किया. पुतिन ने अपने चुनाव मुख्यालय से राष्ट्रीय टेलीविजन पर जनता को भी संबोधित किया. उन्होंने इस दौरान विपक्षी नेता अलेक्सी नवलनी की मौत पर भी अपनी चुप्पी तोड़ी और इसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया. उन्होंने कहा, चुनाव में उन्हें किसी तरह की प्रतिस्पर्धा का सामना नहीं करना पड़ा.

लदीव के चुनावों के लिए मतपेटियां भारत, श्रीलंका, मलेशिया में भी रखी जाएंगी

मालेः मालदीव के निर्वाचन आयोग के अनुसार आगामी संसदीय चुनावों के लिए मतपेटियां भारत, श्रीलंका और मलेशिया में भी रखी जाएंगी. निर्वाचन आयोग ने कहा कि मालदीव के 11,000 लोगों ने अपने मतदान केंद्रों को स्थानांतरित करने के लिए पुन: पंजीकरण का अनुरोध किया है. आयोग की अधिसूचना का हवाला देते हुए मीडिया की खबरों में कहा गया है कि 21 अप्रैल के संसदीय चुनावों के लिए लोगों को अपने मतदान केंद्रों को स्थानांतरित करने के संबंध में दी गई छह दिन की अवधि शनिवार को समाप्त हो गई. आयोग ने कहा कि मालदीव के चुनावों के लिए मतपेटियां केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम, श्रीलंका के कोलंबो और मलेशिया के कुआलालंपुर में भी रखी जाएंगी, क्योंकि तीनों देशों में से प्रत्येक में कम से कम 150 लोग मतदान करने के लिए पुन: पंजीकरण कराएंगे.

बाड़मेर जैसलमेर लोकसभा सीट पर भजनलाल शर्मा ने शुरू की सेटिंग! रविंद्र सिंह भाटी से की मुलाकात

बाड़मेर/जैसलमेरः लोकसभा चुनाव 2024 में राजस्थान में बीजेपी अपने मिशन 25 को पूरा करने में किसी तरह की गलती नहीं करना चाहती है. ऐसे में बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीट पर बीजेपी अब त्रिकोणीय मुकाबले को विराम देने के लिए कवायद शुरू कर दी है. इसके लिए राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने खुद मोर्चा संभाल लिया है. बता दें, बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीट पर रविंद्र सिंह भाटी ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की चुनौती दी है. जिसके बाद बीजेपी के लिए बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है. क्योंकि रविंद्र सिंह भाटी (ठरींळपवीर डळपसह इहरींळ) की लोकप्रियता काफी अच्छी है और अगर वह चुनाव लड़ते हैं तो बीजेपी के लिए यह सीट मुश्किल हो जाएगा. ऐसे में भजनलाल शर्मा ने रविंद्र सिंह भाटी से मुलाकात की है.

भजनलाल शर्मा और रविंद्र सिंह भाटी के बीच मुलाकात हुई है. हालांकि, कहा जा रहा है कि दोनों की बीच पूरी बात नहीं बनी है. लेकिन भजनलाल शर्मा की ओर से रविंद्र भाटी को बीजेपी में शामिल करने का ऑफर दिया गया है. इसके बावजूद ऐसा कहा जा रहा है कि रविंद्र सिंह भाटी (ठरींळपवीर डळपसह इहरींळ) ने कुछ ऐसी शर्तें रखी है जिसे लेकर बीजेपी के अंदर मंथन हो सकता है.

मुख्यमंत्री से वार्ता हुई है. लेकिन अपने क्षेत्र के लोगों से बात करके आगे का निर्णय करूंगा. मुख्यमंत्री ने उन्हें कहा है कि पार्टी को युवा कार्यकर्ता और युवा ऊर्जावान लोगों की आवश्यकता है और आप जैसे लोग अगर पार्टी से जुड़ते हैं तो उसका एक अलग ही संदेश जाएगा.

बता दें, रविंद्र सिंह भाटी लगातार अपने सारे फैसले जनता और कार्यकर्ताओं पर छोड़ते हैं. इससे पहले लोकसभा चुनाव लड़ने का फैसला भी उन्होंने जनता और कार्यकर्ताओं पर छोड़ा था. जिसके बाद उन्हें चुनाव लड़ने के लिए अपार जनसमर्थन मिल रहा था. इसी वजह से बीजेपी में भी हलचल होने लगी. अब बीजेपी ने रविंद्र सिंह भाटी को पार्टी में शामिल होने का ऑफर दे दिया है. जल्द ही भाटी इस पर अपना फैसला सुनाएंगे.

बाड़मेर जैसलमेर से कैलाश चौधीर है उम्मीदवार

बीजेपी ने बाड़मेर जैसलमेर सीट से कैलाश चौधरी को अपना उम्मीदवार घोषित किया है. वैसे तो यह सीट बीजेपी के खाते में मानी जाती है. लेकिन रविंद्र सिंह भाटी की चुनौती कैलाश चौधरी के लिए काफी अहम मानी जा रही है. माना जा रहा है कि अगर भाटी का सपोर्ट इस सीट पर नहीं मिला तो कैलाश चौधरी का जीतना यहां मुश्किल हो जाएगा. आपको बता दें, भजनलाल शर्मा ने हाल ही में चित्तौड़गढ़ सीट पर सीपी जोशी के लिए परेशानी बन रहे निर्दलीय विधायक चद्रभान सिंह आक्या को बीजेपी में शामिल कर उनकी परेशानी को सुलझाया है.

अमीन पठान की परेशानी बढ़ी, कोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

कोटाः सरकारी काम में बाधा डालने के मामले में कांग्रेस के बड़े नेता अमीन पठान को रविवार को गिरफ्तार किया गया था. जिसके बाद आमीन की ओर से जमानत की अर्जी कोर्ट में दी गई थी. वहीं कोर्ट में अमीन पठान की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए इसे खारिज कर दिया. यानी अमीन पठान को कोर्ट से राहत नहीं मिली है. अब अमीन पठान आगे का रास्ता अपनाएंगे बताया जा रहा है कि वह मंगलवार को डीजे कोर्ट में जमानत की याचिका दायर करेंगे.

दरअसल, अमीन पठान को रविवार शाम को गिरफ्तार किया गया था. जिसके बाद अमीन ने पूरी रात जेल में बिताई. अमीन पठान पर आरोप है कि जब वह जमीन का सर्वे करने गए थे, तब उन्होंने वनकर्मियों को कथिततौर पर धमकाया और गाली गलौज की साथ ही सरकारी काम में बाधा डाला. कोटा के अनंतपुरा में अमीन पठान का एक फार्म हाउस जिसे वन विभाग ने अवैध करार दिया है. उन पर आरोप भी लगा है कि अवैध रूप से कब्जा हटाने गई टीम के साथ उन्होंने और उनकी पत्नी रजिया पठान के साथ अन्य लोगों ने सरकारी कर्मचारियों के साथ अभद्रता की और सरकारी काम में बाधा डालते हुए धमकाया.

अमीन पठान की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को अनंतपुरा क्षेत्र में मार्केट बंद करवाए और सुबह के वक्त बाजार में सन्नाटा नजर आया. इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि से इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था. अमीन पठान के समर्थन में विरोध प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा पुख्ता इंतजाम किए गए है. पुलिस के जवान बड़ी तादाद में तैनात किए गए हैं. पूर्व भाजपा नेता अमीन पठान को कल राज कार्य में बाधा डालने और वन विभाग की टीम को धमकाने और मारपीट की धमकी देने के मामले में अनंतपुरा थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया था.

जल जीवन मिशन में कथित भ्रष्टाचार के मामले में महेश जोशी समन, जोशी ने ईडी से मांगा 15 दिन का समय

जयपुरः पूर्ववर्ती गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे महेश जोशी की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं. जल जीवन मिशन से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के आरोपो के बाद ईडी की ओर से पूर्व मंत्री महेश जोशी को समन भिजवाया गया है. उन्हें 18 मार्च को ईडी कार्यालय में पेश होने की बात कही गई है. पूर्व मंत्री महेश जोशी को आज ईडी अधिकारियों के समक्ष पेश होना था, लेकिन जोशी ने 15 दिन का समय मांगा है जिस पर अब एऊ के जवाब का इंतजार है.

पूर्व मंत्री महेश जोशी ने कहा कि इस मामले की जांच किसी भी जांच एजेंसी से करवा लीजिए. हमें कोई दिक्कत नहीं है और ईडी ने जो सामन भेजा है उसके लिए मैंने 15 दिन का समय मांगा है अब ईडी के जवाब का इंतजार है. जोशी पर जल जीवन मिशन से जुड़े मामले में 2000 करोड़ रुपए से ज्यादा के भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे. जिसमें जलदाय विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारियों पर भी एऊ की कार्रवाई की गई. वहीं, पूर्व मंत्री महेश जोशी के आवास पर भी ईडी के अधिकारियों ने पूछताछ की थी इस मामले में तत्कालीन जलदाय मंत्री महेश जोशी के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अग्रवाल के आवास पर भी ईडी ने छापेमारी की थी.

हो सकते हैं कई खुलासे

मामले से जुड़े संजय बढ़ाया को एऊने शुक्रवार को पूछताछ के लिए बुलाया था. जिसमें कई अहम खुलासे होने की बात सामने आ रही है. बताया जा रहा है कि एऊको जल जीवन मिशन से जुड़े कई अहम दस्तावेज हाथ लगे हैं. जल जीवन मिशन से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोपी की जांच के लिए मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने भी केंद्र सरकार से इस मामले की जांच करने की मांग की थी और उसके बाद प्रदेश में सरकार बदलते ही महेश जोशी और विभागीय अधिकारियों पर ईडी ने कार्रवाई की

किरोड़ी लाल मीणा ने एऊको सौंपे थे कई दस्तावेज जेजेएम में हुए कथित घोटाले से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने एऊ को सौंपे थे. ईडी दफ्तर जाकर उन्होंने घोटाले के सबूत देते हुए कार्रवाई की मांग की थी. डॉ. मीणा के मुताबिक ठेकेदारों से मिलकर पूर्व मंत्री महेश जोशी ने 2 हजार करोड़ से ज्यादा का घोटाला किया है.

अभय चौटाला की याचिका पर हाई कोर्ट ने सरकार से मांगी रिपोर्ट

चंडीगढ़ः इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के विधायक अभय चौटाला की अपने लिए जेड प्लस सुरक्षा मांगने वाली याचिका हाई कोर्ट ने सोमवार को स्वीकार कर ली है. कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से दो दिन में रिपोर्ट देने को कहा है.इनेलो विधायक अभय चौटाला ने पिछले सप्ताह हाई कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर कहा था कि उन्हें लगातार धमकियां मिल रही हैं. उनकी पार्टी के अध्यक्ष की हत्या हो चुकी है. वह लगातार शराब माफिया, भू-माफिया तथा असमाजिक तत्वों के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं. उन्हें धमकी मिलने के बाद जींद में मामला दर्ज करके कुछ समय के लिए सुरक्षा दी गई थी, लेकिन बाद में सुरक्षा वापस ले ली गई. अभय चौटाला की याचिका को स्वीकार करते हुए सोमवार को पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने स्वीकार कर सुनवाई की. हाई कोर्ट ने इस बारे में हरियाणा सरकार को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है. हरियाणा सरकार ने अभय चौटाला की सुरक्षा को लेकर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के लिए दो दिन का समय मांगा है.

राष्ट्रीय पहचान बनाने को बेकरार भारत आदिवासी पार्टी, देशभर में 30 लोकसभा सीटों पर उतारेगी प्रत्याशी

जयपुरः भारत आदिवासी पार्टी अब क्षेत्रीय पार्टी से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने के लिए राजस्थान की आठ लोकसभा सीट के साथ ही विभिन्न प्रांतों की 30 लोकसभा सीट से अधिक सीटों पर अपने प्रत्याशियों को उतारेगी. इसके लिए पार्टी द्वारा प्रत्याशियों का चयन किया जा रहा है. भारत आदिवासी पार्टी ने अभी तक राजस्थान की बांसवाड़ा डूंगरपुर और उदयपुर दो लोकसभा सीट के लिए अपने प्रत्याशी तय कर लिए हैं.

बीएपी राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहनलाल रोत ने बताया कि भारत आदिवासी पार्टी राजस्थान में बांसवाड़ा, उदयपुर, टोंक, राजसमंद, दोसा जालौर, चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेगी. वहीं, मध्य प्रदेश में रतलाम, धार, शहडोल सहित दो अन्य सीट पर चुनाव लड़ेगी.

इसी तरह छत्तीसगढ़ राज्य में आरक्षित सीट बस्तर, कांकेर और सरगुजा लोकसभा सीट से प्रत्याशी को लोकसभा चुनाव के लिए उतारेगी. इसी प्रकार झारखंड राज्य में खूंटी और गोड़ा लोकसभा क्षेत्र तथा आंध्र प्रदेश में अरकु और केंद्र शासित प्रदेश दादर और नागर हवेली से भी लोकसभा चुनावों के लिए प्रत्याशी घोषित किया जाएगा. भारत आदिवासी पार्टी राजस्थान और मध्य प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र के अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित धुले, नांदेड़ पालघर, जलगांव और गढ़ चारोली का लोकसभा चुनाव लड़ेगी, जिसके लिए अभी चर्चा चल रही है.

भारतीय आदिवासी पार्टी में चुनाव की प्रक्रिया पार्टी के कार्यकर्ताओं की पंचायत तय करती है. यह बिल्कुल अमेरिका के राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की तरह होता है, जहां पहले पार्टी के भीतर उम्मीदवार टिकट पाने के लिए खड़े होते हैं. इसी तर्ज पर भारत आदिवासी पार्टी में पंचायत में बैठे कार्यकर्ता तय करते हैं कि कौन उम्मीदवार सक्रिय है और उपस्थित कार्यकर्ताओं के वोट के आधार पर जो विजयी होता है और उसे उम्मीदवार चुन लिया जाता है.

भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) मूलतः राजस्थान के मध्यप्रदेश और गुजरात से सटे भील आदिवासी बहुल इलाकों की पार्टी है. बीते 10 सितंबर 2023 को ही भारतीय आदिवासी पार्टी यानी 'बाप' की लॉन्चिंग हुई थी. मुख्यतः भील प्रदेश की मांग के साथ आदिवासियों के संवैधानिक हक जमीन पर दिलवाने के एजेंडे के साथ यह पार्टी बनाई गई है.

लोस चुनाव के लिए तैयार कैथल, छह पोलिंग बूथ अति संवेदनशील और 96 संवेदनशील

चार विधानसभा क्षेत्रों में 8 लाख 11 हजार 623 मतदाता

कैथलः लोकसभा चुनाव के लिए जिला कैथल पूरी तरह तैयार है. जिला प्रशासन ने चावन को लेकर अपने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं. सोमवार को लघु सचिवालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में डीसी प्रशांत पंवार कहा कि चुनाव के लिए अधिसूचना 29 अप्रैल 2024 हो जाएगी. चुनावी प्रक्रिया के तहत 6 मई तक नामांकन पत्र दाखिल किए जा सकेंगे. नामांकन पत्रों की जांच पड़ताल 7 मई को की जाएगी तथा उम्मीदवारों के लिए नामांकन पत्र वापिस लेने की अंतिम तिथि 9 मई रहेगी.

उन्होंने बताया कि 25 मई को मतदान होगा तथा 4 जून 2024 को मतगणना होगी. आगामी 6 जून 2024 चुनावी प्रक्रिया पूर्ण होने की तिथि है. जिला में धारा 144 लागू कर दी गई है. उन्होंने कहा कि मतदाताओं की सुविधा के लिए सभी मतदान केंद्रों पर पीने का पानी, सुलभ शौचालय, रैंप इत्यादि की व्यवस्था की गई है. मीडिया के सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि 85 वर्ष से अधिक आयु व दिव्यांग मतदाताओं से घर पर ही मतदान करने के लिए चुनाव कार्यालय की ओर से फार्म भरवाए जाएंगे, उनकी सहमति देने के उपरांत ही मतदान की व्यवस्था के लिए टीम का गठन किया जाएगा.

डीसी ने बताया कि कैथल जिला में 4 विधानसभा क्षेत्र हैं, जिनमें कैथल, पूंडरी, कलायत और गुहला शामिल हैं. इन सभी विधानसभा क्षेत्रों में कुल 8 लाख 11 हजार 623 मतदाता हैं, जिनमें 4 लाख 27 हजार 914 पुरूष तथा 3 लाख 83 हजार 698 महिला मतदाता, 11 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल है. इन मतदाताओं की सुविधा के लिए जिला में कुल 807 मतदान केंद्र बनाए गए है, जिनमें 96 पोलिंग बूथ संवेदनशील, 6 पोलिंग बूथ अति संवेदनशील श्रेणी में आते हैं. इस मौके पर एडीसी सी.जया श्रद्धा, एसडीएम ब्रह्म प्रकाश, कृष्ण कुमार, सत्यावान सिंह मान, उप जिला निर्वाचन अधिकारी गुरविंद्र सिंह, नायब तहसीलदार चुनाव सुभाष चंद आदि मौजूद रहे.

साढ़े 23 लाख मतदाता करेंगे प्रत्याशी के भाग्य का फैसला

फरीदाबादः लोकसभा चुनावों की घोषणा हो चुकी है. फरीदाबाद में छठे चरण यानी 25 मई को वोटिंग होगी. फरीदाबाद लोकसभा सीट पर इस बार मतदाताओं की संख्या बढ़ गई है. फरीदाबाद सीट में दो जिले फरीदाबाद व पलवल आते हैं. जिले में बडख़ल, फरीदाबाद, एनआइटी, तिगांव, बल्लभगढ़ और पृथला छह विधानसभा सीटें और पलवल जिले की तीन पलवल, हथीन व होडल सीटें लोकसभा क्षेत्र में आती हैं.

लोकसभा क्षेत्र में 2354729 मतदाता प्रत्याशियों के भाग्य विधाता बनेंगे. इनमें 1279461 पुरुष मतदाता हैं और 1075149 महिला मतदाता हैं और 119 ट्रांसजेंडर मतदाता हैं. लोकसभा चुनाव में नवमतदाता भी मतदान करने को लेकर उत्सुक हैं. मतदान के काबिल हो चुके 18 वर्ष से अधिक उम्र के ऐसे मतदाताओं ने वोट भी बनवाए हैं. इनमें लोकसभा चुनाव में फरीदाबाद जिला के 23 हजार 163 युवा पहली बार मतदान करेंगे.

सीएम फ्लाइंग का राशन डिपो पर छापा, स्टॉक से ज्यादा मिला राशन

हिसारः सीएम फ्लाइंग की टीम ने बरवाला में अग्रोहा मार्ग पर वार्ड नंबर 14 में एक राशन डिपो पर छापा मारा. टीम में खाद्य एवं पूर्ति विभाग व पुलिस के अधिकारी शामिल रहे.

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को अचानक हुई इस छापेमारी से बरवाला शहर के अन्य डिपो होल्डरों में हड़कंप मच गया और वो इस डिपो पर की जा रही छापेमार कार्रवाई की जानकारी लेते नजर आए. बताया जा रहा है कि सीएम फ्लाइंग टीम को इस छापेमारी में राशन डिपो पर गेहूं, सरसों का तेल, बाजरा व चीनी भारी मात्रा में मशीन से ज्यादा स्टॉक मिला. टीम ने डिपो में रखे स्टॉक को अपने कब्जे में ले लिया है और डिपो को सील करके आगामी कार्रवाई आरंभ कर दी है. जब इस टीम ने इस डिपो पर छापा मारा तो उस समय डिपो होल्डर वार्ड नंबर 14 निवासी सेवाराम मौके पर मौजूद मिला. खाद्य एवं पूर्ति विभाग के एएसआई मनोज भार्गव और राकेश कुमार ने बताया कि डिपो पर स्टॉक से ज्यादा कई क्विंटल की धांधली होने का अनुमान लगाया जा रहा है. फिलहाल टीम ने रिकॉर्ड से जांच मिलान की कार्रवाई करते हुए डिपो होल्डर के खिलाफ कार्रवाई के लिए थाना प्रभारी को लिख दिया गया है.

अजमेर में बड़ा रेल हादसा, एक ही ट्रैक पर आईं 2 ट्रेनें, 4 डिब्बे पटरी से उतरे

अजमेरः अजमेर के मदार रेलवे स्टेशन के पास रविवार देर रात दो ट्रेनें एक ट्रैक पर आ गई, जिससे इंजन समेत पैसेंजर ट्रेन के चार जनरल डिब्बे पटरी से उतर गए और पटरियों को उखाड़ते हुए बेपटरी हो गए. हादसे के बाद पैसेंजर ट्रेन के जनरल कोच में बैठे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और ट्रेन से उतरकर पैसेंजर इधर-उधर भागने लगे. हालांकि हादसे में अभी किसी भी तरह के जान-माल के खतरे की खबर नहीं है. हादसे की सूचना पर रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंच गए और बेपटरी हुए कोच व इंजन को पटरी पर लाने का रेस्क्यू शुरू कर दिया.

हादसा देर रात 1:00 बजे के आसपास हुआ. हादसे की सूचना के बाद एडीआरएम सहित ठझक्र ऋछ्र पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया. बताया जा रहा है हादसे की शिकार हुई ट्रेन नंबर 12548 साबरमती आगरा सुपरफास्ट एक्सप्रेस शाम को तय समय पर निकली थी.

डीआरएम बलदेव राम ने बताया कि हादसे की शिकार हुई अजमेर आगरा फोर्ट साबरमती पैसेंजर ट्रेन कल शाम करीब 5:00 बजे तय समय पर निकली थी. उन्होंने बताया कि ट्रेन का संचालन बिल्कुल सही चल रहा था, लेकिन देर रात 1:00 बजे मदार रेलवे स्टेशन पहुंचने से पहले कुछ दूरी पर दूसरी ट्रेन से ट्रैक चेंज करने के दौरान पैसेनजर ट्रेन साइड से टकरा गई. हालांकि अभी तक हादसे के दूसरे तकनीकी कारणों का पता नहीं चल सका है. बताया जाता है हादसे की वजह से पटरियां अपनी जगह से डिस्प्लेस हो गई है.

डीआरएम बलदेव का कहना है कि अभी हादसे को लेकर कुछ कहना मुश्किल है, यह अंडर इन्वेस्टिगेशन का मैटर है, लेकिन हादसे में कोई जन हानि नहीं हुई. हादसे की सूचना के बाद सभी रेलवे अधिकारी कर्मचारियों को मौके पर बुलाया गया है और राहत कार्य शुरू कर ट्रेन के कोच को हटाने का रेस्क्यू शुरू कर दिया गया है.

रिपोर्ट के मुताबिक रेलवे अधिकारियों ने अजमेर के रेलवे अस्पताल जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में

अपना स्टाफ भेजा है, ताकि हादसे में कोई घायल हुआ हो तो उसका इलाज किया जा सके. वहीं, रेलवे के अधिकारियों ने अजमेर रेलवे स्टेशन और मदार के रेलवे स्टेशन पर जर्नल कोच के यात्रियों के लिए खाने-पीने और चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध करा दी है और रूट सामान्य होने के बाद सभी यात्रियों को उनके गंतव्य स्थान तक भेजाजाएगा.

एडीआरएम का कहना है कि मौके पर ट्रेन हादसे के चलते पटरियां जमीन से उखड़ कर अलग-अलग जगह बिखर गई है और इंजन और कोच के व्हील जमीन में धंस गए हैं. उन्होंने कहा, ऐसे में हादसा किन कारणों से हुआ यह कहना जल्दबाजी होगी. हालांकि मौके पर दुर्घटनाग्रस्त ट्रेन के कोच और इंजन को हटाने का कार्य किया जा रहा है और इस कार्य में करीब अगले 8 से 10 घंटे लगेंगे.

साबरमती आगरा सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन हादसे के बाद रेल प्रशासन ने हेल्प डेस्क नंबर 0145-2429642 जारी किए हैं. ट्रेन में सवारी कर रहे जानकारी लेने के लिए इस नम्बर पर संपर्क किया जा सकता है.

रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे रेल कर्मचारी

रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि ट्रेन हादसे के चलते अजमेर रूट की सभी ट्रेन करीब 4 से 6 घंटे प्रभावित होगी. रेलवे प्रशासन ने रूट डायवर्जन और ट्रैक को बहाल करने के लिए रेस्क्यू शुरू कर दिया है.

हादसे से प्रभावित हुआ रेल यातायात, रेलवे ने रद्द की 6 ट्रेनें

1. गाड़ी संख्या 12065, अजमेर-दिल्ली सराय रोहिल्ला दिनांक 18.03.24 को रद्द
2. गाड़ी संख्या 22987, अजमेर-आगरा फोर्ट दिनांक 18.03.24 को रद्द
3. गाड़ी संख्या 09605, अजमेर-गंगापुर सिटी दिनांक 18.03.24 को रद्द
4. गाड़ी संख्या 09639, अजमेर-रेवाडी दिनांक 18.03.24 को रद्द
5. गाड़ी संख्या 19735, जयपुर-मारवाड दिनांक 18.03.24 को रद्द
6 गाड़ी संख्या 19736, मारवाड़-जयपुर दिनांक 18.03.24 को रद्द

रेलवे ने ट्रेनों की मार्ग परिवर्तित किए

1. गाड़ी संख्या 12915, साबरमती-दिल्ली रेल सेवा परिवर्तित मार्ग वाया दोराई-मदार (अजमेर को छोड़कर)
2. गाड़ी संख्या 17020, हैदराबाद

मैकनिल इंजीनियरिंग लि. के चेयरमैन प्रदीप चूड़ीवाल से साक्षात्कार

भविष्य तो इलेक्ट्रिकल वाहनों का ही है : प्रदीप चूड़ीवाल

मैकनील इंजीनियरिंग लि. (Macnill Engineering Ltd) एक मटेरियल हैंडलिंग उपकरणों और इलेक्ट्रिकल वाहनों के निर्माण में लगी हुई है, जैसे कि बड़े आईटी ट्रक, वेयरहाउस ट्रक, स्टेकर, पावर पैलेट ट्रक, इलेक्ट्रिक प्लेटफॉर्म ट्रक, गोल्फ कार्ट, डम्पर, टो ट्रक और हाइड्रोलिक पैलेट ट्रक, इलेक्ट्रिक रिक्शा व अन्य. 2011 में कंपनी के काम में विविधता आयी और यह आईओसीएल, बीएचईएल, गेल, ग्रासिम, सेंचुरी जैसे बड़े उद्योगों को रेंटल कांट्रैक्ट देने लगी. कंपनी मध्य पूर्व और अफ्रीका में भी अपने उपकरणों का निर्यात कर रही है. पिछले साल से कंपनी ने आईटीसी और आईटीसी इन्फोटेक, क्लाउड कैप्टन से अनुबंध प्राप्त किया है. कंपनी ने 2 लाख वर्गफीट का लक्ष्य रखा है. 2024 तक जिसमें से 1,50,000 वर्ग फुट का लक्ष्य पहले ही हासिल कर लिया गया है. कंपनी ने फिल्म स्टूडियो भी विकसित किए हैं और फीचर फिल्म, टीवी सीरियल और कार्यक्रमों के निर्माण के लिए उन्हें किराये पर दिया है. इसके अलावा कंपनी बंगाली और हिंदी फिल्में भी बना रही है. मैकनिल इंजीनियरिंग लिमिटेड के चेयरमैन प्रदीप चूड़ीवाल से साक्षात्कार लिया युवाशक्ति के प्रधान संपादक सुधांशु शेखर ने. प्रस्तुत हैं उसके संपादित अंश:-

युवाशक्ति : सबसे पहले तो आप अपने बारे में दर्शकों को बताएं कि कहां से इस सफर की शुरुआत हुई? आपने एक छोटा सा पौधा लगाया था, जो अब विशाल वट वृक्ष बन गया है. कहां से इसकी इसकी शुरुआत हुई?

चूड़ीवाल जी : देखिए मेरा जन्म एक बिजनेस फैमिली में ही हुआ है और 1980 से इस बिजनेस में हूं. पहले मेरा संयुक्त परिवार था. हम लोगों ने मिलकर उद्यमों का विस्तार किया. रोलिंग मिल, फाउंड्री, फोर्जिंग यूनिट्स खोले गये. रेलवे के ट्रैक के उपकरण भी हम बनाते थे और आपूर्ति करते थे. रेलवे में हम लोगों का काफी काम चलता था, फिर धीरे-धीरे जब सन् 2000 के आसपास हम लोगों की फैमिली में बंटवारा हुआ, तो मैंने अपना एक नया काम चालू किया. सबसे पहले मैंने पोर्ट एरिया में वेयरहाउसिंग के क्षेत्र में कदम रखा. उसके बाद मेरे को एक ऑफर मिला. मैकनिल इंजीनियरिंग लिमिटेड एक बीमार यूनिट थी खेतान समूह की,जिसका मैंने टेकओवर किया. जनवरी 2004 में उस टाइम कंपनी की हालत बहुत खराब थी. कंपनी बीएफआईआर में थी मगर मेहनत के और चेष्टा के कारण हम लोगों ने इसको दो साल में ही प्रॉफिट देने वाली कंपनी में कन्वर्ट कर दिया और तब से आज तक हम लगातार लाभ में हैं. कंपनी की ग्रोथ 10 प्रतिशत के आसपास साल-दर-साल बढ़ती जा रही है. उसके बाद 2011 में हम लोगों ने इसमें और अधिक डायवर्सिफिकेशन किया. मैन्युफैक्चरिंग के अलावा हम लोग खुद कांट्रैक्ट लेकर अपने उपकरण बनाने के लिए पूरे देश में कांट्रैक्ट पर देने लगे. हम लोग ट्रेनिंग देकर श्रमिकों को ट्रेंड करते हैं. हमारी खुद की इंजीनियर्स सर्विस है, वे मेंटेनेंस करते हैं तो उपकरण का निर्माण व आपूर्ति बिना किसी परेशानी चलता रहता है और ये कांट्रैक्ट पांच से 7 साल व 10 साल तक चलता रहता हैं. कंपनियों को भी फायदा है और हम लोगों को भी फायदा है. इससे रोजगार भी मिलता है. हमारे कांट्रैक्ट्स में इंडियन ऑयल, गेल व पेट्रोलियम इंडस्ट्री में सारी कंपनियां हैं.

युवाशक्ति : आपके इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माण में क्या खास है?

चूड़ीवाल जी : हमारे बनाये जा रहे उपकरणों में लिफ्ट, वेयरहाउस ट्रक्स, प्लेटफॉर्म ट्रक्स, गोल्फ कार्ट्स, टोटो, डंपर्स, ट्रक्स हैं, जिसमें 11 मीटर तक की हाइट पर आप अपना माल स्टॉक कर सकते हैं. इसके अलावा हम स्पार्क मुक्त बैटरी बनाते हैं, जो प्रदूषण मुक्त है. हमलोगों ने 2005 में एलएनटी के कांट्रैक्ट पर इंडियन ऑयल को ऐसी 50 खास क्लिप सप्लाई की थी, जो 20 साल तक वहां चली है.

युवाशक्ति : आज जिस हिसाब से प्रदूषण बढ़ रहा है, सरकार भी चाहती है कि प्रदूषण फ्री गाड़ियां चलें. इसमें कितना आपको क्या भविष्य नजर आ रहा है, क्योंकि आप तो इतने वर्षों से इस चीजों में लगे हैं.

चूड़ीवाल जी : इलेक्ट्रिक वाहन का मार्केट तो अभी नेक्स्ट 10 इयर्स में और बूम करेगा. हर आदमी डीजल और पेट्रोल गाड़ी से कन्वर्ट करके इसमें आ रहा है और अब लेड बैटरी की जगह लिथियम बैटरी मार्केट में आ गई है. लिथियम बैटरी की लाइफ भी ज्यादा है, कॉस्ट भी कम है और रिचार्जिंग टाइम भी बहुत कम लगता है. दो घंटे में आप चार्ज करके 12 घंटा गाड़ी चला सकते हैं. इसलिए इक्विपमेंट का कॉस्ट है, पावर ज्यादा नहीं लगता. लॉजिस्टिक सेक्टर में जितना ट्रांसपोर्टेशन होता है और आप देख रहे होंगे कि सारी बड़ी कंपनियां 50 टन, 60 टन तक के इलेक्ट्रिक ट्रेलर और ट्रक निकाल लिये हैं. अशोक लिलेंड अभी 59 टन का इलेक्ट्रिक ट्रेलर लांच किया. सीमेंट कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहनों को उपयोग कर रही हैं. हमने भी कुछ गाड़ियां अपनी सीमेंट कंपनियों को बेची हैं और हमारे पास में काफी इसकी डिमांड भी आई है. 5 टन के मिनी ट्रकों के लिए छोटी इलेक्ट्रिक गाड़ियां चाहिए. इसकेलिए बातचीत चल रही है.

युवाशक्ति : पश्चिम बंगाल के अलावा आपका जो यह व्यवसाय कहां-कहां तक फैला हुआ है और आपकी मुख्य योजना क्या है?

चूड़ीवाल जी : मेरा व्यवसाय वैसे मैन्युफैक्चरिंग में है और वह कोलकाता में ही है. जोका में हमारा प्लांट है, मगर हमारा व्यवसाय पूरे इंडिया में हैं, क्योंकि इसके यूजर्स पूरे इंडिया में हैं. केरल से लेकर मुंबई और जम्मू से लेकर दक्षिण में आप कहीं भी

चले जाइए, सब जगह हमारे उपकरण जाते हैं. वेस्टर्न रीजन में चूंकि इंडस्ट्री की ग्रोथ बहुत फास्ट है, इसलिए वहां पर हमारी सबसे ज्यादा ग्रोथ है और वैसे हम लोग एयरफोर्स, इंडियन नेवी, रेलवेज, पावर सेक्टर सब जगह हम लोग को कांटेक्ट मिलते हैं और हम सब गाड़ियां नियमित रूप से सप्लाई कर रहे हैं.

युवाशक्ति : आपने कहा कि यहां के अलावा वेस्टर्न रीजन में आपको बेहतर रिस्पांस मिल रहा है, तो यहां की सरकार से कितना सपोर्ट इंडस्ट्री के लिए मिल रहा है? कुछ कारण हैं जिससे इंडस्ट्री ईस्टर्न रीजन में उतनी ग्रो नहीं कर रही है. आपका क्या कहना है?

चूड़ीवाल जी : किसी जमाने में कलकाता इंडस्ट्री का हब था. आज के दिन उद्योग धीरे-धीरे कम होते गये. उद्योगपति गुजरात और साउथ की तरफ अपना उद्योग ले गये. आप देखें तो गत 10-12 साल में कोई बड़ा प्लांट यहां नहीं लगा. मध्य प्रदेश, गुजरात महाराष्ट्र में उपकरणों की काफी मांग है

युवाशक्ति : बंगाल समिट जब भी होता है, तो कहा जाता है कि इतने लाख करोड़ का इन्वेस्टमेंट का प्रस्ताव आया है तो क्या लगता है कि बंगाल को लोग किस नजरिए से देख रहे हैं?

चूड़ीवाल जी : यहां तो संभावनाएं अपार है! यहां पर आईटी सेक्टर में बंगाल ने काफी अच्छा प्रोग्रेस किया है! यहां मैन पावर की सप्लाई अच्छी है, टेक्निकल क्वालिफाइड पर्सन और दूसरी बुनियादी सुविधाएं सस्ती हैं, इसलिए बाहर की कंपनियां अब यहां पर शिफ्ट कर रही हैं. हम लोगों ने आईटीसी और आईटीसी इंफोटेक और कुछ सॉफ्टवेयर कंपनियों को यहां राजारहाट में भाड़े पर डेढ़ लाख वर्गफीट रेडी टू यूज कार्यालय व वेयरहाउस दिये हैं. चार-पांच कंपनियां बहुत अच्छा काम कर रही हैं. हम लोग भी इंटरनेशनल कंपनी रिगर से टाई अप किए हुए हैं और उन्हीं के सपोर्ट से व पैटर्न पर, उन्हीं की डिजाइन पर हम लोग ऑपरेट कर रहे हैं.

युवाशक्ति : आप फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी हैं. न केवल हिंदी, बल्कि गुजराती फिल्म भी बनायी है. एक बहुत ही मशहूर इशरत जहां का एनकाउंटर हुआ था, पर रीयल एनकाउंटर फिल्म बना रहे हैं, तो इसके बारे में जरा बताएं कि कैसे आपके दिमाग में यह कांसेप्ट आया?

चूड़ीवाल जी : इस संबंध में पूरी घटनाओं को हमने स्टोरी में कन्वर्ट किया है, ताकि दर्शकों को सब पता चले और उस पर एक फिल्म बना देता हूं. पहले भी मैंने शिना बोरा मर्डर केस पर एक फिल्म बनाई थी- डार्क चॉकलेट. यह 2016 में रिलीज हुई थी.

युवाशक्ति : शीना बोरा पर आपने फिल्म बनाई, इशरत जहां पर बन रही फिल्म कब रिलीज होगी? आपको किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

चूड़ीवाल जी : वैसे तो फिल्म कंप्लीट रेडी है, फाइनल एडिटिंग के बाद इसी माह सेंसर में जायेगी. 15 अप्रैल को यह पूरे भारत में यह रिलीज होगी. यह पिक्चर हिंदी और गुजराती दोनों में बनी है, क्योंकि गुजराती में इसलिए बनाया कि घटनाएं गुजरात से संबद्ध हैं. हमने बंगाली में भी 20 से ज्यादा फिल्में बनाई हैं और कई फिल्मों को अवार्ड भी मिले हैं.

युवाशक्ति : एक सवाल जरा हट के चूड़ीवाल जी. क्योंकि आपने इतनी सारी फिल्में बनायी हैं. कहीं ऐसा तो नहीं है कि आप फिल्मों में जाना चाहते हों और नहीं जा सके और निर्माण कार्य में लग गये.

चूड़ीवाल जी : नहीं, नहीं, मेरा मकसद फिल्म में जाना नहीं था, मेरे पास में फैक्ट्री में पांच-छह स्टूडियो भी हैं, जो हम लोग फिल्म इंडस्ट्री को भाड़े पर भी देते हैं. वहां फिल्मों व टीवी सीरियलों वगैरह की शूटिंग होती है. मैं यहां के सारे प्रोड्यूसर्स व डायरेक्टर्स व आर्टिस्टों से जुड़ा हुआ हूं और इसी कारण फिल्मों में थोड़ा मेरा इंटरेस्ट है. इस तरह कमर्शियल काम के अलावा कोई दूसरी रुचि नहीं है.

युवाशक्ति : मैं इशरत जहां एनकाउंटर मामले पर लौटता हूं. युवा शक्ति के माध्यम से आप दर्शकों से लोगों से क्या अपील करना चाहेंगे?

चूड़ीवाल जी : मैं सबसे यही बोलूंगा कि यह पिक्चर आप जरूर देखें. इस पिक्चर को देखने से आपको सच्चाई पता चलेगी कि एक किसी भी एनकाउंटर को कैसे लोग फर्जी दिखा सकते हैं? और कैसे लोगों को फंसा सकते हैं. यह मूल तौर पर दो सरकार के बीच की लड़ाई थी. 2004 में सरकार बदल गयी थी. गुजरात सरकार और केंद्र सरकार के बीच के लड़ाई में बेचारे ईमानदार ऑफिसर पीड़ित हुए और राजनेताओं को भी फंसाने की चेष्टा की गई. किंतु फिर केंद्र सरकार बदल गई. कोर्ट में मामला चला तो कुछ और सच्चाई का पता चला. मुठभेड़ सही था.

युवाशक्ति : प्रदीप जी, चूंकि आप एक सामाजिक व्यक्ति भी हैं, बहुत सारे सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हैं, तो क्या लगता है कि आज के दौर में सामाजिक ताना-बाना कुछ बिगड़ रहा है? एक सामाजिक मेल-मिलाप की भावना में कहीं ना कहीं गिरावट आई है? आप इसको लेकर क्या सोचते हैं?

चूड़ीवाल जी : जैसे-जैसे टाइम बदल रहा है, यह भी बदलता रहता है. पॉलिटिकल सिनेरियो भी हमारे देश का चेंज हो रहा है. हम लोगों ने 15-20 साल बहुत सारी मिलीजुली सरकारें देखीं, पर अब केंद्र में सिंगल पार्टी रूल वापस आया है. फिर इलेक्शन आया है, देखा जाए आगे क्या होगा? मगर आज हम लोग आर्थिक स्थिति से जितने मजबूत हैं और एक प्रोग्रेसिव लाइन में हैं इंडिया का फ्यूचर बहुत ब्राइट नजर आता है. अगर सरकार की अच्छी पॉलिसी रहेगी, नीयत सही होगी तो सब ठीक रहेगा.

युवाशक्ति : अयोध्या में रामलला विराजित हो गए हैं और वर्षों की तपस्या रंग लाई है. इस पर आपके क्या उद्गार हैं?

चूड़ीवाल जी : रामलला विराजमान हुए या 370 हटा, यह मोदी जी चाहते तो बहुत पहले ही हो जाता, मगर पहले सरकार की मंशा वैसी नहीं थी. रामलला का तो जजमेंट मेरे ख्याल से 40 साल पहले आ गया था. राजीव गांधी के समय या नरसिंहा राव के समय में भी हालात अनुकूल थे, पर किसी ने भी निर्णय लेने का साहस नहीं दिखाया. आज के प्रधानमंत्री मोदी जी ने फैसला लिया और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के हिसाब से इस काम को कंप्लीट किया. मथुरा व काशी का मैटर भी कोर्ट में है. धीरे-धीरे नई-नई चीजें सामने आ रही हैं.

युवाशक्ति : प्रदीप जी, कहा जाता है कि हर सफल व्यक्ति के पीछे एक महिला का हाथ रहता है. वह महिला कौन हैं, जिन्होंने आपको संबल प्रदान किया? आपके साथ वैसे तो स्टाफ लोग हैं, लेकिन आपकी संतान या कौन ऐसे लोग हैं, जो आपका साथ दे रहे हैं?

चूड़ीवाल जी : देखिए सबसे पहले तो मुझे मां का आशीर्वाद सदा से मिला है. मेरी 91 वर्ष की मां मेरे साथ ही रहती हैं. मैं जब 10 साल का था तभी मेरे पिताजी का देहांत हो गया. उनका भी मुझे हमेशा गाइडेंस मिला. हमको सीधे और सही रास्ते पर चलना उन्होंने ही सिखाया. मेरी वाइफ और मेरी दो लड़कियां हैं, दोनों बिजनेस में मेरे साथ लगी हुई हैं. वाइफ अनिता चूड़ीवाल का भी सपोर्ट मुझे मिलता है. मेरी माता जी का नाम अन्नपूर्णा देवी है. देवीना व देविका बेटियां हैं. देविका अपना बुटीक चलाती हैं. देवीना चूड़ीवाल मेरे संग में बिजनेस में शामिल है. वो यहां ऑफिस की एक्टिविटीज देखती हैं.

युवाशक्ति : युवा शक्ति के माध्यम से आज के युवाओं को आप क्या संदेश देना चाहेंगे?

चूड़ीवाल जी : मेरा यही संदेश है कि आप अपने जीवन में गोल को फिक्स रखें और सही रास्ते चलें. नीयत साफ है तो आपको सफलता मिलेगी ही. युवा हमेशा आगे की सोच रखें और समय के साथ बदलते रहें.मिसाल के तौर पर पहले के रील वाले कैमरे आज फेल गये, अब कैमरा आपके मोबाइल में आ गया है. इसी तरह मार्केट में ऑटोमोबाइल कंपनियां अगर इलेक्ट्रिक व्हीकल की तरफ नहीं गईं तो वो भविष्य में पीछे रह जाएंगी.

श्री गणेशाय नमः
श्री श्याम देवाय नमः
श्री हनुमते नमः

सॉल्टलेक नरेश देवालय
FC ब्लाक पार्क सेक्टर III, कोलकाता
सतरंगी फाल्गुन उत्सव 2024
फाल्गुन सुदी एकादशी एवं द्वादशी तदानुसार बुधवार, 20 मार्च एवं बृहस्पतिवार 21 मार्च 2024 को !
दर्शन एवं जोत हेतु सभी श्याम प्रेमी सपरिवार, एवं बंधु बांधव अवश्य पधारें !
मुख्य अतिथि
श्री मनीष जी हिसारीया
रजत निशान पद यात्रा
दिनांक : 19/03/2024, फाल्गुन शुक्ल दशमी,
मंगलवार सायं 6 बजे, मंदिर से प्रारंभ एवं मंदिर में समापन
विशिष्ठ अतिथि
श्री मनमोहन बागड़ी
सम्मानीय अतिथि
श्री अजय सिंघानिया

अध्यक्ष एवं प्रबंधक
गोपाल बंका
व्यवस्थापक
धर्मेन्द्र अग्रवाल
देव राज दास
कोषाध्यक्ष
सुरेश मित्तल

स्वागत कर्ता
आर पी अग्रवाल, संजय अग्रवाल (FE), अंकित अग्रवाल, निखिल ढाणेवाल, संजय अग्रवाल (बागुईहाटी), अभिषेक केजरीवाल, जितेंद्र मंडल, महेश अग्रवाल, संजय अग्रवाल, राज कुमार जैसवाल, अजीत अग्रवाल, विजय अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, निलांजन ब्रह्म

सम्मानीय सहयोगी
सत्यनारायण बंसल, राम किशोर लुहारीवाला, दिनेश अग्रवाल (CJ), नरेंद्र गोयल, गोबिंद डिडवानिया, अनिल अग्रवाल, रोहित गोयनका, राजेश अग्रवाल (ORG), बाबूलाल बंका, प्रदीप लुहारीवाला, अनिल केडिया, सुशील चौधरी

महिला कार्यकर्ता
सुनीता बंका, सुनीता अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल (क्लब टाउन), नीता अग्रवाल, अनिता डिडवानिया, स्वीटी केजरीवाल, शिवानी सरावगी

कीर्तन संरचालक
विनोद डाचोलिया, राहुल सुरेखा, सचिन केडिया, अमित

सीधा प्रसारण

प्रेरणास्त्रोत एवं मार्गदर्शक : श्री शंकर लाल कारीवाल

सौजन्य :
DECO DREAMS
A 360° COMPLETE FURNISHING SOLUTION
VEDAM
art . fashion . life
SAREES | DRESSES | LEHENGAS | SHERWANIS
ETERNIA®
System Aluminium Window
From
Aditya Birla Group
Now at:
CF 123, SALTLAKE
KOLKATA
Contact:
मनीष कुमार हिसारीया
8100511113

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा-प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट- सलप, थाना-डोमजूर, जिला-हावड़ा-711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई-मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन